दैनिक
खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान
अर्थ प्रकाश
पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबल वाणी

हंसकर भूल जाता हूं सारी बातें, इसका यह मतलब नहीं कि दिल पर नहीं लगती।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, शनिवार, 19 जुलाई, 2025 | श्रावण कृष्ण पक्ष: नवमी विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 198 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

न्यूज ब्रीफ

सीईटी परीक्षा की साइट खुलते ही दस लाख ने डाउनलोड किए एडमिट कार्ड

चंडीगढ़ (अप्रस)। हरियाणा में अगले सप्ताह होने वाली सीईटी की परीक्षा को लेकर कर्मचारी चयन आयोग ने बीती रात साइट पर एडमिट कार्ड अपलोड कर दिए हैं। आयोग द्वारा साइट ओपन करने के बाद पहले ही दिन प्रदेश के दस लाख युवाओं ने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लिए हैं। हरियाणा में 26 व 27 जुलाई को ग्रुप सी के लिए सीईटी की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए 13 लाख 48 हजार युवाओं ने आवेदन किया हुआ है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अलावा परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग तथा जिला प्रशासन के अधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा गुरुवार की रात एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए लिंक जारी किया। शुक्रवार को आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि कल देररात यह लिंक जारी किया गया था। जिसके चलते पहले 11 घंटे में नौ लाख 14 हजार 665 अभ्यर्थियों ने अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड किए हैं। आयोग ने दावा किया है शनिवार सुबह तक सभी अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लेंगे। दूसरी तरफ परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रोडवेज की तरफ अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मुफ्त बस सफर सुविधा दी है। इस परीक्षा के लिए सरकार द्वारा 9200 बसों का प्रबंध किया गया है। विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए इसमें बदलाव किया जा सकता है। मुफ्त सफर के लिए पंजीकरण हेतु परिवहन विभाग की तरफ से गुरुवार को साइट ओपन की गई। जिसके चलते शुक्रवार की शाम तक नौ लाख 15 हजार युवाओं ने रोडवेज की बसों में सफर के लिए ऑनलाइन सीटें बुक की हैं। परीक्षा के लिए 1350 केंद्र बनाए गए हैं। पूर्व निर्धारित केंद्रों में 334 केंद्रों को सुरक्षा कारणों के चलते रद्द किया गया है।

पंचकूला भाजपा संगठन की बैठक

हमारे लिए सेवा ही संगठन है, पार्टी का काम करते-करते लोगों की सेवा भी करनी है: सीएम सैनी

अर्थ प्रकाश/आदित्य शर्मा

पंचकूला, 18 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमारे लिए सेवा ही संगठन है, इसलिए पार्टी का काम करते-करते लोगों की सेवा में भी हमें अपना समय लगाना है। सीएम सैनी ने शुक्रवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने में देश में नंबर एक पर है और यह सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। बैठक में प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की और कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से केंद्र और प्रदेश में चौथी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी। हर बूथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि अधिक से अधिक लोगों को मन की बात कार्यक्रम से जोड़ें साथ ही बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं के जन्म दिन बूथों पर मनाएं और एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगवाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे लोगों की भावनाएं आप लोगों के साथ जुड़ेगी।

कहा- हरियाणा 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने में देश में नंबर एक पर

भाजपा के कार्यकर्ता के लिए पार्टी कार्य के साथ-साथ जनसेवा भी महत्वपूर्ण

कार्यकर्ता पौधारोपण के अभियान को मिशन की तरह चलाएं

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ता पौधारोपण के अभियान को मिशन की तरह चलाएं। अधिक से अधिक पेड़ लगेंगे तो क्लाइमेट चेंज होगा और धीरे-धीरे वातावरण में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि शुद्ध वातावरण के लिए पेड़ का बड़ा महत्व है। ''मन की बात'' कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात'को करोड़ों लोग हर महीने सुनते हैं। हरियाणा में भी लाखों लोग इस कार्यक्रम से जुड़ने चाहिए। सभी कार्यकर्ता शक्ति केंद्रों पर बैठकें करें और एक अच्छी योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम आधा घंटे का होता है। लोगों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं व पार्टी तथा सरकार की योजनाओं की जानकारी भी जरूर लोगों को दें।

कार्यकर्ता सरकार के प्रहरी के रूप में काम करें: मोहन लाल बड़ौली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। इस बार हमें 100 प्रतिशत बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुनना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की ताकत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और सरकार की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सीएम सैनी प्रदेश के विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री तक लोगों की कोई भी समस्या पहुचंती है तो वे तत्परता से समाधान करते हैं। श्री बड़ौली ने भी कहा कि हमें चौथी बार केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनानी है, इसलिए सभी कार्यकर्ता सरकार के प्रहरी के रूप में काम करें। बैठक को संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की बात कही।

देश को जोड़ने वाला है 'मन की बात' कार्यक्रम: डा. सतीश पूनिया

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को देश को जोड़ने वाला कार्यक्रम कहा। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य कर रहे हैं। सरकार और संगठन के अच्छे तालमेल और कार्यकर्ताओं की मेहनत से केंद्र और प्रदेश में चौथी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि राजनीति में कोई काम छोटा नहीं होता। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 20 हजार 629 बूथ है और हर बूथ पर हमें ''मन की बात'' कार्यक्रम को 100 प्रतिशत सुनना है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने 11 वर्षों में देश हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। हर वर्ग को ध्यान में रखकर मोदी और नायब सरकार जनहित में योजनाएं बना रही है। उन्होंने कहा कि हमें हर बूथ पर भाजपा की नीतियों व सरकार की उपलब्धियों से अधिक से अधिक लोगों को रूबरू कराना है। इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, प्रदेश महामंत्री एवं मन की बात कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र पूनिया, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, आईटी संयोजक आदित्य चावला, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, मन की बात कार्यक्रम के लोकसभा संयोजक, जिला संयोजक और सह संयोजक मौजूद रहे।

अहमदगढ़ और अमरगढ़ में नए तहसील कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह में बोले सीएम भगवंत मान

नशा तस्करी के बड़े 'जरनेलों' पर कोई रहम नहीं

- कहा - खुद को अजेय समझने वालों को सलाखों के पीछे डाला
- गद्दारों को सबक सिखाने के लिए जनता से सहयोग की अपील

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मालेरकोटला, 18 जुलाई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने नशा तस्करों को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य में नशे के जहर को फैलाने वालों के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी, और खुद को अजेय समझने वाले नशा तस्करी के 'जनरल' अब सलाखों के पीछे हैं। अहमदगढ़ और अमरगढ़ में नए तहसील कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे का धंधा उन लोगों की सरपरस्ती में फलता-फूलता रहा, जिन्हें जनता ने अपनी सेवा के लिए चुना था, लेकिन दुर्भाग्यवश वे ही लोग सरकारी गाड़ियों से नशा सप्लाई करते रहे। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के पास अपने शासनकाल में असीम ताकत थी, लेकिन नशा तस्करों से मिलीभगत के चलते कोई उन्हें छूने की हिम्मत नहीं करता था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने ऐसे नेताओं को जेल की सलाखों के पीछे भेजा क्योंकि उन्होंने नशे के कारोबार के माध्यम से पंजाब की युवा पीढ़ी को बर्बाद किया।

मुख्यमंत्री ने पंजाब के इन 'गद्दारों' को सबक सिखाने के लिए जनता से पूर्ण समर्थन और सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि 'युद्ध नशों विरुद्ध' की शानदार सफलता इस बात का प्रमाण है कि पंजाब की जनता इस लड़ाई में सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुहिम आगे भी निरंतर जारी रहेगी ताकि पंजाब को नशे की इस लानत से पूरी तरह मुक्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बादल-मजीठिया परिवार में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि सत्ता की लड़ाई के चलते अंदरूनी झगड़े चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अकाली दल आपसी फूट का शिकार हैं क्योंकि इनके नेता केवल सत्ता के लिए आपस में लड़ते रहते हैं। भगवंत मान ने कहा कि सत्ता के भूखे ये नेता अब बेचैन हैं क्योंकि जनता ने 'आप' को चुना और इन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

आने वाले समय में कई जनकल्याणकारी निर्णय लेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले समय में कई जनकल्याणकारी निर्णय लेगी जिससे सभी को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युवा नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने जोर दिया कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से एक समृद्ध और खुशहाल पंजाब का निर्माण किया जाएगा। बेअदबी की घटनाओं को रोकने के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को विधानसभा में 'पंजाब धार्मिक ग्रंथों संबंधी अपराधों की रोकथाम विधेयक 2025' पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है जो सभी पंजाबियों को प्रभावित करता है और वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे घृणित अपराधों में लिप्त लोगों के लिए सख्त सजा अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब संतों, गुरुओं और पैगंबरों की पवित्र भूमि है जिन्होंने प्रेम, सद्भाव और सहिष्णुता का संदेश दिया। उन्होंने अफसोस जताया कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें 2016 से धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं को अंजाम देकर सामाजिक एकता को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं। भगवंत मान ने ऐसे अपराधियों को उदाहरणात्मक सजा देने के प्रति अपनी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। जनहित में अपनी सरकार की प्रमुख पहलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' की जानकारी दी और बताया कि यह देश की अपनी तरह की पहली योजना है जो हर पंजाबी परिवार को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराती है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पंजाब भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने सभी घरों को इस तरह की व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक राजनीतिक नेताओं ने अपने संदेहास्पद आचरण से जनता का विश्वास खो दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब विरोधी और जनविरोधी रुख के कारण जनता ने कांग्रेस और अकाली दल को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि वह सौभाग्यशाली हैं कि राज्य की जनता ने भारी बहुमत से उनकी सरकार को सत्ता में लाकर अपार स्नेह और समर्थन दिया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि उनकी सरकार ने अपने साढ़े तीन वर्षों के कार्यकाल में 55,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी हैं और पूरी भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और योग्यता को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में विश्वास बढ़ा है और अब वे विदेश जाने की बजाय राज्य में ही सरकारी नौकरी पाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खराब मौसम के बावजूद सभा में उपस्थित लोगों का आभार जताया और कहा कि यह परियोजनाएँ नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान कर उन्हें बहुत लाभ देंगी।

शराब घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई

भूपेश बघेल का बेटा चैतन्य बघेल गिरफ्तार, पांच दिन के रिमांड पर

- पूर्व सीएम बोले-मोदी-शाह ने अपने मालिक को खुश करने के लिए ईडी को भेजा

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भिलाई में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक यह गिरफ्तारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने चैतन्य को 22 जुलाई तक ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेजा है। कोर्ट में भूपेश बघेल, चरणदास महंत, मोहम्मद अकबर समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे।

इसके पहले भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडाणी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठाना था। भिलाई निवास में 'साहेब' ने ईडी भेज दी है।

विधानसभा जाते वक्त भूपेश बघेल ने कहा कि पिछली बार मेरे जन्मदिन पर ईडी को भेजा गया था। इस बार मेरे बेटे के जन्मदिन पर मोदी-शाह ने अपने मालिक को खुश करने के लिए ईडी को भेजा है। भूपेश बघेल न झुकेगा और न ही डरेगा। आज विधानसभा में अडाणी का मुद्दा उठेगा, इसलिए ईडी को भेजा गया है।

यह है मामला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

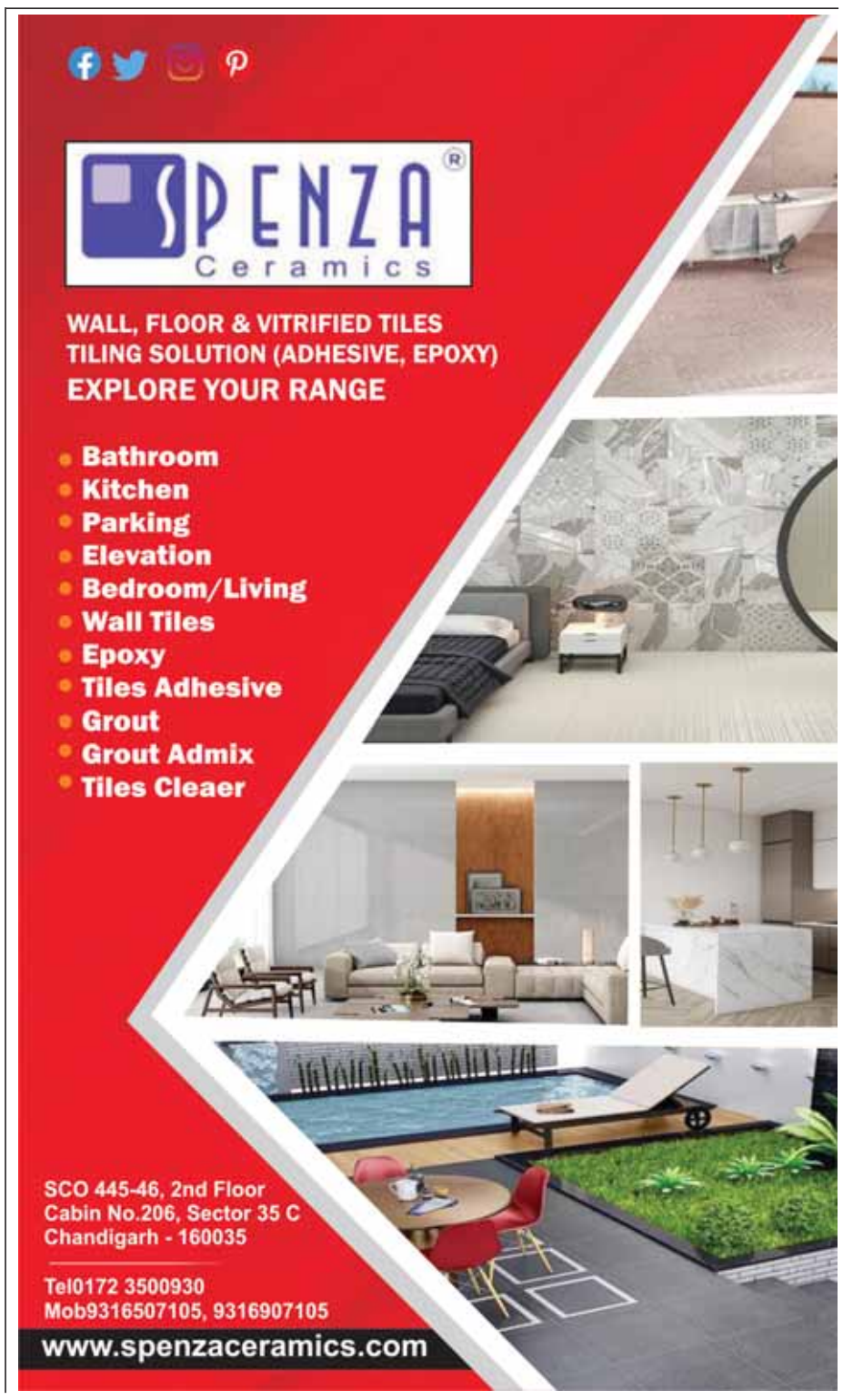

सौगात पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, कहा-

घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी, भाजपा किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

दुर्गापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा कि बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू की। मैं साफ कहता हूं- जो भारत का नागरिक नहीं है और घुसपैठ करके आया है, उसपर संविधान के तहत कार्रवाई होकर रहेगी। बंगाल के खिलाफ साजिश को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का शहर है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलिपुरद्वार और कूच विहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में मुर्शिदाबाद जैसी घटना हुई है। हत्या हो जाती हो और पुलिस ने कुछ भी नहीं किया। यहां राज्य सरकार जान और दुकान की रक्षा नहीं कर सकती, तो निवेशकों को भी चिंता होती है। उन्होंने कहा कि आज बंगाल के अस्पताल भी सुरक्षित नहीं है, जब डॉक्टर बेटी के साथ अत्याचार हुआ तो टीएमसी सरकार अपराधी को बचाने में लगी रही। देश इससे उभरा ही नहीं तो एक और कॉलेज में बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ। टीएमसी के नेता इसके आरोपियों को भी बचाने में लगे हैं।

बंगाल के उद्योगपतियों ने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी

पश्चिम बंगाल की धरती प्रेरणाओं से भरी पड़ी है, यह देश के पहले उद्योग मंत्री श्यामा प्रसाद की भूमि है। उन्होंने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी। ये बिधान चंद्र राय जैसे उद्योग पति की नगरी है। इस भूमि पर सर विरेंद्र मुखर्जी हुए, जिनके वीजन से भारत को स्टील उद्योग की नींव मिली ऐसे लोगों ने ही बंगाल को आगे बढ़ाया है।

टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ी: टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।

बंगाल की नीति भ्रष्टाचारियों ने बनाई: पश्चिम बंगाल की नीति भी भ्रष्टाचारियों के लिए बनाई जाती है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है।

बंगाल में सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रहीं: बंगाल में रेल कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बहुत काम हुआ है। यह देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं।

पंजाब सरकार ने बाल भिक्षावृत्ति को खत्म करने के लिए प्रोजेक्ट 'जीवनज्योत-2' शुरू किया

जीवनज्योत योजना के तहत अब तक 367 बच्चों को बचाया, 350 को उनके परिवारों को सौंपा, 183 बच्चे स्कूलों में भर्ती करवाया, 17 को बाल केंद्रों में रखा गया: डॉ बलजीत कौर

- बच्चों से भीख मंगवाने और उनका शोषण करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई, कानून में आजीवन कारावास तक का प्रावधान: बलजीत कौर
- अब पंजाब में कोई भी बच्चा भीख नहीं मांगेगा, भीख मांगने को मजबूर करने वाले अभिभावकों को अनफिट घोषित किया जाएगा
- 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' बाल शोषण पर पूरी तरह नकेल कसेगा, मात्र दो दिनों में 18 जगहों पर छापेमारी कर 41 बच्चों को बचाया गया: डॉ. बलजीत कौर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भगवंत मान के कुशल नेतृत्व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सोच से प्रेरित

होकर पंजाब सरकार ने 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' की शुरुआत की है। इस योजना का उद्देश्य पंजाब की धरती से बाल भिक्षावृत्ति की समस्या को जड़ से खत्म करना है। इस योजना के बारे में बताते हुए पंजाब सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब, जो अपने गुरुओं, संतों और योद्धाओं के लिए जाना जाता है, बाल भिक्षावृत्ति की शर्मनाक प्रथा को बेरोकटोक जारी रहने नहीं दे सकता। उन्होंने कहा, 'जब हम छोटे बच्चों को सड़कों पर भीख मांगने के लिए मजबूर होते देखते हैं, तो न केवल उनकी गरिमा को ठेस पहुंचती है, बल्कि यह हमारे समाज की सामूहिक चेतना और राज्य के सम्मान पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।'

जीवनज्योत योजना (फेज़-1) के तहत अब तक की कार्य प्रगति

पंजाब सरकार ने सितंबर 2024 में इस मिशन की शुरुआत की थी। इसके लिए एक समर्पित बचाव दलों ने राज्य भर में भीख मांगते पाए गए बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने के लिए जिला-स्तरीय समितियां बनाई थी। पिछले 9 महीनों में, विभिन्न जिलों में 753 बचाव अभियानों (छापेमारी) के माध्यम से 367 बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया गया। इनमें से 350 बच्चों को उनके परिवारों से मिलवाया गया, जबकि 17 बच्चों जिनके माता-पिता की पहचान नहीं हो सकी, को बाल गृहों में रखा गया। बचाए गए 150 बच्चे दूसरे राज्यों के थे और उन्हें सुरक्षित उनके परिवारों के पास वापस भेज दिया गया। वहीं 183 बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाया गया और 6 साल से कम उम्र के 13 बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में दाखिल करवाया गया। अत्यंत गरीब परिवारों के 30 बच्चों को प्रायोजन योजना में नामांकित किया गया, जिन्हें उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए 4,000 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। 16 बच्चों को राज्य की पेंशन योजना के तहत लाया गया, जिन्हें 1,500 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। मंत्री बलजीत कौर ने कहा कि आप सरकार न केवल ऐसे बच्चों को बचा रही है, बल्कि निरंतर निगरानी भी सुनिश्चित कर रही है। हर तीन महीने में जिला-स्तरीय बाल संरक्षण टीम यह सत्यापित करते हैं कि क्या ये बच्चे स्कूल जा रहे हैं या कहीं वे फिर से सड़कों पर वापस तो नहीं आ गए? मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों के बावजूद 57 बच्चे उन स्कूलों या घरों से फिर से लापता पाए गए जहां उन्हें भेजा गया था। इससे एक चिंताजनक सवाल उठता है कि क्या ये बच्चे वास्तव में अपने परिवारों के साथ सुरक्षित हैं या वे मानव तस्करी या भीख माफियाओं के शिकार हो गए हैं?

प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2: संगठित बाल शोषण रोकने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम

इन चिंताओं को दूर करने के लिए पंजाब सरकार ने अब 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' के तहत अपने मिशन को और तेज कर दिया है। इस योजना के तहत, पिछले दो दिनों में विभिन्न जिलों में 18 बचाव अभियान चलाकर 41 बच्चों को बचाया गया। पंजाब सरकार ने उन संदिग्ध मामलों में डीएनए परीक्षण भी शुरू किया है जहां यह स्पष्ट नहीं है कि साथ आए वयस्क बच्चे के असली माता-पिता हैं या नहीं। मंत्री ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपरिचित बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करता पाया जाता है, तो कानून के तहत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला उपायुक्त (डीसी) के आदेश पर डीएनए परीक्षण कराए जाएंगे और 15-20 दिनों की रिपोर्ट अवधि के दौरान ये बच्चे बाल गृह में सरकारी संरक्षण में रहेंगे। यदि डीएनए रिपोर्ट से पुष्टि होती है कि उसके साथ आए व्यक्ति उसके माता-पिता नहीं हैं, तो बाल तस्करी और बाल संरक्षण कानूनों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री बलजीत कौर ने बताया कि इस मामले में बठिंडा में एक प्राथमिकी भी दर्ज की जा चुकी है, जहां भीख मांगने के लिए शोषण किए जाने के संदेह में 20 बच्चों को गांवों से बचाया गया है। डॉ. कौर ने दावा किया कि पंजाब भारत का पहला ऐसा राज्य है जिसने केंद्र सरकार के किसी निर्देश का इंतज़ार किए बिना अपने स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम शुरू किए है। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' भिक्षावृत्ति अधिनियम, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों एवं पंजाब राज्य बाल संरक्षण आयोग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को एक साथ कार्यान्वित करता है। हमने सभी कानूनी प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने वाले माता-पिता पर भी कार्रवाई की जाएगी। पहली बार अपराध करने पर उन्हें चेतावनी दी जाएगी, लेकिन बार-बार अपराध करने पर उन्हें 'अनफिट अभिभावक' घोषित कर दिया जाएगा। फिर उन बच्चों को सरकार अपने कब्जे में लेगी, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित रहे। यदि कोई व्यक्ति बाल तस्करी या बच्चों का शोषण करने के काम में शामिल है, तो उसे कानून के तहत 5 साल की कैद से लेकर आजीवन कारावास तक की सज़ा हो सकती है। मंत्री ने चेतावनी दी कि शारीरिक शोषण या हिंसा के मामलों में सज़ा 20 साल तक है, इसलिए ऐसे काम करने वाले लोग अपना धंधा तुरंत बंद करें, नहीं तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। योजना के तहत हाल में बचाए गए 17 बच्चे दिव्यांग और शारीरिक शोषण के भी शिकार पाए गए। सरकार ने उन सभी बच्चों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया है ताकि स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से उनका बेहतर चिकित्सा उपचार सुनिश्चित हो सके। बलजीत कौर ने कहा कि इस मामले में सरकार का संदेश बिल्कुल साफ है कि अगर कोई पंजाब में बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करेगा तो उसे सख्त कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। पंजाब अपने बच्चों का शोषण बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम हर बच्चे को बचाएंगे और इस प्रक्रिया में शामिल सभी अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करेंगे।

मुख्यमंत्री ने मलेरकोटला ज़िले के लोगों को 13 करोड़ रुपये का तोहफा दिया

- अमरगढ़ और अहमदगढ़ सब-डिवीजनों में नवनिर्मित तहसील कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित
- जनता के टैक्स का एक-एक पैसा जनकल्याण पर खर्च किया जाएगा: मुख्यमंत्री ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मलेरकोटला, 18 जुलाई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अमरगढ़ और अहमदगढ़ सब-डिवीजनों में नवनिर्मित तहसील कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित करते हुए मलेरकोटला ज़िले के लोगों को 13 करोड़ रुपये से अधिक की

विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उनकी सरकार जनता के प्रत्येक पैसे को जनकल्याण पर खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध है और अमरगढ़ तथा अहमदगढ़ को दिया गया यह तोहफा इसी संकल्प का हिस्सा है।

उन्होंने बताया कि अमरगढ़ में तहसील कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर 6 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत आई है, जबकि अहमदगढ़ में बने तहसील कॉम्प्लेक्स की इमारत पर 6 करोड़ 86 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमरगढ़ का तहसील कॉम्प्लेक्स 27 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बनाया गया है, जिसमें एस.डी.एम. कार्यालय, कोर्ट रूम, बड़ा हॉल, 26 केबिन और अन्य कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अहमदगढ़ का आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया तहसील कॉम्प्लेक्स 2.39 एकड़ क्षेत्र में तीन मंज़िलों में तैयार किया गया है। इस भवन में एस.डी.एम. कोर्ट रूम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारखाना, स्टाफ रूम, पंजीकरण काउंटर एवं अन्य विभागों के कार्यालय स्थित हैं।

दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प और लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प और लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, ताकि उन्हें रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्यों के दौरान किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हजारों लोग प्रतिदिन इन कार्यालयों में अपने कार्यों हेतु आते हैं, ऐसे में उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन भवनों का निर्माण किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इन इमारतों की योजना बनाई गई है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों ने इस प्रकार के जनोन्मुखी कार्यों की कभी परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नए कार्यालयों से स्टाफ को एक उचित वातावरण मिलेगा, जिससे वे बिना किसी बाधा के नागरिकों के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर सके।

युद्ध नशों विरुद्ध का 139वां दिन: 8.6 किलो हेरोइन सहित 125 नशा तस्कर काबू

- 'नशा छुड़ाने' के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 83 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ इलाज करवाने के लिए किया राज़ी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर राज्य में से नशों के मुकम्मल ख़ात्मे के लिए शुरु की मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 139वें दिन पंजाब पुलिस ने 125 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्ज़े में से 8.6 किलोग्राम हेरोइन, 500 ग्राम अफ़ीम, 151 किलो भुक्की और 11,980 रुपए की ड्रग मनी बरामद की। इससे सिर्फ़ 139 दिनों में गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 22,533 हो गई है।

यह कार्यवाही डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक ही समय की गई।

ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिशनरों और सीनियर पुलिस सुपरडैंट को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है।

इस सम्बन्धी विवरण सांझे करते हुये विशेष डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 81 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1300 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 423 स्थानों पर छापेमारी की, जिस दौरान राज्य भर में 81 एफआईआरज़ दर्ज की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 493 शक्की व्यक्तियों की चैकिंग भी की।

स्पैशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में से नशों के ख़ात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति-इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवेन्शन (ईडीपी) - लागू करने से पंजाब पुलिस ने 'नशा छुड़ाने' के हिस्से के तौर पर आज 83 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राज़ी किया है।

डॉ. रवजोत सिंह ने सफाई सेवकों और सीवरमैन यूनियन से की बैठक; जायज मांगों का शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिलाया

- कहा, यूनियनों की मांगों के सार्थक समाधान के लिए संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय कर जल्द ही दोबारा होगी बैठक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने सफाई सेवकों और सीवरमैन यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी जायज़ मांगों का शीघ्र समाधान निकालने का भरोसा दिलाया है। आज यहां म्युनिसिपल भवन में स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री तेजवीर सिंह और पंजाब राज्य सफाई आयोग के चेयरमैन श्री चंदन ग्रेवाल, विभिन्न यूनियनों के प्रधानों व पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक के दौरान डॉ. रवजोत सिंह ने यूनियन प्रतिनिधियों की विभिन्न मांगों को

विस्तार से सुनने के बाद आश्वासन दिया कि उनकी जायज़ मांगों का जल्द ही सार्थक समाधान किया जाएगा। डॉ. रवजोत सिंह ने जोर देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार सफाई सेवकों और सीवरमैनों समेत समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सफाई सेवकों और सीवरमैनों की जिन मांगों का संबंध विभिन्न विभागों से है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजकर एक संयुक्त बैठक की जाए ताकि इन मांगों का प्रभावी समाधान किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार सफाई सेवकों और सीवरमैनों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। विभिन्न प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान मंत्री ने सफाई सेवकों और सीवरमैनों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विभाग की रीढ़ की हड्डी बताया। उन्होंने राज्य सरकार के पंजाब के शहरों को कूड़ा-मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराया और इस लक्ष्य की प्राप्ति में सफाई सेवकों और सीवरमैनों के योगदान की भरपूर सराहना की। स्थानीय निकाय मंत्री ने कहा कि कमेटी, निगम या विभागीय स्तर पर हल किए जा सकने वाले सभी जायज़ मुद्दों को शीघ्र सुलझाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मांगों का संबंध राज्य सरकार या अन्य विभागों से है, उनके समाधान के लिए भी आवश्यक कार्यवाही जल्द अमल में लाई जाएगी।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा की, सुधार के दिए निर्देश

- पटियाला डिवीजन ने जीएसटी राजस्व में 40 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मारी बाज़ी
- लुधियाना डिवीजन ने 1998.76 करोड़ रुपये के साथ सर्वाधिक जीएसटी राजस्व अर्जित किया
- वित्त मंत्री ने प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन पर संतोष जताया, अवैध शराब पर कार्रवाई तेज करने के निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान, पटियाला जीएसटी डिवीजन ने जीएसटी राजस्व प्राप्ति में 40 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए पंजाब के अन्य सभी डिवीजनों से अग्रणी रही है। यह खुलासा वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में हुई आबकारी एवं कराधान विभाग की तिमाही समीक्षा बैठक के दौरान किया गया। पटियाला

डिवीजन के बाद, रोपड़ डिवीजन की विकास दर 34.97 प्रतिशत और अमृतसर डिवीजन की 30.26 प्रतिशत रही। विभाग ने अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी ढंग से नकेल कसते हुए अपने आबकारी राजस्व लक्ष्यों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है।

जहाँ पटियाला डिवीजन ने विकास दर में अग्रणी भूमिका निभाई, वहीं लुधियाना डिवीजन ने राज्य भर में सबसे अधिक कुल जीएसटी राजस्व दर्ज किया, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में 23.89 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज करते हुए 1998.76 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रोपड़ डिवीजन ने 1315.66 करोड़ रुपये, अमृतसर डिवीजन ने 687.19 करोड़ रुपये और पटियाला डिवीजन ने 679 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व के रूप में प्राप्त किए। ये आंकड़े पिछले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से काफी वृद्धि दर्शाते हैं, जहाँ लुधियाना डिवीजन ने 1613 करोड़ रुपये, रोपड़ डिवीजन ने 975.53 करोड़ रुपये, अमृतसर डिवीजन ने 527.54 करोड़ रुपये और पटियाला डिवीजन ने 484.98 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व के रूप में प्राप्त किए थे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डिवीजनों में तैनात विभाग की टीमों के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना की और अन्य डिवीजनों को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इन डिवीजनों के प्रभारियों, डिप्टी कमिश्नर स्टेट टैक्स, के साथ विस्तृत चर्चा की और उन क्षेत्रों का पता लगाया जहाँ उन्होंने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, साथ ही उन पहलुओं की पहचान की जिनमें और सुधार की आवश्यकता है। बैठक के दौरान, वित्त मंत्री ने जीएसटी और वैट बकाया की स्थिति की भी समीक्षा की और विभाग के अधिकारियों को इसकी वसूली के लिए नवीन रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने चल रही जीएसटी जांच की प्रगति का भी मूल्यांकन किया, जिसमें पहली तिमाही के दौरान की गई जांचों की गिनती और निपटाए गए केस शामिल थे। उन्होंने विभाग को सभी लंबित मामलों के समय पर निपटाने के निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर, आबकारी और कराधान दोनों विभागों के प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान कर चोरी को रोकने के लिए स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रीवेंटिव यूनिट के प्रयासों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, आबकारी टीमों द्वारा अवैध शराब और अन्य राज्यों से पंजाब में शराब की तस्करी से निपटने के लिए अपनी प्रवर्तन गतिविधियों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। वित्त मंत्री ने प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और उन्हें अपने प्रयासों को और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। अंत में, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जीएसटी और वैट अपील केसों की स्थिति की समीक्षा की और मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान लंबित और नए शुरू किए गए मामलों का पता लगाया। उन्होंने इन सभी मामलों पर निरंतर और गंभीरता से फलो-अप कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से जहरीली शराब के कारण हुई त्रासदियों और अवैध शराब के व्यापार में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ मामलों की ठोस पैरवी करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोषियों को कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। उन्होंने आबकारी टीमों को यह भी निर्देश दिए कि वे अपनी प्रवर्तन गतिविधियों को दोगुना करें और यह सुनिश्चित करें कि राज्य से अवैध शराब के कारोबार का पूरी तरह से सफाया हो।

ज़ीरकपुर नगर कौंसिल ने बकाया हाउस टैक्स पर दी राहत, 31 जुलाई तक पेनल्टी और ब्याज माफ

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। नगर कौंसिल ज़ीरकपुर ने शहरवासियों, बिल्डरों और व्यावसायिक फर्मों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। पंजाब सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के तहत 'वन टाइम सेटलमेंट स्कीम' के अंतर्गत हाउस टैक्स या प्रॉपर्टी टैक्स की बकाया मूल राशि यदि 31 जुलाई 2025 तक एकमुश्त जमा करवा दी जाती है, तो उस पर लगने वाली पेनल्टी और ब्याज पूरी तरह माफ कर दी जाएगी।

इस स्कीम का लाभ 31 मार्च 2025 तक के बकाया धारकों को मिलेगा। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर कौंसिल की प्रॉपर्टी टैक्स शाखा अब 31 जुलाई तक हर शनिवार और रविवार को भी खुली रहेगी, ताकि नागरिक बिना किसी

असुविधा के अपना टैक्स समय पर भर सकें।

नगर कौंसिल के कार्यकारी अधिकारी जगजीत सिंह जज ने अपील की है कि शहर के निवासी, बिल्डर और फर्में इस सुविधा का पूरा लाभ उठाते हुए अपना बकाया टैक्स जल्द से जल्द जमा करवाएं और सरकार द्वारा दी जा रही इस छूट का लाभ लें।

नगर कौंसिल द्वारा इस संदर्भ में मुनियादी के माध्यम से पूरे शहर में जानकारी लोगों तक पहुंचाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

डॉ. पूनम गुप्ता की पुस्तक 'नन्हें कदम, बड़ी बातें' का लोकार्पण

अर्थ प्रकाश/सुधीर पाहूजा

पटियाला, 18 जुलाई। मुल्तानी मल मोदी कॉलेज, पटियाला में करतार सिंह सराभा वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में डॉ. पूनम गुप्ता स्टेट अवार्डी लेक्चरार की बाल कविताओं पुस्तक 'नन्हें कदम, बड़ी बातें' का लोकार्पण किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री सुखी बाठ संस्थापक पंजाब भवन सरी कनाडा थे। डॉ. रविंदरपाल शर्मा उप जिला शिक्षा अधिकारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता डॉ. नीरज गोयल प्रिंसिपल मोदी कॉलेज, पटियाला ने की।

डॉ. पूनम गुप्ता ने अपनी नव प्रकाशित पुस्तक पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में उन्होंने पाठ्य सामग्री और सामाजिक सरोकारों पर आधारित कविताओं का संकलन किया है। उनकी यह पुस्तक उन विद्यार्थियों को समर्पित है जिनके लिए उन्होंने ये छोटी कविताएँ रची हैं। 'नन्हें कदम बड़ी बातें' पुस्तक में उन सभी विषयों को शामिल किया गया है जो आज के समय में विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए आवश्यक हैं। चाहे वह अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने, बढ़ते

प्रदूषण, स्वच्छता अभियान, यातायात नियमों को समझाने मज बात हो, चाहे विद्यार्थियों को व्यसनों या नकल से बचाने की हो अथवा अपनी संस्कृति और त्योहारों को मनाने की बात हो, सभी विषयों को इस पुस्तक में शामिल किया गया है। उप जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. रविंदर पाल शर्मा ने इस पुस्तक की प्रशंसा की और कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

मोदी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज गोयल ने डॉ. पूनम गुप्ता को नव प्रकाशित पुस्तक के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि डॉ. गुप्ता लंबे समय से इस कॉलेज से जुड़ी हुई हैं और कॉलेज के विभिन्न कार्यों में भाग लेती रहती हैं।

डॉ. पूनम गुप्ता को उनके शिक्षा एवं लेखन के क्षेत्र के लिए कॉलेज द्वारा कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि डॉ. पूनम गुप्ता की पहले भी तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और इन्होंने कई पुस्तकों का संपादन भी किया है। उनकी रचनाएँ विभिन्न पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में छपती रहती हैं। उनकी एक पुस्तक 'कृष्ण चरित्रः विविध आयाम को' भाषा विभाग पंजाब की ओर से सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार भी मिला है।

डॉ. गुप्ता ने करतार सिंह सराभा वेलफेयर ट्रस्ट और उसके अध्यक्ष अक्षय कुमार खनौरी का धन्यवाद किया और उनके द्वारा आयोजित छठे पुरस्कार वितरण समारोह की सफलता पर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी राजीव बंसल, मनोज गोरशी डीएसपी पटियाला, पूर्व प्रिंसिपल अजीत सिंह भट्टी, डॉ. बरजिंदर सिंह सोहल, अजय कुमार गुप्ता, मॉडल टाउन स्कूल पटियाला की प्रिंसिपल श्रीमती नरेश जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बारिश के कारण मकान की छत गिरी, अंदर सो रहे बच्चे बाल-बाल बचे

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड, 18 जुलाई। बारिश के कारण आज सुबह पांच बजे के करीब वार्ड नंबर दो के अंतर्गत आते गांव बस्सी ईसे खां के एक परिवार के मकान की छत गिर गई। इस दौरान कमरे में सो रहे चार बच्चे बाल-बाल बच गए। इस संबंधित जानकारी देते हुए बाजीगर मोहल्ला निवासी राजकुमार ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसकी तीन लड़कियां और एक लड़का है। उसने बताया कि बीती रात उसके चारों बच्चे एक कमरे में सोने चले गए। वह और उसकी पत्नी दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह करीब 5 बजे बारिश के कारण बच्चों के कमरे की छत गिर गई। कमरे में सो रहे चारों बच्चे बाल-बाल बच गए, जबकि कमरे में रखा घरेलू सामान व

अन्य सामान बर्बाद हो गया। पीड़ित परिवार ने राज्य सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वह अपने परिवार के दोबारा मकान बना सकें।

गीता स्थली ज्योतिसर बनेगा विश्व का भव्य और यादगार ऐतिहासिक पर्यटन स्थल : नायब सैनी

- मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केन्द्र का किया निरीक्षण, पर्यटन विभाग के अधिकारियों से बारीकी से लिया फीडबैक
- देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को होंगे ज्योतिसर अनुभव केंद्र में जीवंत इतिहास के दर्शन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर विश्व का भव्य, यादगार और ऐतिहासिक स्थल बनेगा। इस गीता स्थली को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए सरकार की तरफ से करीब 250 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है। यहां पर ज्योतिसर अनुभव केंद्र में देश- विदेश से आने वाले पर्यटकों को कुरुक्षेत्र के इतिहास के जीवंत दर्शन होंगे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र का दौरा कर स्वागत कक्ष, महाकाव्य सृजन कक्ष, प्राचीन महाभारत, कुरुवंशावली, गीता श्लोक, कृष्ण भूमिका, दशव अवतार सहित अन्य कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ज्योतिसर अनुभव केंद्र के साथ-साथ अन्य कक्षों के छोटे-छोटे निर्माण कार्य को पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केंद्र को पर्यटकों के लिए खोला जा सके। मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र को विश्व दर्शनीय स्थल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि तमाम विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केन्द्र में पर्यटक महाभारत और कुरुक्षेत्र के इतिहास के दर्शन कर सकें। इसके अलावा, मुख्यमंत्री गीता ज्ञान संस्थानम में पहुंचे और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद से बातचीत की है।

इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा से गीता के उपदेश दिए। इस पावन धरा के इतिहास को जहन में रखते हुए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में विकास कार्यों को तेज गति के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली है। इस देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में महाभारत थीम पर आधारित प्रोजेक्ट पर करीब 250 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा रहा है। इस ज्योतिसर गीता स्थली को विश्व का सबसे दर्शनीय ऐतिहासिक स्थल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से कुरुक्षेत्र आगमन के लिए आग्रह किया है, अगर प्रधानमंत्री इस आग्रह को स्वीकार करते हैं तो कुरुक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने कहा कि कल्पना चावला तारामंडल को पुनः पर्यटकों के लिए जल्द खोलने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे। इस पावन धरा से दुनिया को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों से कर्म करने का संदेश मिल रहा है।

पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, पर्यटन विभाग के निदेशक डॉ. शालीन, उपायुक्त नेहा सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में जंगल राज, सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी : रामपाल माजरा

इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष को धमकी देने के मामले में सीएम और राज्यपाल से मिलेंगे

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 18 जुलाई। इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि प्रदेश में जंगल राज है, लॉ एंड आर्डर का दिवालिया पिट गया है। आए दिन प्रदेश में हत्या, डकैती और फिरौती मांगना आम बात हो गई है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला के परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी है। रामपाल माजरा अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इनेलो नेता स्व. नफे सिंह राठी को भी धमकी मिली थी, इसके बाद नफे सिंह राठी ने सरकार को लिखित में मांग पत्र देकर सिक्योरिटी देने की मांग की थी, उन्हें सिक्योरिटी नहीं दी गई और उनकी हत्या हो गई है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला को धमकी दी, उन्हें भी नफे सिंह राठी जैसा हस्र करने की बात कही है। अभय सिंह चौटाला को भी सरकार ने सिक्योरिटी नहीं दी थी। हाइकोर्ट के माध्यम से वाई श्रेणी की सिक्योरिटी मिली हुई है। इसके और मजबूत करने की जरुरत है। परिवार को भी सिक्योरिटी मिलनी चाहिए। धमकी के बाद चंडीगढ़ पुलिस और हरियाणा सरकार को शिकायत की है, बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इनेलो का कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता किसी धमकी से नहीं डरता, लेकिन प्रदेश का आम जन मानस का क्या हाल होगा, जिन्हें आए दिन जान से मारने की धमकी मिल रही है। आम लोगों को व्यापारियों को धमकी दी जा रही है।

प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं

माजरा ने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। बदमाशों ने सरेआम धमकी देकर शराब के ठेकों की बोली देने वालों को जान से मारने की धमकी दी, दो ठेकेदारों को जान से भी मार दिया। प्रदेश में रोज फिरौती मांगी जा रही है। सीएम मंचों से हंसी ठिठोली करते नजर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम साहब हंसी ठिठौली का समय नहीं है, आम जनमानस की सुरक्षा होनी चाहिए। इस मामले को लेकर जल्द ही प्रदेश के सीएम ओर राज्यपाल से मिलेंगे।

सरकार तीज त्यौहारों का भी नहीं रख रही है ध्यान

सरकार ने तीज पर सीईटी की परीक्षा का आयोजन कर रही है। तीज का हरियाणा में बहुत बड़ा महत्व है। प्रदेश के युवा तीज मनाने की बजाए पेपर देने जाएंगे। युवाओं को सेंटर भी दूर के जिलों में बनाए गए है। कैथल के युवाओं का सेंटर पंचकूला और चंडीगढ़ में दिया है। यह बेरोजगार युवाओं से खिलवाड़ है। लड़कियों को भी ज्यादा दूरी पर पेपर देने के लिए जाना पड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

छात्राओं को किया गुड-टच,बैड टच के प्रति जागरूक

हांसी (अप्रस/दिनकर गावड़ी)। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार महिला पुलिस जागरूकता टीम ने एक्ता पब्लिक स्कूल की छात्र-छात्राओं व स्टाफ को साइबर क्राइम,गुड टच,बैड टच व ट्रैफिक नियमो के प्रति जागरुक किया।महिला थाना प्रबन्धक इंस्पेक्टर सरोज ने एक्ता पब्लिक स्कूल में पहुंचकर छात्राओ को सेल्फ डिफेंस, नशा मुक्ति, डायल 112 के बारे मे जानकारी देकर जागरूक किया। स्कूल में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओ व स्टाफ मेंबर को डायल 112 ऐप का उचित प्रयोग करने के बारे में कहा गया ताकि मुसीबत के समय पुलिस की सहायता प्राप्त की जा सके तथा लड़कियां किसी भी तरह की आफत या परेशानी के समय घबराएं नही बल्कि साहस, धैर्य व आत्मविश्वास के साथ मुसीबतों का सामना करे। जीवन बड़ा कीमती है इसको स्वस्थ व सुरक्षित रखें।उन्होने छात्राओं को आत्म रक्षा के तौर तरीके भी सिखाए व शारीरिक/ मानसिक तोर पर मजबूत होने के बारे में सलाह दी।उन्होने कहा कि एक पढ़ी-लिखी नारी अपने अधिकारों को जानती है और वह किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध अपनी आवाज उठाने में समर्थ होती है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक बच्चे को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए ताकि वह इस समाज की बुराइयों से लड़ सके और अपने हक के लिए आवाज उठा सके। टीम ने बताया कि महिला तथा बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा 1091 तथा 1098 नंबर जारी किया गया है। इस अवसर पर छात्राओं के अलावा स्टाफ भी उपस्थित रहा।

विद्यालयों में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अर्पण वधवा)। भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र शाखा द्वारा अपने अति प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'गुरु वंदन छात्र अभिनंदन' का आयोजन शहर के विभिन्न विद्यालयों में बहुत ही शानदार ढंग से किया जिनमें राजकीय माध्यमिक विद्यालय घरारसी , सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल सेक्टर 9 , गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्रीमद् भगवद गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड, गीता निकेतन विद्यालय मोहन नगर एवं सहारा कंप्रिहेंसिव स्कूल अमीन रोड में प्रमुखता से इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इन विद्यालयों में मुख्य वक्ता के रूप में विजयंत बिंदल, डॉ हरि प्रकाश , दिनेश सिंघल , हरविंदर बंसल, अतुल गोयल, सुशील सूद एवं बलबीर सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य, गुरु की महिमा तथा भारत विकास परिषद द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से बताया । इन सभी वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को समझाया कि किस प्रकार प्राचीन काल से गुरुओं की महिमा जानकार एवं गुरुओं का वंदन करके छात्रों ने अपने-अपने क्षेत्र में सफलता अर्जित की । भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र शाखा अध्यक्ष विजयंत बिंदल ने इस संपूर्ण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी एवं उनका आभार प्रकट किया । शाखा अध्यक्ष द्वारा विभिन्न विद्यालयों का भी इस कार्यक्रम में योगदान करने के लिए धन्यवाद किया।

डॉ. हरि प्रकाश गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रबंधन बोर्ड में कुलाधिपति प्रतिनिधि के रूप में हुए नियुक्त

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अमित)। इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरुक्षेत्र) से सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. हरि प्रकाश शर्मा को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलाधिपति एस. के. आर्य द्वारा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड में अपने प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया है। यह नियुक्ति विश्वविद्यालय प्रशासन एवं नीति-निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। डॉ. शर्मा की शैक्षिक पृष्ठभूमि, प्रबंधन क्षमता और मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. हरि प्रकाश शर्मा शिक्षा क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं। वे न केवल एक विद्वान शिक्षाविद् के रूप में, बल्कि एक कुशल प्रशासक, लेखक और प्रेरक वक्ता के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। प्राचार्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नैतिक मूल्यों और अनुशासन को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा की एक संस्था और शिक्षा जगत के प्रति मेरी जिम्मेदारी है। मैं इस दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ करने का संकल्प लेता हूँ। उन्होंने कहा कि वे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपराओं, वैदिक शिक्षा पद्धति और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने एवं बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। साथ ही, संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, नैतिकता एवं नवाचार की दिशा में कार्य करते हुए उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा दिलाने का प्रयास करेंगे।

जय मां दुर्गा जय श्री महाकाल ट्रस्ट ने किया शिव शक्ति महायज्ञ और शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/अमित

कुरुक्षेत्र, 18 जुलाई। जय मां दुर्गा जय श्री महाकाल ट्रस्ट द्वारा श्रावण माह के उपलक्ष्य में जनकल्याणार्थ शिव शक्ति महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया।

कालेश्वर महादेव मंदिर के समीप मां बाला सुंदरी त्रिपुरेश्वरी श्री दुर्गा देवी यज्ञशाला मंदिर में शिव शक्ति महायज्ञ शुरू हुआ। जिसमें मुख्य यजमान पीठाधीश प. राजेश मौदगिल सहित गोपाल शास्त्री, सर्वेश कुमार पांडे, शिव प्रकाश सैनी, मनजीत सैनी, कृत सैनी, भीम सिंह, मनोज गुप्ता, रवि राणा, रक्षित और हर्षित आदि शामिल हुए। इस अनुष्ठान में सुबह 6 से 7:30 बजे सर्वदेव पूजन,9 से 11 बजे दुर्गा सप्तशती हवन, 11 से 2 बजे रुद्र महायज्ञ और बुधवार 23 जुलाई तक दोपहर बाद 3 से सांय 7 बजे तक शिवमहापुराण कथा चलेगी। शिव महापुराण कथा से पूर्व शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें मुख्य यजमान सहित सभी भक्त जन भजन गाते चले। यह अनुष्ठान गुरुवार 24 जुलाई को पूर्णाहुति और भंडारे के साथ सम्पन्न होगा। कालेश्वर महादेव मंदिर सभागार में शिवमहापुराण कथा का महत्व बताते हुए कथावाचक प. विकास कौशिक ने कहा कि शिव महापुराण कथा को श्रवण करना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर सावन के महीने में। इसमें भगवान शिव की जीवन,लीलाओं और शिक्षाओं का वर्णन है। जिससे भक्तों को मोक्ष और सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। शिव महापुराण सुनने से पापों से मुक्ति मिलती है और शिव लोक में स्थान प्राप्त होता है। साथ ही यह व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाती है।

हरियाणा की पूर्व मंत्री एवं विधायक सावित्री जिंदल ने जारी किया डाक टिकट

कुरुक्षेत्र (अप्रस)। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कार्यकारिणी सदस्य एवं पोस्टल डिवीजन कुरुक्षेत्र के पोस्टल फॉर्म के सदस्य विनोद गर्ग ने बताया कि देश की सबसे अमीर महिला, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल की माता, हरियाणा सरकार की पूर्व मंत्री व हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने डाक टिकट जारी किया। डाक टिकट जारी करने के समय विनोद गर्ग उनके साथ मौजूद रहे। गर्ग ने बताया कि स्मारक डाक टिकट प्रस्ताव भारत के किसी भी नागरिक द्वारा किया जा सकता है। पूर्व मंत्री एवं विधायक सावित्री जिंदल द्वारा डाक टिकट जारी करने के समय विनोद गर्ग के साथ नवीन बंसल पंचकूला, यशोदित बंसल, गौरव सिंगला, अभिषेक गर्ग एवं शिवांग गर्ग इत्यादि भी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में ड्राइवर की मौत, लोहे का ग्रिल सीने में घुसा

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालखा, 18 जुलाई। नेशनल हाईवे 44 दिल्ली रोड पर दोपहर बाद तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला।जहां पानीपत से दिल्ली की ओर जा रही महिंद्रा पिकअप गाड़ी तेज गति के कारण अनियंत्रित होकर नेशनल हाइवे पर लगी लोहे की ग्रिल को तोड़ते हुए सर्विस पर पहुंच गई । तेज गति के कारण हाईवे पर लगी ग्रिल टूट कर गाड़ी के बोनट को तोड़ते हुए चालक के सीने में अंदर घुस गई।

जिसकी सुचना ट्रेफिक पुलिस को दीं गई। ट्रेफिक पुलिस नें मौके पर पहुंच कर तत्परता दिखाते हुए आरी से पाइप को कटवा कर बिना देरी किए एम्बुलेंस से चालक को हॉस्पिटल भिजवा दिया। जहां डॉक्टर ने प्रारंभिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों से फोन पर बात हुई तो उन्होंने जानकारी देते बताया कि पिकअप गाड़ी चालक राधेश्याम हेल्पर पंकज को साथ लेकर दिल्ली से गाड़ी में दवाई भरकर लुधियाना उतारने के लिए गया था। शुक्रवार को गाड़ी खाली कर वापस घर लौट रहा था। वहीं हाइवे ट्रैफिक इंचार्ज कुलदीप कादियान नें जानकारी देते हुए बताया कि मृतक दिल्ली का रहने वाला था जिसका नाम राधेश्याम उम्र करीब 28 साल वर्ष थी। चालक राधेश्याम पानीपत से वापस दिल्ली अपने घर जा रहा था। रास्ते में हलदाना बॉर्डर के समीप तेज रफ्तार पिकअप रोड साइड में लगे लोहे के ग्रिल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोहे की ग्रिल गाड़ी को चीरते हुए चालक के सीने में जा घुसी। जिसको तत्परता से अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टर नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का शव कब्जे में लेकर पानीपत पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करा कर उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा।

किसानों ने कृषि विभाग के कार्यालय के बाहर किया जोरदार प्रदर्शन

- जिला कृषि अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाया व खाद वितरित करवाई

अर्थ प्रकाश/मोहित पौलस्त्य

पिहोवा, 18 जूलाई। यूरिया खाद को लेकर किसानों ने कृषि विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने डीडीए व जिला कृषि अधिकारी के सामने अपनी समस्याएं रखीं और विफलताओं के लिए उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई। किसानों का कहना था कि विभाग ने एक ट्रक खाद भेजने का वादा किया था, लेकिन बीते दिन लिखित में वायदा करने के बावजूद भी कृषि विभाग के अधिकारियों ने खाद की गाड़ी नहीं भेजी। जिस कारण किसान भड़क गए और अधिकारियों की वायदा खिलाफी पर एतराज जताते हुए प्रदर्शन किया। किसान नेता प्रवक्ता प्रिंस वडैच ने बताया कि किसानो ने सुबह ही कृषि विभाग के दफ्तर का घेराव कर लिया। जिसकी भनक लगते ही डीएसपी पिहोवा पुलिस बल के साथ किसानो के बीच पहुंचेाकिसानो ने डीडीए व एसडीओ को खूब खरी खोटी सुनाई और कानून के अनुसार खाद पैक्स में भेजने की मांग की। किसानों ने कालाबाजारी करने वाले विक्रेताओं पर करवाई करने के लिए शिकायत भी दी। डीडीए ने गलती स्वीकार करते हुए दो ट्रक खाद मंगवाकर किसानों में वितरण शुरू करवाया। इतना ही नहीं डीडीए ने मौके पर ही पेस्टीसाइड विक्रेताओं की एक आपात बैठक बुलाई और खाद की जमाखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी वादा किया कि कल से आने वाले रैक की पूरी खाद सरकारी सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से पारदर्शी ढंग से किसानों को वितरित की जाएगी। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि आगे भी खाद या अन्य कृषि इनपुट की आपूर्ति में कोताही बरती गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस मौके पर प्रिंस वडैच ,विनोद दण्ड्यान, मनीष मलिक, कवलजीत विर्क, गुरलाल असमानपुर, सुखविंदर मुकीमपुरा, दिलबाग मलिक सहित सैंकड़े की संख्या में किसान मौजूद थे।

सरस्वती तीर्थ व शहीदी स्मारक पर किया पौधारोपण

पिहोवा (अप्रस/मोहित पौलस्त्य)। एनआरआई गरीब सिंह काली व डीएसपी निर्मल सिंह ने सरस्वती तीर्थ और शहीदी स्मारक पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया । इस अवसर पर गरीब सिंह काली ने लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प लेने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पौधे न सिर्फ पर्यावरण संतुलन के लिए ज़रूरी हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ़ और स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। डीएसपी निर्मल सिंह ने भी युवाओं को पौधारोपण के प्रति प्रोत्साहित किया और बताया कि ग्रीनरी बढ़ाने से क्षेत्र की सुंदरता के साथ-साथ शहीदों की यादें भी संजोई जा सकती हैं। पौधारोपण के इस विशेष कार्यक्रम में स्थानीय लोग, विद्यार्थी और कई स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर भविष्य में लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रधान विनोद प्रजापति ,सोनू प्रजापति, फॉरेस्ट विभाग से आरएफओ वीरेंद्र सिंह, सोहनलाल धर्म सिंह बलजिंदर मौसम , ईश्वर, सुल्तान बबलू ठाकुर आदि मौजूद रहे।

भाजपा केवल प्रचार में व्यस्त, जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान : रामचंद्र गुर्जर

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

ढांड, 18 जुलाई। पुंडरी हलके के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामचंद्र गुर्जर ढांड ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने देश और प्रदेश की जनता को केवल जुमलों और प्रचार के सहारे छोड़ दिया है, जबकि जमीनी स्तर पर आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मुद्दों से बुरी तरह जूझ रहा है।

रामचंद्र गुर्जर ने कहा कि रसोई का बजट आम परिवार के हाथ से निकल गया है। दाल, तेल, सब्जी, गैस सिलेंडर जैसी दैनिक जरूरत की चीजें आज आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का नारा केवल कागजों तक सीमित है, जबकि भ्रष्टाचार हर विभाग में अपनी जड़ें जमा चुका है।

गुर्जर ने कहा कि आज का युवा बेरोजगारी के दलदल में फंसा हुआ है। पढ़े-लिखे नौजवान दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन सरकार की प्राथमिकता में रोजगार नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति और दिखावे की राजनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं को सिर्फ रोड शो, प्रचार रथ और मंचीय भाषणों में दिलचस्पी है, जबकि जनता की समस्याओं पर वे चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है, जो गरीब, किसान, मजदूर, और मध्यमवर्ग के लोगों की बात समझती है और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करती है।

वार्ड नंबर 6 में जांच शिविर का आयोजन, 32 लोगों की हुई एचबी जांच

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 18 जुलाई। स्वास्थ्य विभाग नारायणगढ़ द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान एवं एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड नंबर 6, नारायणगढ़ नगर पालिका क्षेत्र में एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 32 लोगों का हीमोग्लोबिन (एचबी) स्तर चेक किया गया।

इस बारे में जानकारी देते हुए नारायणगढ़ के एसएमओं डॉ. राकेश सैनी एवं डॉक्टर नीतिश शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और वृद्धजनों में समय रहते एनीमिया की पहचान करना और उचित उपचार प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि हीमोग्लोबिन की कमी यानी खून की कमी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है और कार्यक्षमता को प्रभावित करती है।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम ने भाग लिया। जांच के दौरान जिन व्यक्तियों का एचबी स्तर सामान्य से कम पाया गया, उन्हें मौके पर ही आयरन की गोलियां, आवश्यक पोषण संबंधी परामर्श एवं आहार सुधार की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त लोगों को संतुलित आहार, हरी सब्जियों, गुड़, चना, अंकुरित अनाज आदि के सेवन के प्रति प्रेरित किया गया।

डॉ. राकेश सैनी ने बताया कि एनीमिया मुक्त हरियाणा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध तरीके से एनीमिया जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर उन्हें एनीमिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। डॉ. नीतिश शर्मा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य एनीमिया की समय पर पहचान करना, पोषण संबंधी जागरूकता तथा स्वास्थ्य सुधार हेतु आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान करना है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

हरियाणा के खिलाड़ियों ने दुनिया में जमाई धाक : रणबीर गंगवा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 18 जुलाई। लोक निमार्ण और जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने शुक्रवार को जिला पंचकूला में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा 18 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 19वीं अश्विनी गुप्ता मेमोरियल जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट विधिवत उद्घाटन किया। टूर्नामेंट का आयोजन सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित थे।

रणबीर गंगवा ने कहा कि पंचकूला की स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी करीब 19 वर्षों से खेल और समाज सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी को 11 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा की खेल नीति पूरे देश में सबसे श्रेष्ठ है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर विभिन्न खेलों में मैडल लाकर प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन किया है। ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा कुल मैडलों में से एक तिहाई मैडल जीते जाते है। आज खिलाडियों को ओलंपिक में गोल्ड मैडल लाने पर 6 करोड़ रुपये, सिल्वर के लिये 4 करोड़ और कास्य पदक के लिये 2.50 करोड़ रुपये की राशि इनाम स्वरूप व योग्यतानुसार सरकारी नौकरी भी उपलब्ध करवाई जाती है।

उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल खेलने से न केवल हम मानसिक तौर पर बल्कि शारीरिक तौर पर भी स्वस्थ रहते हैं। खेलों से हम न केवल अपने आप को बल्कि राष्ट्र को भी ख्याति प्रदान कराने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों से जुडें और खेलों को कैरियर के रूप में अपनाएं।

रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की प्रेरणा और मार्गदर्शन में चल रही यह सोसायटी पंचकूला के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामैंट श्री ज्ञानचंद गुप्ता के बेटे स्वर्गीय श्री अश्विनी गुप्ता की याद में आयोजित किया जा रहा है। श्री अश्विनी गुप्ता नैशनल लेवल के बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। एक हादसे में उनके चले जाने के बाद से ज्ञानचंद गुप्ता उनकी याद में इस सोसाइटी के माध्यम से 2006 से लगातार कबड्डी, बैडमिंटन व अन्य खेल टूर्नामेंट जिला व राष्ट्रीय स्तर पर करवाकर खेलों को बढावा देने के लिए और खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहे हैं।

एनडीए सरकार में बिहार का तेजी से विकास हुआ पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया : सीएम नीतीश कुमार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोतिहारी, 18 जुलाई। बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान भव्य रोड शो के बाद विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। पीएम मोदी के मंच पर पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। उन्हें एक सुंदर पेंटिंग और तिरंगा भेंट किया गया। इस मौके पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री (सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा) और एनडीए के वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी का बिहार दौरा राज्य के लिए गर्व का क्षण है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार को नई ऊर्जा और विकास की दिशा मिल रही है।

सीएम नीतीश ने कहा, ÷पहले की सरकारों में काम धीमा था, लेकिन 2005 से जदयू की सरकार बनने के बाद बिहार में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। अब सड़क, बिजली और रोजगार जैसे सभी क्षेत्रों में काम हो रहा है। अब बिहार सरकार 125 यूनिट बिजली मुफ्त देगी।÷

उन्होंने कहा, ÷पहले बिजली की बहुत कमी थी, लेकिन अब हर घर में बिजली है। हमने तय किया है कि गरीबों को मुफ्त बिजली और घर दिए जाएंगे। इसकी मंजूरी आज ही कैबिनेट में दी जाएगी।÷ इसके अलावा, उन्होंने अगले पांच साल में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी

और रोजगार देने का वादा किया।

बिहार के सीएम ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजना को 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है, जिससे 1 करोड़ 11 लाख लोगों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सड़कों, पुलों और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर काम किया है। गांवों और टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य पूरा कर लिया है और 10 लाख रोजगार के लक्ष्य को बढ़ाकर 29 लाख कर दिया गया है।

नीतीश कुमार ने पुरानी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विकास के लिए कोई पैसा खर्च नहीं होता था, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार में बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं। केंद्र सरकार और पीएम मोदी का आभार कि बिहार अब प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बिहार में अगस्त से 125 यूनिट बिजली मुफ्त, मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना, 18 जुलाई। बिहार के लोगों को अगस्त महीने से 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। बिहार मंत्रिमंडल की शुक्रवार को हुई बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की शुक्रवार हुई बैठक में सिर्फ इसी एक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

बताया गया कि बैठक में राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर एक अगस्त से 125 यूनिट प्रति माह खपत तक शत-प्रतिशत अनुदान देने के लिए 'मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना' के विस्तारीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अतिरिक्त 3797 करोड़ रुपये बिहार स्टेट पावर (हो0) कं0 लि0 को उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की गई।

इसके साथ-साथ राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को पूर्ण वित्तीय सहायता एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की भी स्वीकृति दी गई।

उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दो दिन पूर्व ही प्रदेश में 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी जानकारी शेयर करते हुए लिखा था, 'हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयत्नों से मिली ऐतिहासिक स्वीकृति

चावल उपार्जन लक्ष्य में 8 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि

अर्थ प्रकाश/अखिलेश कुमार

रायपुर, 18 जुलाई। प्रदेश के अन्नदाताओं के हितों को सर्वोपरि मानते हुए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर 149.25 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो राज्य गठन के बाद अब तक की सर्वाधिक मात्रा है। उपार्जित धान का त्वरित निराकरण कस्टम मिलिंग के माध्यम से किया जा रहा है। धान खरीदी की समाप्ति तक प्रदेश को केन्द्रीय पूल अंतर्गत 70 लाख मीट्रिक टन चावल उपार्जन का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। राज्य की कल्याणकारी योजनाओं एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए आवश्यक राज्य पूल के लक्ष्य के साथ मिलाकर कुल 118.17 लाख मीट्रिक टन धान की मात्रा कस्टम मिलिंग से निराकरण के लिए निर्धारित की गई है।किसानों के हित में निर्णय लेते हुए राज्य सरकार ने अतिरिक्त धान का नीलामी के माध्यम से निराकरण करने का निर्णय लिया है। नीलामी के माध्यम से अब तक 19 लाख मीट्रिक टन धान हेतु बायर ऑर्डर जारी किए जा चुके हैं,

और संबंधित क्रेताओं एवं मिलरों द्वारा उसका त्वरित उठाव भी किया जा रहा है। प्रदेश के संग्रहण केंद्रों में शेष भंडारित धान की सुरक्षा हेतु खाद्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक सावधानियाँ सुनिश्चित की गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदेश के कृषकों से एक-एक दाना धान खरीदने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार से लगातार संवाद एवं आग्रह किया गया। इसी क्रम में उन्होंने दिनांक 24 जून 2025 को नई दिल्ली में केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी से भेंट कर केन्द्रीय पूल अंतर्गत चावल उपार्जन लक्ष्य को बढ़ाने का आग्रह किया था।

मुख्यमंत्री श्री साय के सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। भारत सरकार ने 18 जुलाई 2025 को चावल उपार्जन लक्ष्य को 70 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 78 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। यह निर्णय न केवल किसानों के हित में महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इससे राज्य सरकार को लगभग 1200 करोड़ रुपये की संभावित वित्तीय हानि से भी बचाया जा सका है। चावल उपार्जन लक्ष्य में मिली इस वृद्धि से राज्य की राजकोषीय स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी गति आएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस निर्णय के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग, केंद्र और राज्य की समन्वित किसान-हितैषी नीति का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के मिलर एसोसिएशन एवं किसानों द्वारा समय-समय पर उठाई गई मांगों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि सभी सुझावों और आवश्यकताओं पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: पीएसईबी मुख्यालय, दि माल पटियाला 147001

कारपोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) U40109PB2010SGC033813,**वेबसाईट:** www.pspcl.in

(संपर्क संख्या 96461-23789)

वरि. एक्सईएन सिविल निर्माण एवं रखरखाव मंडल, डी-207, (गेट सं. 3 के समीप), थर्मल कालोनी, बठिण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाकरण के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र .सं.	कार्य का नाम	निविदा पूछताछ संख्या
1.	66केवी एस/एस दागरू स्थित उप-मंडलीय कार्यालय भवन डागरू के लिए सबमर्सिबल पम्प की व्यवस्था एवं इंस्टॉलेशन करना।	टीई-15/सीसीएम/बीटीआई/2025-26

विस्तृत निआसू और निविदा विनिर्देशन हेतु कृपया https://eproc.punjab.gov.in पर 19.07.2025 को प्रातः 09.00 बजे से पधारें।
टिप्पणी: शुद्धिपत्र और परिशिष्ट, यदि कोई हुआ, https://eproc.punjab.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित किया जाएगा।
सी 506/25

उत्तर रेलवे

ई-निविदा

खुली निविदा संख्या 19-अम्बाला/2025-26 दिनांक 17.07.2025

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को **15.00 बजे** तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

1 **कार्य का नाम:** यूएमबी–केएलके खंड पर प्रमुख पुल संख्या 240, 242, 244, 245, 249, 252, 259, 260, 267, 278, 316, 332 पर सुरक्षा कार्य और निरीक्षण व्यवस्था का उन्नयन।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1,59,34,276	2,29,700	06 महीने	11.08.2025

2 **कार्य का नाम:** सीनियर डीईएन/आई/यूएमबी अनुभाग में पांच साल की गारंटी/वारंटी के साथ 1 स्वचालित, बैक्टीरियोलॉजिकल ट्रीटमेंट प्लांट की आपूर्ति, स्थापना और परीक्षण।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
19,15,624	38,300	03 महीने	11.08.2025

नोट:- 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **2180/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा–135002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, केवल निम्नलिखित कार्यो के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई–निविदाएं आमंत्रित करता है:

कार्य का नाम	एलएचबी पावर कारों में उच्च क्षमता कपलर और फीडर केबल्स का प्रावधान।		
निविदा प्रकार	**खुला**	**बोली प्रणाली**	**एकल पैकेट प्रणाली**
निविदा विक्रय समापन तिथि	11.08.2025 प्रातः 11:30 बजे	निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	18.07.2025 15:13
पूर्व-बोली आवश्यक है	नही	अब तक कोई प्री–बिड केरी	नही
विज्ञापन मूल्य	रु. 2,19,03,310.41/– सभी कर जीएसटी आदि सहित।	निविदा अनुभाग	टेंडर एवं वर्क्स/ इलेक्ट्रिकल शाखा जगाधरी वर्कशॉप
अग्रिम धन	रु.2,59,500/–	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	Nil अप्रैल 2022 के भाग–I खंड संख्या 3 के अनुसार)	समापन की अवधि	24 माह
बोली आरंभ तिथि	28.07.2025	बोली समाप्ति तिथि	11.08.2025 प्रातः 11.30 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in पर जाएं		

संख्या 56–डब्ल्यू/इलेक्ट्रिक/24–25/टी/23/कपलर और फीडर केबल्स/आरटी **2184/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री योगी की मुहिम से बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी में फिर से लौटने लगा जीवन

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

- बलरामपुर में अपना अस्तित्व खो चुकीं नदियों को मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से मिल रहा नया जीवन, नदियों में दिखने लगा जल प्रवाह
- एक जनपद एक नदी अभियान के तहत जनसहयोगी से नदियों का किया जा रहा पुनरोद्धार
- जल संचयन औयर पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए नदियों के किनारे लगाए जा रहे पौधे
- देवीपाटन मंडल के श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती और गोंडा की मनोरमा बनी जीवनदायनी

लखनऊ। लंबे समय से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहीं बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक जनपद, एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है। श्री योगी के प्रयासों से प्रदेश की लुप्त होती नदियों के पुनर्जीवन के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग का संगम देखने को मिल रहा है। सीएम योगी की मुहिम को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनके आह्वान पर स्थानीय श्रमदान के माध्यम से नदियों के पुनरोद्धार में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

बलरामपुर जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि एक जनपद, एक नदी अभियान के तहत बलरामपुर की सुआंव नदी का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी का बहाव वर्षों से अवरुद्ध था। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर नदी के पुनरोद्धार का कार्य मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है।

सुआंव नदी के संरक्षण को चिन्हित किये गये 49 कार्य स्थल:

देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरोद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी है जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरोद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है।

उन्होंने बताया कि सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई।

बिहार चुनाव: एसआईआर में 94.68 प्रतिशत मतदाता हुए शामिल, 7 दिन शेष

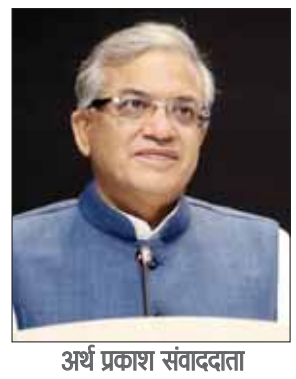

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना, 18 जुलाई। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए सिर्फ 7 दिन बचे हैं। राज्य में अब तक 94.68 प्रतिशत गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं। अब सिर्फ 41,10,213 या 5.2 प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त होने शेष हैं।

बिहार के 7,89,69,844 मतदाताओं में से 7,11,72,660 यानी 90.12 प्रतिशत ईएफ एकत्र किए जा चुके हैं। डिजिटाइज्ड किए गए गणना फॉर्म 6,85,34,743 या 86.79 प्रतिशत हैं। जहां 36,86,971 या 4.67 प्रतिशत मतदाता अपने पते पर नहीं मिले तो वहीं 12,71,414 या 1.61 प्रतिशत मृत वोटर पाए गए। स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की संख्या 18,16,306 या 2.3 प्रतिशत है। अब तक पहचाने गए एक से अधिक स्थानों पर नामांकित मतदाता 5,92,273 या 0.75 प्रतिशत हैं। जिन निर्वाचकों का पता नहीं चल पा रहा है, उनकी संख्या 6,978 या 0.01 प्रतिशत है। कुल सम्मिलित निर्वाचक 7,48,59,631 या 94.68 प्रतिशत हैं।

इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) 1 अगस्त, 2025 को ड्रॉफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करेंगे और ड्रॉफ्ट मतदाता सूची में किसी भी एंट्री में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित करेंगे। राजनीतिक दलों और निर्वाचकों को सुधार या छूटे हुए नामों को शामिल करने का प्रस्ताव देने के लिए पूरे एक महीने का समय दिया जाएगा। इसके लिए ड्रॉफ्ट मतदाता सूची की प्रिंटेड और डिजिटल कॉपियां राजनीतिक दलों को निःशुल्क दी जाएंगी और आम जनता के लिए आयोग की वेबसाइट पर पोस्ट की जाएंगी। ऐसे में जनता निश्चिंत रहे कि कोई भी पात्र निर्वाचक नहीं छूटेगा।

ऐसे निर्वाचक, जिनकी संभवतः मृत्यु हो चुकी है, जो स्थायी रूप से निवास स्थान परिवर्तित कर चुके हैं, जो एक से अधिक स्थानों पर नामांकित हैं और जिनका पता नहीं चल पा रहा है, अथवा जिनसे बीएलओ के कई दौरों के बाद भी फॉर्म वापस नहीं मिला है, की लिस्ट अब राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों, उनके द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों के साथ भी साझा की जा रही है, ताकि ऐसे प्रत्येक निर्वाचक की सही स्थिति की पुष्टि 25 जून से पहले की जा सके।

आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रायबरेली, 18 जुलाई। ओरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द के नेतृत्व में तीन दिवसीय राजभाषा प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ओरेडिका के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में हिंदी निबंध लेखन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी वाक् प्रतियोगिताएं शामिल की गयी। यह आयोजन रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुपालन में किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कार्मिकों के नाम राजभाषा विभाग, रेलवे बोर्ड द्वारा अखिल रेल स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए अनुशंसित किए जाएगें। राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर ओरेडिका के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता नन्द किशोर वर्मा, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता राधे श्याम बीका, सहायक सामग्री प्रबंधक राजेश कुमार, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन, एईडीपीएम अशोक कुमार तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिकित्सा के साथ साथ मानव सेवा को बनाया अपना ध्येय

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कैथल, 18 जुलाई। शहर के जानेमाने मनोरोग विशेषज्ञ डॉ विवेक गर्ग और दंत चिकित्सक डॉ नीतू गर्ग ने आज अपनी चिकित्सा सेवा के 20 वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर गर्ग मनोरोग एवं डेंटल क्लिनिक पर मरीजों, स्टाफ एवं मित्रों के साथ मिलकर केक काटा गया। साथ ही साथ स्टाफ को डॉ विवेक एवं डॉ नीतू द्वारा उनके सहयोग के लिए एपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ दंपत्ति ने कहा कि चिकित्सा सेवा में उनका यह 20 साल का सफर बेमिसाल रहा। सफर के शुरुआती कुछ वर्ष चुनौतीपूर्ण रहा। वर्ष 2005 में जब ये सफर शुरू हुआ तो उन दिनों मानसिक रोगों को दंत रोगों के प्रति लोगों में जागरूकता का अभाव था, जिस कारण समय रहते लोग उपचार के लिए नहीं आते थे। इससे उनकी बीमारी बहुत उग्र रूप ले लेती थी। उन्होंने शुरुआती दिनों में ऐसे मानसिक रोगियों का भी इलाज किया जो 15 से 20 सालों से बीमारी से जूझ रहे थे और इस क्षेत्र में मनोरोग चिकित्सक की कमी के कारण और जागरूकता के अभाव में वो इलाज नहीं ले पाते थे। इस अवसर पर नारायण सेवा संस्थान के सदस्यों द्वारा संस्थान की ओर से डॉ दंपत्ति को पगड़ी और उपर्णा पहनाया गया।

डॉ दंपत्ति ने इन 20 वर्षों में स्वयं को चिकित्सा सेवा तक सीमित न रख कर अपना समय समाजसेवा में भी लगाया। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक गुरुदेव श्री कैलाश मानव के आशीर्वाद से और अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल के मार्गदर्शन से कैथल में पिछले 10 वर्षों से शाखा कैथल के सदस्यों के साथ दिव्यांग बंधुओं के लिए कार्य किया और शहरवासियों के सहयोग से कैथल में दया गुप्ता मानव मंदिर का निर्माण किया।

फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर लॉन्च मुम्बई में दिखी पूरी टीम

- आषुतोष राणा ने दिविता जुनेजा की खुलेमन से तारीफ की
- गुलशन ग्रोवर ने दिविता जुनेजा को कहा बेमिसाल
- फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' का ट्रेलर सोषल मीडिया पर वायरल
- दर्शकों को है बेसब्री से 8 अगस्त का इंतजार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मुंबई। ट्यूलिप एंटरटेनमेंट और दिविसा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी पारिवारिक फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' का ट्रेलर आज भव्य रूप से मुम्बई के जुहू पीवीआर में लांच किया गया। लांच के कुछ ही घंटों में यह ट्रेलर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और साथ ही इसे बहुत पसंद भी किया जा रहा है।

फिल्म का निर्माण मैरी गो राउंड स्टूडियोज और क्रिएटिव स्ट्रेक्स ग्रुप के सहयोग से हुआ है। निर्देशन की कमान संभाली है राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और 'ओह माय गॉड' और '102 नॉट आउट' जैसी सराही गई फिल्मों के निर्देशक उमेश शुक्ला ने। वहीं फिल्म के निर्माता हैं उमेश शुक्ला, आशीष वाघ, मोहित छाबड़ा और संजय ग्रोवर। ट्रेलर में हीर के सफर को दिखाया गया है, जो अपनी मां के सपने को पूरा करने के लिए पंजाब से लंदन तक का सफर तय करती है। हालांकि वहां पहुंचकर हीर को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिन्हें पार कर वो अपने लक्ष्य को पाने की कोषिष करती है। इस फिल्म में अभिनेत्री दिविता जुनेजा और प्रीत कमानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही आषुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों के लिए एक ऐसा अनुभव लेकर आई है, जो दिल को छू जाएगा और लंबे समय तक याद रहेगा।

इससे पहले भी फिल्म के दो गाने 'वे रांझणा' और 'डोरे-डोरे दिल पे तेरे' रिलीज किए जा चुके हैं जो सोषल मीडिया पर छाए हुए है और रील्स के लिए ट्रेंडिग चल रहे है। इन दोनों गानों ने ही श्रेताओं के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। ट्रेलर लांच के अवसर पर गुलषन ग्रोवर ने कहा कि दिविता जुनेजा बहुत ही प्रतिभाषाली कलाकार है। उन्होंने बताया कि बहुत-सी कलाकार जैसे - रानी मुखर्जी, कंगना रनौत, कटरीना कैफ और बिपाषा बसु आदि की डेब्यू फिल्म में भी उन्होंने काम किया हुआ है परंतु जो आत्मविष्वास और टेलेंट उन्होंने दिविता जुनेजा में देखा, वह बेमिसाल है। इस अवसर पर फिल्म के कास्ट आषुतोष राणा ने भी दिविता जुनेजा की प्रतिभा की बहुत तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म के सेट पर दिविता अपना काम बहुत ही मेहनत और लग्न से करती थी। उनके बहुत से ऐसे शाट्स भी हुए है जिन्हें रि-टेक भी नहीं करना पड़ा, जोकि हमारे लिए भी अचंभित रहा। उन्होंने कहा कि मैंने तो दिविता को कई बार ऐसा भी कहा कि 'तुम तो काला टीका लगाया करो... कहीं नजर न लग जाएं तुम्हें'।

सोशल मीडिया पर भी 'हीर एक्सप्रेस' हैषटैग ट्रेंड कर रहा है और दर्शकों की प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है। फिल्म के जोनर को लेकर भी लोग अपने-अपने क्यास लगा रहे हैं। परंतु इतना तो साफ है कि 'हीर एक्सप्रेस' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा है, जो दर्शकों को हँसाएगी भी, रुलाएगी भी और साथ ही संगीत के माध्यम से उनके दिल को छू लेगी।

एक लंबे समय के बाद दर्शकों को एक ऐसी फिल्म मिलने जा रही है, जो पूरे परिवार के साथ बैठकर देखी जा सकती है वो भी बिना किसी झिझक के। यह फिल्म 8 अगस्त को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

न्यायालय-अनुमण्डल दण्डाधिकारी, महाराजगंज

आम सूचना

एतद् द्वारा नीचे अंकित विपक्षी/प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि सिवान जिलान्तर्गत महाराजगंज अनुमण्डल के विभिन्न थानों एवं उत्पाद विभाग, सिवान से बिहार मद्य निषेध उत्पाद अधिनियम–2016 के अन्तर्गत जब्त वाहन के अधिहरण हेतु प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संधारित है :–

क0 सं0	अधिहरण वाद संख्या	थाना का नाम	थाना काण्ड संख्या	वाहन निबंधन सं0	वाहन का प्रकार	वाहन स्वामी का नाम एवं पता
1	04/24–25	**बसंतपुर**	595/23	Reg No-HR30U-0540 E.N.-IND1310872 Che. No-MBJ4ZBT83051	टोयटा कार	श्री लक्ष्मीकांत, श्री मोहन, मकान नं0–218, वार्ड नं0–13 ए, मषानी मन्दिर, थाना होडाल, जिला पलवल, हरियाणा। पिन–121106

उपरोक्त वादों की सूनवाई की अगली **तिथि 04.08.2025** निर्धारित करते हुए विपक्षी/प्रतिवादी एवं सम्बद्ध व्यक्ति को सूचित किया जाता हैं कि उक्त वाद में निर्धारित तिथि को स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष प्रास्तुत करें। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि आपको अपने पक्ष में कुछ नही कहना हैं और तदोपरान्त एकपक्षीय सुनवाई करते हुए आदेश पारित कर दिया जाएगा जिसके लिए पूर्ण रूप से आप जिम्मेवार होंगे।

इसे सख्त ताकीद समझे।

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी, महाराजगंज

PR- 009009 (Excise) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

चंडीगढ़ को उसका लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए : कैलाश जैन

सामाजिक सशक्तिकरण संगठन के अध्यक्ष ने कहा शासन व्यवस्था पूरी तरह से नौकरशाही के अधीन है, जहां जनता की सीधी भागीदारी नगण्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। भारत सरकार, विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह से सामाजिक सशक्तिकरण संगठन चंडीगढ़ की ओर से मांग की गई है कि चंडीगढ़ को उसका लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए। ऐसा कर भारत न केवल एक आदर्श लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि दो राज्यो की राजधानी कहलाने वाला शहर वास्तव में 'जनता का शहर' बन सके।

संगठन के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन ने भारत सरकार से की गई इस प्रस्तावना में स्पष्ट किया कि चंडीगढ़ भारत का एक गौरवशाली, सुव्यवस्थित एवं योजनाबद्ध शहर है, जो पंजाब और हरियाणा दो प्रदेशो की राजधानी होते हुए भी स्वयं एक केंद्र शासित प्रदेश है। लेकिन इस सुंदर और सुविकसित शहर के भीतर एक गहरी लोकतांत्रिक शून्यता छिपी हुई है। चंडीगढ़ में न तो कोई निर्वाचित विधानसभा है, न ही कोई स्वतंत्र राज्य सरकार। यहां की शासन व्यवस्था पूरी तरह से नौकरशाही के अधीन है, जहां जनता की सीधी भागीदारी नगण्य है। ऐसे में, लोकतंत्र की मूल भावना और नागरिक अधिकारों की रक्षा का प्रश्न गंभीर रूप से उठता है। बिना निर्वाचित विधानसभा अथवा बिना किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था होने के कारण नौकरशाही पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत संचालित होता है। कैलाश जैन ने कहा कि चंडीगढ़ जैसा एक विकसित, शिक्षित और जागरूक नागरिकों वाला शहर लोकतंत्र से वंचित है यह एक विडंबना है। चंडीगढ़ की जनता को अब एक पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील शासन प्रणाली की आवश्यकता है। केवल अफसरशाही से चलने वाला तंत्र नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता।

समस्याएं जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के भी विपरीत

जनता की अनसुनी: वर्तमान प्रणाली में जनता की शिकायत सुनने और उनका प्रभावी समाधान करने हेतु कोई प्रभावी तंत्र नही है। कोई जनप्रतिनिधि जनता की सुनवाई करके किसी समस्या का हल नही करवा सकता क्योंकि किसी भी जनप्रतिनिधि को किसी भी अधिकारी को कोई आदेश देने का अधिकार नही है। यहां तक की चंडीगढ़ की भलाई के लिए अगर कोई प्रबुद्ध नागरिक कोई सुझाव भी देना चाहे तो उसको सुनने या उस पर विचार तक करने की भी कोई व्यवस्था नहीं है जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के भी विपरीत है।

अफसरशाही का वर्चस्व: सभी निर्णय उच्चाधिकारियों द्वारा लिए जाते हैं, जिनकी जनता के प्रति कोई प्रत्यक्ष जवाबदेही नहीं है इससे प्रशासनिक निष्क्रियता और मनमानी बढ़ गई है। चंडीगढ़ के पास मात्र एक सांसद है, जिसे प्रशासनिक निर्णयों में भागीदारी या कोई अधिकार प्राप्त नहीं हैं। नगर निगम के प्रतिनिधियों के अधिकार सीमित है उन्हे किसी प्रकार का कोई प्रशासनिक अधिकार नही है। पंजाब एवं हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण की योजनाओं का लाभ इन राज्यों की राजधानी होने के बावजूद चंडीगढ़ वासियों को नहीं मिल पाता।

रोजगार में आरक्षण से वंचित: चंडीगढ़ के युवक पंजाब एवम हरियाणा दोनो राज्यो की राजधानी होने के बावजूद किसी भी राज्य के स्थानीय कोटे (डोमिसाइल) में नहीं आते, जिससे उन्हें नौकरियों में नुकसान उठाना पड़ता है। यहां के सरकारी कर्मचारी किसी भी राज्य कैडर का हिस्सा नहीं माने जाते, जिससे उनकी सेवा परिस्थितियाँ प्रभावित होती हैं।

राजधानी होकर भी उपेक्षा: पंजाब व हरियाणा दोनों की राजधानी होने के बावजूद, चंडीगढ़ को दोनों राज्य 'अपना' नहीं मानते, जिससे यहाँ की जनता उपेक्षित रह जाती है। राजधानी होने के बावजूद पंजाब या हरियाणा सरकारों द्वारा चलाई गई किसी योजना का लाभ चंडीगढ़ नही उठा सकता। इसके विपरीत चंडीगढ़ के राजस्व का बहुत बड़ा हिस्सा इन राज्यों की मेंटेनेंस और अन्य ओपचारिकताओ में खर्च होता है। इन समस्याओं के कारण जनता को मूलभूत सुविधाओं, रियायतों व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नही मिल पाता है तथा जनता को अपनी समस्याओं के हल के लिए दर-दर भटकना पड़ता है।

समाधान हेतु सुझाव

लोकतांत्रिक सरकार का गठन: चंडीगढ़ में एक लोकतांत्रिक सरकार बनाई जाए, जिससे जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान हो सके।

विधानसभा की स्थापना: जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों को अधिकार युक्त एक स्वतंत्र विधानसभा का गठन किया जाए।

अलग राज्य का दर्जा: चंडीगढ़ को स्वतंत्र राज्य का दर्जा प्रदान कर उसे अपनी सरकार और प्रशासनिक अधिकार दिए जाएं।

पंजाब हरियाणा राज्य योजनाओं का विस्तार: पंजाब एवम हरियाणा की राजधानी होने के नाते चंडीगढ़ के नागरिकों को दोनो राज्य सरकारों द्वारा जनता के लिए लागू योजनाओं, संसाधनों व प्रशासनिक सरंचनाओ का लाभ चंडीगढ़ के नागरिकों को भी प्रदान किया चाहिए। इस बारे केंद्रीय स्तर पर निर्णय ले तुरंत प्रभाव से स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाने का निवेदन करते है।

एचएमएसी का गठन: केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा अलग अलग केंद्र शासित प्रदेशों के लिए गृहमंत्री सलाहकार समिति (एचएमएसी) का गठन किया जाता है जिसका गठन पिछले 8 वर्षो से नही किया गया है। हमारी मांग है कि चंडीगढ़ के लिए एक प्रभावी गृहमंत्री सलाहकार समिति का गठन तुरंत किया जाए जिसमे लिए गए फैसलों को लागू करवाने तथा कोऑर्डिनेशन हेतु गृहमंत्री की तरफ से किसी राजनेता को अथवा स्पेशल अधिकारी नियुक्त किया जाए जो गृहमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में चंडीगढ़ के लिए फैसले लेने में सक्षम हो अधिकारियों की नही जानता की आवाज सुने तथा जिसकी जवाबदेही सीधे गृहमंत्री को हो।

गृह मंत्रालय में चंडीगढ़ डेस्क की स्थापना: केंद्रीय गृह मंत्रालय में चंडीगढ़ मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निर्णय हेतु एक विशेष अनुभाग (डेस्क) स्थापित किया जाए जिसका एक उपकर्यालय चंडीगढ़ में भी हो तथा , इस डेस्क की कारगुजारी चंडीगढ़ के लिए विशेष रूप से नियुक्त ओएसडी के अधीन कार्य करे।

▲ अधिकतम	33	डिग्री से.
▼ न्यूनतम	28	डिग्री से.
सूर्योदय	5.33	बजे
सूर्यास्त	7.26	बजे
सोना 24 कैरेट	99,520.00	
सैंसेक्स	81,757.73	
अमेरिका	86.13	
कैनेडियन	62.79	
आस्ट्रेलिया	55.18	

पंजाब के राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्रियों से की मुलाकात, ई-बसों, रेल संपर्क व पर्यटन परियोजनाओं पर हुई चर्चा

328 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी की मांग

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियोंमनोहर लाल खट्टर (आवास और शहरी मामलों के मंत्री), अश्विनी वैष्णव (रेल मंत्री), गजेंद्र सिंह शेखावत (पर्यटन मंत्री) और भूपेंद्र यादव (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री) से मुलाकात की। इन बैठकों में चंडीगढ़ और पंजाब के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों, विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन, पर्यटन अवसंरचना और पर्यावरणीय स्थिरता पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी केंद्रीय मंत्रियों ने राज्यपाल की चिंताओं को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया और व्यापक जनहित में समय पर और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता के हाल ही में हुए निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति जताते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ बैठक में राज्यपाल ने चंडीगढ़ के लिए प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 328 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी के लंबित मामले को उठाया। उन्होंने चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) और चंडीगढ़ सिटी बस सर्विस सोसाइटी (सीसीबीएसएस) के पुराने डीजल बसों के बेड़े को बदलने के लिए जीसीसी मॉडल पर शीघ्र मंजूरी का आग्रह किया। ये बसें सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 15 वर्ष की डीजल वाहन सीमा के तहत 2025-2027 के बीच अपना परिचालन जीवन पूरा करेंगी। राज्यपाल ने अक्टूबर 2023 में स्वीकृत 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जल्द जारी करने की मांग की, ताकि नवंबर 2025 से पहले इनकी डिलीवरी सुनिश्चित हो सके और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में निरंतरता बनी रहे। उन्होंने मंत्रालय के हरित गतिशीलता प्रयासों के समर्थन में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं के माध्यम से स्क्रैपिंग प्रमाणपत्र प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

रेल संपर्क को मजबूत करने पर जोर

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चर्चा में राज्यपाल ने तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ और पंजाब-चंडीगढ़, जिसमें तरनतारन साहिब शामिल है, के बीच रेल संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह कदम बढ़ती यात्री मांग और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, उन्होंने उदयपुर और चंडीगढ़ के बीच बेहतर रेल संपर्क की मांग की, जो राजस्थान और केंद्र शासित प्रदेश के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए लाभकारी होगा।

पर्यटन अवसंरचना के लिए रणनीतिक निवेश की जरूरत

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात में राज्यपाल ने चंडीगढ़ में पर्यटन विकास परियोजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने शहर की विरासत, पर्यावरणीय मूल्यों और बढ़ते पर्यटक प्रवाह के अनुरूप पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए रणनीतिक निवेश की आवश्यकता बताई। साथ ही, क्षेत्रीय विकास और यात्रा को सुगम बनाने के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक केंद्रों के साथ पर्यटन और परिवहन संपर्क को बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

पर्यावरणीय स्थिरता पर चर्चा

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से शिष्टाचार भेंट में जलवायु-सचेत शासन पर बढ़ते जोर के मद्देनजर चंडीगढ़ और पंजाब से संबंधित पर्यावरणीय प्राथमिकताओं और सतत विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पंजाब के राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री से की चर्चा

पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करना था। राज्यपाल ने बताया कि चंडीगढ़ हवाई अड्डा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए विशेष रूप से सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की आवश्यकता पर बल दिया गया। श्री कटारिया ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि व्यावसायिक यात्राएं भी आसान होंगी और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय इस दिशा में सक्रिय रूप से काम करेगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस और हवाई अड्डा संचालकों सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर कनेक्टिविटी बढ़ाने और यात्री सुविधाओं को बेहतर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। यह मुलाकात चंडीगढ़ के विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और इसकी वैश्विक व घरेलू पहुंच को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, मामला दर्ज

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। शहर में आए दिन ऑनलाइन/ डिजिटल अरेस्ट ठगी के मामले लगातार प्रकाश में आ रहे है। शातिर पुलिस की पकड़ से बाहर है। ऐसा ही एक और मामला प्रकाश में आया है। यहां शातिर ठग शिकायतकर्ता के साथ लाखों रुपए की ठगी कर गया। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सैक्टर 7 निवासी निखिल ने पुलिस को बताया कि उसे कुछ समय पहले किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा कि अगर वह अपना पैसा इन्वेस्टमेंट करते है।तो उसे अच्छा मुनाफा मिल सकता है। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने कुल मिलाकर दो लाख 85 हजार रुपए जमा करवा दिए। जब कुछ दिन बीत जाने के बाद संपर्क किया तो उस शख्स ने संपर्क करना बंद कर दिया। पीड़ित को पता चला कि उसके साथ ठगी हो गई। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने बिहार के प्रवासी मतदाताओं के लिए विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) 2025

चंडीगढ़ (अप्रस)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, बिहार में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) 2025 का कार्य निर्वाचन आयोग के सक्रिय पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में तेजी से प्रगति कर रहा है। इस प्रक्रिया में अब तक 90 फीसदी से अधिक मतदाताओं के गणना फॉर्म सफलतापूर्वक प्राप्त हो चुके हैं। मृत, स्थानांतरित, या दोहरे प्रविष्टियों को छोड़कर, केवल 5.8 प्रतिशत मतदाता शेष हैं, जिनके फॉर्म 25 जुलाई 2025 तक जमा होने की उम्मीद है। बिहार के कई मतदाता वर्तमान में चंडीगढ़ सहित अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अस्थायी रूप से रह रहे हैं। इन प्रवासी मतदाताओं की इस संशोधन प्रक्रिया में भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चंडीगढ़ में रह रहे बिहार के प्रवासी मतदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने गणना फॉर्म ऑनलाइन voters.eci.gov.in पोर्टल या ECINET मोबाइल ऐप के माध्यम से भरें। इसके अलावा, वे प्री-फिल्ड फॉर्म डाउनलोड कर, आवश्यक दस्तावेज संलग्न करके व्हाट्सएप के जरिए बिहार में अपने परिवार के सदस्यों या संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को भेज सकते हैं। फॉर्म जमा करने के लिए नीचे दिए गए क्यूआर कोड को भी स्कैन किया जा सकता है। चंडीगढ़ प्रशासन का यह प्रयास है कि बिहार के सभी पात्र प्रवासी मतदाता, जो चंडीगढ़ में रह रहे हैं, इस निर्वाचन संशोधन प्रक्रिया में शामिल हो सकें और उन्हें हर क दम की जानकारी हो।

स्वच्छ सर्वेक्षण में चंडीगढ़ को दूसरा स्थान मिलने पर उठे सवाल

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ के समाजसेवी संदीप दहिया ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में शहर को तीन से दस लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में दूसरा स्थान मिलने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की अनुमानित जनसंख्या 2024 में 12.40 लाख के आसपास है, जो 10 लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल उठता है कि शहर को तीन से दस लाख की श्रेणी में क्यों शामिल किया गया। 2011 की जनगणना में चंडीगढ़ की जनसंख्या 10.55 लाख थी, जो लगातार बढ़ रही है। फिर भी उसे 10 लाख से कम की श्रेणी में क्यों रखा गया? दहिया ने आरोप लगाया कि यह रैंकिंग आगामी 2026 के मेयर और नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखकर की गई हो सकती है, ताकि राजनीतिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में पारदर्शिता की कमी है। केंद्र द्वारा चयनित सर्वेक्षण एजेंसी नगर निगम को पहले से सर्वेक्षण स्थल और समय की जानकारी दे देती है। इसके बाद नगर निगम अन्य वार्डों से कर्मचारियों को बुलाकर उन जगहों को अस्थायी रूप से साफ कर देता है। उन्होंने बताया कि सर्वे के दौरान सेक्टर 15बी में ऐसा ही हुआ। टीम के जाते ही उस इलाके की और शहर की सामान्य स्थिति दयनीय हो जाती है- टूटी सड़कें, कूड़े के ढेर, गंदगी भरे पार्क, खराब लाइटें और गंदे सार्वजनिक शौचालय आम दृश्य हैं। दहिया का कहना है कि यदि चंडीगढ़ को वास्तव में स्वच्छता में शीर्ष पर लाना है, तो सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी संस्था की नियुक्ति की जाए और चंडीगढ़ को सही आबादी के आधार पर 10 लाख से अधिक की श्रेणी में रखा जाए।

चंडीगढ़ में फर्नीचर मार्केट, सेक्टर 53 में अतिक्रमण हटाओ अभियान की तैयारियां तेज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ प्रशासन ने सेक्टर 53 की फर्नीचर मार्केट में 20 जुलाई दिन रविवार को सुबह 7 बजे से प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में उपमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम), पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, इंजीनियरिंग विभाग, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के अधिकारी शामिल थे। उपायुक्त ने अभियान के सुचारू संचालन के लिए सभी विभागों से समन्वय और पूर्ण लॉजिस्टिक सहयोग सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सुरक्षा और व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम

उपायुक्त ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 1000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की योजना को मंजूरी दी। पुलिस विभाग को पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त उपस्थिति के साथ-साथ क्विक रिस्पांस टीम्स की तैनाती के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, अग्निशमन विभाग को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रहने और स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इंजीनियरिंग विभाग को अभियान के तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि नगर निगम को अतिक्रमण हटाने के बाद कचरा और मलबा हटाने का कार्य करना होगा। उपायुक्त ने ट्रैफिक नियंत्रण, अग्निशमन तैयारियों और अभियान के बाद सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उपायुक्त श्री यादव ने जोर देकर कहा कि यह अभियान कानूनी प्रावधानों के तहत और जनहित में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी विभागों से अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन का यह कदम शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों से सहयोग की अपेक्षा की गई है।

मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स डुप्लेक्स रेजिडेंट्स वैलफेयर एसोसियेशन ने किया पौधारोपण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स डुप्लेक्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक 17 जुलाई 2025 को आयोजित की गई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाएगा तथा अन्य मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इस बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इन बरसात के दिनों में एसोसिएशन द्वारा रखरखाव किए जा रहे सभी पार्कों में लगभग 400 से 450 पौधे लगाए जा चुके हैं। हम बागवानी विभाग के कर्मचारियों, विशेष रूप से श्री कृष्ण पाल सिंह (सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर), श्री अश्वनी कुमार (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर) तथा श्री रोहित गर्ग (एसडीओ) के सहयोग के लिए आभारी हैं, जिन्होंने डुप्लेक्स क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य में सहयोग दिया।

चंडीगढ़ नगर निगम ने नए पैचवर्क से सड़कों की स्थिति में सुधार किया

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 18 जुलाई। निवासियों के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर के विभिन्न सेक्टरों में फिरनी रोड और वी5 सड़कों के विभिन्न हिस्सों पर आवश्यक पैचवर्क मरम्मत कार्य किया है।

यह पहल सड़क अवसंरचना को बनाए रखने और जन सुविधा बढ़ाने के लिए एमसीसी के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। पैचवर्क कई चिन्हित स्थानों पर किया गया जहाँ नियमित टूट-फूट, मौसम के प्रभाव और उपयोगिता कार्यों के कारण सड़कों की सतह खराब हो गई थी।

कार्य के बारे में बोलते हुए, नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, आईएएस ने कहा कि दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ पैचिंग कार्य को समय पर पूरा करने के लिए इंजीनियरिंग विंग की समर्पित टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि पैचवर्क से आवागमन की परेशानी कम होगी और पैदल यात्रियों और वाहनों दोनों की सुरक्षा बढ़ेगी।

एमसीसी नागरिकों से त्वरित कार्रवाई के लिए आधिकारिक एमसीसी हेल्पलाइन या ऐप के माध्यम से सड़क क्षति की शिकायतें साझा करने की अपील करता रहता है।

निगम चंडीगढ़ के लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा और निर्बाध नागरिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चोरी के दो अलग अलग मामले

महिला कांस्टेबल का एक्टिवा स्कूटर चोरी करने के आरोपी समेत तीन काबू

चोरी के दो वाहन बरामद

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 18 जुलाई। यूटी पुलिस के ऑपरेशन सैल ने चंडीगढ़ पुलिस की महिला कांस्टेबल का एक्टिवा स्कूटर चोरी करने वाले आरोपी समेत तीन को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियो की पहचान अंबा फार्म मलोया के रहने वाले 25 वर्षीय अमन जिसके खिलाफ थाना 39 में पहले भी मामला दर्ज पाया गया, दूसरे आरोपी की पहचान सैनी विहार बलटाना पंजाब के रहने वाले 25 वर्षीय शिवम जिसके खिलाफ जीरकपुर और थाना मनी माजरा में तीन अलग अलग मामले और 27 वर्षीय अमित के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियो के कब्जे से चोरी किए दो अलग अलग मामलो में दो पहिया वाहन बरामद किए। आरोपियों को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपियों को न्यायकि हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार पता चला कि 17 जुलाई को ऑपरेशन सैल पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना 3 क्षेत्र एरिया के अंतर्गत से एक एक्टिवा स्कूटर चोरी कर दो युवक आ रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए और यूटी पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते ऑपरेशन सैल के इंचार्ज इंस्पेक्टर रंजीत सिंह की टीम ने सैक्टर 26 स्थित गोल्फ टर्न के पास नाका लगा लिया। नाके के दौरान पुलिस आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग करने लगी। इसी दौरान एक एक्टिवा स्कूटर पर सवार दो युवक आए। पुलिस ने उन्हें कागजात चेक करवाने के लिए बोला तो वह आनाकानी करने लगे।जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो पता चला कि उनके पास चोरी किया एक्टिवा स्कूटर है।

पुलिस ने तुरंत मामले में कारवाई करते हुए शिवम और अमित को मामले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि पकड़े गए दोनो आरोपियो ने यह एक्टिवा सैक्टर 9 स्थित यूटी पुलिस मुख्यालय की पिछली साइड पार्किंग एरिया से चोरी किया था। जबकि बरामद किया गया एक्टिवा स्कूटर यूटी पुलिस की महिला कांस्टेबल का था। इस संदर्भ में थाना 3 में मामला दर्ज है।

इसके अलावा ऑपरेशन सैल पुलिस की टीम ने सैक्टर 26 स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटी टीटीआर) के पास से नाका/गश्त ड्यूटी के दौरान एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान अमन के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चण्डीगढ़ नंबर का एक अन्य एक्टिवा स्कूटर बरामद किया। इस संदर्भ में 16 जुलाई को थाना सारंगपुर में मामला दर्ज है।

सम्पादकीय

चंडीगढ़ को इंदौर से सीखना होगा नंबर वन कैसे बने

सिटी ब्यूटीफुल यानी चंडीगढ़ को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सुपर स्वच्छ लीग की 3-10 लाख आबादी की कैटेगरी में दूसरा स्थान प्राप्त होना एक बड़ी उपलब्धि है। दो साल पहले यानी साल 2023 में हुए सर्वेक्षण में चंडीगढ़ का स्थान 11वां था। इस लिहाज से बीते कुछ ही समय के दौरान चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों ने उल्लेखनीय काम कर दिखाया है। इस बार शहर को अगर यह कामयाबी हासिल हो सकी तो इसकी वजह लीगेसी वेस्ट बायोमाइनिंग रही, जिसमें उसे पूरे अंक मिले हैं। जिस कैटेगरी में चंडीगढ़ को यह स्थान मिला है, उसी में नोएडा ने पहला और मैसूर ने तीसरा स्थान हासिल किया। जाहिर है, चंडीगढ़ ने उस मुकाम को प्राप्त किया है, जिसका वह हकदार है। हालांकि क्या हम प्रथम स्थान पर नहीं आ सकते? जिसके नाम का पर्याय ही सिटी ब्यूटीफुल हो, अगर वह शहर सफाई के मामले में पिछड़ेगा तो फिर यह उसके लिए चिंताजनक होना चाहिए। बेशक, शहर ने यह कामयाबी हासिल की है, लेकिन यह सवाल भी अहम है कि क्या आज चंडीगढ़ की आबादी महज 10 लाख है, जबकि बीते वर्षों की तुलना में शहर कहीं बहुत ज्यादा प्रसार ले चुका है और उसकी आबादी भी बहुत बढ़ चुकी है।

वैसे, इस रैंकिंग का आना अपनी जगह सही है, लेकिन इससे संतुष्ट होकर नहीं बैठा जा सकता। स्वच्छता का मतलब सफाई से है और आजकल के शहर जिस प्रकार से कचरे का घर बनते जा रहे हैं, वह निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। प्लास्टिक का कचरा आज के समय की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। नागरिकों को संजीदा होना जरूरी है, क्योंकि ज्यादातर लोग कूड़े को अलग-अलग करके नहीं देते। हालांकि प्रशासन को इस पर भी विचार करना चाहिए कि महज कूड़े के सेग्रीगेशन से हम सर्वे में सर्वोच्चता प्राप्त नहीं कर सकते। आंकड़ों में इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन हकीकत में हालात काफी चिंताजनक दिखते हैं। शहर में तमाम रोड बदहाल हैं, उनमें गड्ढे हैं।

निश्चित रूप से इस पर चिंतन होना चाहिए कि साल 2011 की जनगणना के मुताबिक शहर की आबादी 10 लाख गिनी गई है। जब यह पूरे देश के शहरों में सफाई का सर्वे है तो फिर चंडीगढ़ को इस कैटेगरी में डालकर प्रतियोगिता को कमजोर क्यों किया गया। चंडीगढ़ अपने आप में एक पूर्ण शहर है, शैक्षिक, चिकित्सा, संस्कृति, खेल, वाणिज्य आदि के रूप में यह देश को उल्लेखनीय उपलब्धियां प्रदान कर रहा है, इसे भी क्यों नहीं 10 लाख से ज्यादा की आबादी में रखा गया, जहां पर इंदौर और सूरत जैसे शहर थे। बेशक, इन शहरों ने बीते समय में विभिन्न मोर्चों पर श्रेष्ठता की सीमाओं को छुआ है, लेकिन अगर बड़े शहरों की श्रेणी में चंडीगढ़, जिसने बीते समय के दौरान अपने यहां सफाई को लेकर 360 डिग्री का बदलाव किया है, जरूर बाकी शहरों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति हो सकती थी। गौरतलब यह भी है कि घरों से कचरा अलग करके देने में चंडीगढ़ अन्य शहरों से पीछे है और इसके नंबर वन न रहने की वजह इसे भी बताया जा रहा है। इस बार के सर्वे में कुछ नई कैटेगरी भी जोड़ी गई हैं, जिसमें सुपर स्वच्छता लीग, स्पेशल कैटेगरी शामिल हैं। सुपर स्वच्छता लीग कैटेगरी में सोर्स सेग्रीगेशन यानी घरों से गीला-सूखा कचरा अलग करके देने में इस बार चंडीगढ़ को यह स्थान हो सका है। बेशक, नगर निगम ने बीते सालों की तुलना में इस दिशा में प्रभावी काम किया है, लेकिन अभी इस तरह और ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है। घरों से निकले गीले-सूखे कचरे को अलग करने की जरूरत ज्यादातर लोगों को समझ नहीं आती। उनके लिए घरों से निकला हर कूड़ा, कूड़ा है। हालांकि बाद में कचरे की प्रोसेसिंग के समय यही मिलाजुला कचरा समस्या बन जाता है।

वैसे, इस रैंकिंग का आना अपनी जगह सही है, लेकिन इससे संतुष्ट होकर नहीं बैठा जा सकता। स्वच्छता का मतलब सफाई से है और आजकल के शहर जिस प्रकार से कचरे का घर बनते जा रहे हैं, वह निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। प्लास्टिक का कचरा आज के समय की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। नागरिकों को संजीदा होना जरूरी है, क्योंकि ज्यादातर लोग कूड़े को अलग-अलग करके नहीं देते। हालांकि प्रशासन को इस पर भी विचार करना चाहिए कि महज कूड़े के सेग्रीगेशन से हम सर्वे में सर्वोच्चता प्राप्त नहीं कर सकते। आंकड़ों में इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन हकीकत में हालात काफी चिंताजनक दिखते हैं। शहर में तमाम रोड बदहाल हैं, उनमें गड्ढे हैं। पार्कों में कूड़े के ढेर दिखते हैं, दिनों नहीं अपितु महीनों तक उनकी सफाई नहीं होती। बरसात में रोड गलीज बंद हो जाती हैं, पानी की निकासी नहीं हो पाती। शहर में पानी की सप्लाई दूषित हो गई है। क्या इन सभी समस्याओं का निपटारा भी जरूरी नहीं है। इनके निराकरण के बाकी रहते हम कैसे यह दावा कर सकते हैं कि हमने अपने शहर को साफ बना लिया है। चंडीगढ़ तो वह शहर है, जिसने बाकी शहरों को साफ रहना सिखाया था। डंपिंग ग्राउंड में साल 2019 से लीगेसी बायोमाइनिंग का काम चल रहा है, पिछली बार यहां 67 फीसदी बायोमाइनिंग हुई थी और इस बार यह शत प्रतिशत हो गई। क्या हमें इसे समय सीमा तय करके पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देना चाहिए। वास्तव में नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी, इंदौर में प्रत्येक नागरिक इसे समझता है और इसी वजह से वह शहर हर बार सर्वोत्तम रहता है। चंडीगढ़ को इंदौर से सीखना चाहिए नंबर वन कैसे बना जाता है।

कर भोजन को भजन समाना

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

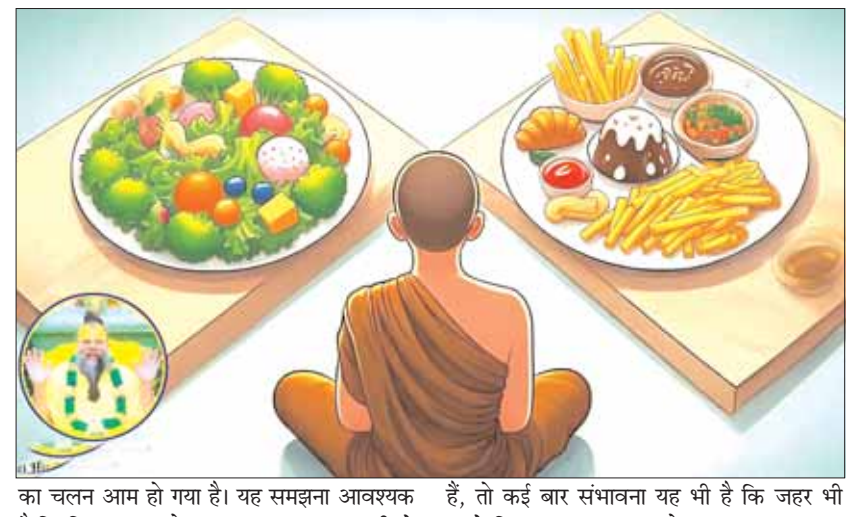

भोजन के महत्व को बताने वाली एक पुरानी कहावत है- 'भूखे भजन न होय गोपाला' यानी कि भूखे पेट भगवान के भजन में भी ध्यान नहीं लग पाता। पेट जब खाना मांग रहा होता है तो ध्यान भगवान के बजाय भूख पर केंद्रित हो जाता है। भूख जितनी बढ़ती है हमारा मन उतना ही अशांत हो जाता है। मन को शांत रखने के लिए भूख मिटानी जरूरी है। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने अपने एक शोध में भूख लगने पर लोगों के व्यवहार में बदलाव या मन अशांत होने की पुष्टि की है। हालांकि प्रयोग में यह भी सिद्ध हुआ कि भूखे की वजह से होने वाली नाराजगी उनके सामान्य गुस्से जितना खतरनाक या नुकसानदेह नहीं होता।

यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ कैरोलिना के वैज्ञानिकों ने 230 भूखे छात्रों पर यह अध्ययन किया। इस अध्ययन में भूखे लोगों के धैर्य की परीक्षा ली गई, जैसे कि भूख लगने पर खाने के ठीक पहले कोई काम निपटाने में लगे छात्रों का कंप्यूटर चुपचाप क्रैश कर दिया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि अधिकांश छात्रों ने कंप्यूटर क्रैश हो जाने पर अधिक तनाव और नाराजगी दिखाई।

मुख्य शोधकर्ता मैक्कोर्मैक के अनुसार अध्ययन का विषय था कि भूख लगने पर हमारे सोचने समझने के तरीके में बदलाव आ जाता है, लेकिन क्या यह हमें गुस्सा होने तक नाराज कर सकता है या ज्यादा खुदगर्ज बना सकता है? इस प्रयोग में यह स्पष्ट हो गया कि भूखे व्यक्ति के व्यवहार में कई बार नकारात्मकता आ जाती है लेकिन इस नकारात्मकता से उपजा गुस्सा उतना नुकसान देह नहीं होता जितना हमारा किसी और बात पर गुस्सा होने पर होता है।

हमारे देश में बहुत से लोगों के लिए धर्म और अध्यात्म हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। उपवास हमारी संस्कृति में शामिल है। संसार के लगभग सभी धर्मों में उपवास को जीवनशैली के अनिवार्य अंग की तरह शामिल किया गया है। इस्लाम में ईद से पूर्व रमजान में रोज़ा भी उपवास ही है। ईसाइयों में भी क्रिसमस से पहले उपवास का प्रावधान है। जैन धर्म में तो उपवास प्रमुख सिद्धांतों में एक है। उपवास का चरमोत्कर्ष जैन धर्म के संथारा में नज़र आता है जिसके तहत निराहार रहते हुए शरीर को क्षीण कर मोक्ष प्राप्ति की व्यवस्था बनाई गई है। बौद्धधर्म में भी उपवास को आत्म शुद्धि की राह में पहली सीढ़ी माना गया है। हिन्दू धर्म में तो आए दिन जितने व्रत-उपवास रहते हैं उतने शायद ही दुनिया के किसी अन्य समाज में होंगे।

समस्या यह है कि भारतवर्ष में भोजन और उपवास को लेकर बहुत सी गलतफहमियां देखने में आती हैं। ब्रिटिश लेखक, दार्शनिक और मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कैनेथमैकफर्लेनवॉकरने अपनी आत्मकथा में लिखा हैकि मैं अपने जीवन भर के अनुभव से यह कहता हूं कि लोग जो भोजन करते हैं, उनमें से आधे भोजन से उनका पेट भरता है और आधे भोजनों से हम डॉक्टरों का पेट भरता है। अगर वे आधा भोजन करें, तो वे बीमार ही नहीं पड़ेंगे और हम डॉक्टरों की कोई जरूरत नहीं रह जाएगी। जब हम बातें करते हुए, कोई अखबार या पत्रिका पढ़ते हुए, टीवी देखते हुए भोजन करते हैं तो हमारा ध्यान भोजन पर नहीं होता और हम अक्सर भोजन को पूरी तरह से चबा करखाना भूल जाते हैं और आधा चबाया भोजन निगल लेते हैं। तब हमें भोजन से संतुष्टि के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है जो अंततः विभिन्न रोगों का कारण बनता है। भोजन चबाकर खाने से हमारे मुख की स्वास्थ्य वर्धक लार भोजन में मिल जाती है जो भोजन को स्वादिष्ट भी बनाती है और हमे पुष्ट भी करती है। यह भोजन अधिक स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दवा के समान गुणकारी हो जाता है।

हाल के वर्षों में हम सबके लाइफ स्टाइल में आये परिवर्तन के कारण घर में खाना न बनाकर पिज़्ज़ा, बर्गर, नूडल्स आदि खाने का रिवाज़ तो बढ़ा ही है, घर में भी पैकेज्ड भोजन लाकर खाने का चलन आम हो गया है। यह समझना आवश्यक है कि जिस आलू को आप खराब मान कर खरीदने से इन्कार कर देते हैं वही आलू समोसा, टिक्की, चाट आदि के माध्यम से आपके खानपान में शामिल हो जाता है। पैक किये गये उत्पादों में बहुत से ऐसे पदार्थ शामिल किये जाते हैं जो कदापि खाने योग्य नहीं हैं और उनका विवरण सीधे-सीधे न देकर कोड में दिया जाता है और हमें पता ही नहीं चलता कि भोजन के नाम पर हम ज़हर खा रहे हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर आदि में भी अक्सर ऐसे पदार्थ मिला दिये जाते हैं जिनका पोषण से कोई लेना-देना नहीं है पर वे हमें इनका आदी बना देते हैं। सेहत के लिए ये सब पदार्थ अत्यंत हानिकारक हैं।

यह तो ध्यान में रखना जरूरी है ही कि हम क्या खाते हैं, कितना खाते हैं और उसके परिणाम हमारे शरीर पर क्या हैं? इसके अलावा भोजन के संबंध में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि जो हम खाते हैं, उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि हम उसे किस भाव दशा में खाते हैं। हमारे शरीर पर इसका बहुत असर होता हैकि हम आनंदित मन से खाते हैं, या दुखी, उदास और चिंता से भरे हुए खाते हैं। अगर हम चिंतित हैं, उदास हैं, अवसादग्रस्त हैं या डरे हुए हैं तो हम जो खा रहे हैं वह श्रेष्ठतम भोजन हो तो भी उसके परिणाम जहरीले ही होंगे, और अगर हम आनंद से खा रहे हैं, तो कई बार संभावना यह भी है कि जहर भी हमारे लिए उतना घातक न हो पाए।

अब ज़रा उपवास को भी समझने की कोशिश करते हैं। हमारी संस्कृति में रचे- बसे उपवास बदलते मौसम की मार को कम करने के लिए बनाए गए थे, साथ ही यह प्रावधान भी किया गया था कि किस उपवास में क्या खाया जाए जो उस मौसम के अनुकूल हो और हमारे शरीर की प्रतिरक्षण प्रणाली को मजबूत बना सके। इस तथ्य को समझे बिना नकल के रूप में या अज्ञानवश किया गया उपवास लाभकारी होगा ही, इसमें संदेह है। उपवास भूखे रहने का नाम नहीं है, उपवास में कम भोजन करना, हल्का भोजन करना, सुपाच्य भोजन करना लाभदायक है। भोजन करते समय यदि हमारा पूरा ध्यान भोजन पर केंद्रित हो तो भोजन ही भजन बन जाता है। ''सहज सन्यास मिशन'' में हमें यह सिखाया जाता है कि हमारा शरीर सबसे बड़ा मंदिर है। इसकी रक्षा के प्रति सजग रहते हुए पौष्टिक करना हमें स्वस्थ रखकर इस काबिल बनाता है कि हम अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से निभा सकें, अपने परिवार के सदस्यों पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति पर बोझ न बनें। ऐसा होगा तभी समाज का भी भला कर सकेंगे और शांत मन से परमात्मा का भजन कर सकेंगे। आखिरकार यही तो हमारा लक्ष्य है।

अर्थ प्रकाश में **34 साल पहले** आज का दिन

प्रधानमंत्री ने अयोध्या मसले पर परिषद से सहयोग मांगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिंह राव ने अयोध्या मसले पर उचित कार्यवाई करने के बारे में राष्ट्रीय एकता परिषद से सहयोग का आह्वान किया है। ताकि परिषद के मश्वरे की सहायता से इस संबंध में सही पग उठाए जा सके। आज यहां पुर्नगठित राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक में रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर चिंता प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस विवाद को लेकर लोगों में काफी उत्तेजना पायी जा रही है। उन्होंने कहा कि वह समझते है, इस मसले पर परिषद की पूर्व बैठक में हुइ आम सहमति का पूरा पालन नहीं हुआ है। बैठक में प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता व उ.प्र. हरियाणा तथा प. बंगाल सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भाग ले रहे है। गृहमंत्री श्री एसवी चव्हाण ने अपने भाषण में यह स्पष्ट किया कि केंद्र अयोध्या मसले का समाधान निकालते समय बुनियादी मूल्यों की कीमत पर कभी कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल रामजन्म भूमि बाबरी मस्जिद ढांचे की सुरक्षा का ही सवाल नहीं है बल्कि यह धर्म निरपेक्ष मुल्यों, न्याय प्रणाली की मर्यादा और विधिसवत शासन के सम्मान के प्रति वचन बद्धता का सवाल है। गृहमंत्री ने इस बात पर खेद प्रकट किया कि गुरुवार तक निर्माण कार्य जारी रखने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि केंद्र ने राज्य सरकार से बार-बर कहा है कि वह निर्माण कार्य को उस समय तक के लिए स्थगित कर दे, जब तक इस मसले का विचार-विमर्श अथवा अदालत के फैसले के जरिये हल नहीं निकाल लिया जाता।

उद्यमियों द्वारा बिजली विभाग के नए कानून की निंदा

चंडीगढ़। बिजली विभाग के नए आदेशों के प्रति यहां के औद्योगिक क्षेत्रों में काफी रोष व्याप्त है। इसी सिलसिले में उद्यमियों के तीन संगठनों की एक संयुक्त बैठक बाज यहां यशपाल महाजन की अध्यक्षता में संपन्न हुई, बैठक में बिजली विभाग के नये आदेश को काला कानून बताते हुए उद्योगों के लिए इसे अहितकर बताया गया। बैठक में वर्ष 1988 से बंद पड़े पावर कनेक्शन को पुनः चालु करने की मांग के अलावा नये आदेश को वापिस लेने के लिए प्रशासन पर जोर डाले जाने की बात भी कही गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि औद्योगिक इकाइयों का एक प्रतिनिधि मंडल शीघ्र ही प्रशासक के सलाहकार व उद्योग विभाग के सचिव से इस संबंध में मुलाकात करेगा। बैठक में फेडरेशन आफ स्माल स्केल इंडस्ट्रीज चंडीगढ़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन व फर्नीचर एसोसिएशन तथा इसके पदाधिकारियों पीएस सचदेवा व सोहन लाल सहित अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1545 अंग्रेजी युद्धपोत मैरी रोज सॉलेंट की लड़ाई के दौरान पोर्ट्समाउथ के बाहर डूब गया; यह 1971 तक फिर से खोजा नहीं गया था।

1553 लेडी जेन ग्रे को इंग्लैंड की रानी के रूप में मैरी- द्वारा बदल दिया गया था और उस खिताब को सिर्फ नौ दिनों के लिए रोक दिया गया था।

1702 किंग चार्ल्स के नेतृत्व में स्वीडन की सेना ने चेक गणराज्य के क्रेक्रोव शहर पर कब्जा किया।

1702 राजा चार्ल्स बारहवीं ने स्वीडिश सैनिकों पर कब्जा किया।

1843 एसएस ग्रेट ब्रिटेन , ब्रिस्टल, ब्रिटेन से शुरू किया गया एक लोहे का पतवार और एक पेंच प्रोपेलर दोनों महासागर का पहला जहाज थाट।

1843 एसएस ग्रेट ब्रिटेन, पहला महासागर-जाने वाला जहाज, जिसमें ब्रिस्टल, यूके से लॉन्च किया गया, दोनों ही आरोन पतवार और एक स्क्रू प्रोपेलर थे।

1848 दो दिवसीय महिला अधिकार सम्मेलन, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित पहला महिला अधिकारवादी नारीवादी सम्मेलन, न्यूयॉर्क के सेनेकाफॉल्स में खोला गया।

1860 पहला रेलवे कैनसस तक पहुंचाया गया।

1870 फ्रांस ने प्रशिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1870 फ्रंको-प्रशिया युद्ध- फ्रांस ने प्रशिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1900 फ्रांस की राजधानी पेरिस में पहली मेट्रो रेल चली थी। दुनिया की पहली मेट्रो सेवा लंदन में शुरू हो चुकी थी।

1903 फ्रांसीसी साइकिल चालक मौरिस गारिन ने पहला टूर डी फ्रांस जीता।

1926 फ्रांस में एडवर्ड हेरियोट के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनी।

1941 टस्केगी आर्मी एयर फील्ड औपचारिक रूप से खोला गया।

1961 पहली बार विमान में फिल्म दिखायी गयी।

1963 जॉय वॉकर विमान के जरिये अन्तरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति बने।

1967 अमेरिका ने चंद्र कक्षा मे प्रवेश करने के लिये 'एक्सप्लोरर-35' लांच किया।

1979 निकारगुआ देश की जनता की क्रान्ति सफल हुई।

1980 तुर्की के पूर्व प्रधान मंत्री निहट एरीम को तुर्की के इस्तांबुल में 2 बंदूकधारियों ने जान से मार दिया।

1997 अन्तिम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने उत्तरी आयरलैंड में ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपने 25 साल के अभियान को समाप्त करने के लिए स्थायी रूप से अपने युद्धविराम को फिर से शुरू किया।

2003 रूस के अंतरिक्ष यात्री यूरी माले थान्को अंतरिक्ष में शादी रचाने वाले पहले व्यक्ति बने।

2005 जॉन जी। रॉबर्ट्स, जूनियर को यूनाइटेड स्टेट्स सुप्रीम कोर्ट में नामांकित किया गया है।

2008 अमेरिका ने प्रशान्त महासागर में लक्ष्य निर्धारित कर लम्बी दूरी तक मार कर सकने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया।

2011 पोताला पैलेस के बाहर एक भाषण में, चीनी उप राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वह एक स्वतंत्र तिब्बत के लिए प्रयासों को कुचल देंगे।

बोल ब्यूटीफुल

पल्लवी घोषः जो भाषा बांटती है,

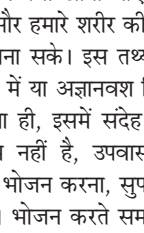

वह जोड़ भी सकती है। दो भाई-उद्धव और राज ठाकरे आज हिन्दी-मराठी के नाम पर एक हो गए।

अखिलेश शर्माः हिंदी से रोजगार भी मिल रहा है, चर्चा और वोट भी। हिन्दी धोपना-एम मनगढ़त राजनीतिक मुहावरा है, जो चुनाव के समय अब कई गैर हिन्दी भाषी राज्यों के राजनीतिक दल प्रयोग कर रहे है। देश की अपनी भाषा से ये चिढ़ते है, मगर विदेशी भाषा को गले लगाने से इन्हें आपत्ति नहीं।

मीनाक्षी जोशीः अगर सिंधू में पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता, तो मैदान में हाकी-क्रिकेट भी नहीं हो सकता। किसी अंतराष्ट्रीय स्पर्धा के नियम से मुझे कोई लेना-देना नहीं, मुझे पहलगाम से उठी अर्थियां दिखती है।

नवनीत मिश्रः पहले वोटर लिस्ट पर शोर मचाएंगे कि इतने वोट बढ़ गए, उतने बढ़ गए। जब चुनाव आयोग घर-घर जांच पड़ताल कराएगा तो फिर और जोर से चिल्लाएंगे कि ये क्यों हो रहा है? ये तो वोट काटने की साजिश है। यानी चित भी मेरी, पट भी मेरी।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

दैनिक अर्थ प्रकाश

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र (IRCAs) और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर (ODICs) की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में MY Bharat ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19

से 20 जुलाई तक 'युवा आध्यात्मिक समिट' का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत'। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे। इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा MY Bharat के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक 'काशी डिक्लेरेशन' जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला 'युवा आध्यात्मिक समिट' इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

-डॉ. मनसुख मांडविया

(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

मुख्यमंत्री ने जाखू मंदिर में हनुमान ध्वजा स्थापना समारोह में भाग लिया

मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

छोटा शिमला में पीडब्ल्यूडी के विश्राम गृह का लोकार्पण किया

अर्थ प्रकाश/अरविंद शर्मा

शिमला, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को शिमला के ऐतिहासिक जाखू मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में 108 फीट ऊंची हनुमान ध्वाजा स्थापना समारोह में भी भाग लिया।

इसके उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जाखू मंदिर के प्रति प्रदेशवासियों की विशेष आस्था है। यहां भगवान हनुमान की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है और प्रदेश सरकार इस मंदिर को आध्यात्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रयासरत है। मंदिर परिसर में भगवान श्री राम की प्रतिमा लगाने का भी कार्य प्रस्तावित है और वन संरक्षण अधिनियम से जुड़ी कुछ प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार किया जाएगा तथा इस कार्य में पर्यावरण संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान और प्रभावितों को राहत देने एवं पुनर्वास के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। नेता प्रतिपक्ष भी लगातार उनके संपर्क में हैं क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्र में सर्वाधिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा धर्मपुर, करसोग और नाचन क्षेत्रों में भी बारिश से काफी नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में अपने दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों को प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान से अवगत करवाया और सहायता का आग्रह किया है। उन्होंने उम्मीद जताइ कि जब केन्द्रीय गृह मंत्री हिमाचल प्रदेश के दौरे पर आएंगे तो प्रदेश को केंद्र सरकार से कुछ राहत अवश्य मिलेगी।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रभावित लोगों का पुनर्वास प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें गैर-वन भूमि पर बसाया जाएगा जबकि वन भूमि के आवंटन के लिए केंद्र सरकार की स्वीकृति आवश्यक होगी। सबसे पहले आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़के बहाल करना सरकार की प्राथमिकता है ताकि बागवानों को सेब, सब्जियां और अन्य फसलों को बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिल सके। इसके अलावा जिन लोगों के घर, पशुशालाएं, मवेशी या अन्य संपत्ति नष्ट हुई है, उन्हें भी सरकार पर्याप्त मुआवजा देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों के लिए विश्राम गृहों में राहत शिविर बनाए गए हैं। जो लोग किराए के मकानों में रहना चाहते हैं उन्हें राज्य सरकार पांच हजार प्रतिमाह किराया सहायता राशि के रूप में प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने बाद में छोटा शिमला में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह का लोकार्पण किया। इस भवन में 4.15 करोड़ रुपये के व्यय से नौ विशेष कक्षों का निर्माण किया गया है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस भवन का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्राम गृहों को आम जनता के लिए ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से उपलब्ध करवाया जा रहा है। सभी विश्राम गृहों को जल्द ही ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था से जोड़ जाएगा। प्रदेश सरकार ने हिमाचल भवन और हिमाचल सदन में आम लोगों और अति विशिष्ट के लिए एक सामान किराया दर तय की है।

कुछ क्षेत्रों में बारिश से नुकसान हुआ, प्रदेश का अधिकांश हिस्सा सुरक्षित

उन्होंने प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का भी स्वागत किया और कहा कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिमाचल के पर्यटन को लेकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही कुछ क्षेत्रों में बारिश से नुकसान हुआ है लेकिन प्रदेश का अधिकांश हिस्सा सुरक्षित है और पर्यटकों के लिए खुला है। प्रदेश में लगभग 70 लाख लोग रहते हैं और पर्यटक बेझिझक हिमाचल प्रदेश आ सकते हैं और यहां की प्राकृतिक भव्यता सुन्दरता का आनन्द ले सकते हैं।

ये रहे मौके पर मौजूद

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विधायक कमलेश ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया), हि.प्र. राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम, हिमाचल प्रदेश राज्य उद्योग विकास कॉरपोरेशन के उपाध्यक्ष विशाल चम्बियाल, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, उपायुक्त अनुपम कश्यप और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रत्येक व्यक्ति को विकास की धारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता: विनोद सुल्तानपुरी

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को विकास की धारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। विनोद सुल्तानपुरी गत दिवस विकास खण्ड सोलन की ग्राम पंचायत भारती में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। विधायक ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत भारती के रहोग गांव में गवाली से मोक्षधाम तक सम्पर्क मार्ग तथा भारती बस अड्डे से गम्बर तक एम्बुलेंस मार्ग की आधारशिला रखी। उन्होंने महिला मण्डलों का निरीक्षण भी किया और उन्हें कार्यों के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

उन्होंने तदोपरांत राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला भारती का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि लोगों के कल्याणार्थ प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना, इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना, मुख्यमंत्री कृषि संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्ट अप योजना, राजीव गांधी स्वरोज़गार स्टार्ट-अप योजनाओं से लोगों को लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि कसौली विधानसभा क्षेत्र का विकास करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवश्यकता व मांग अनुसार विकास के कार्य किए जा रहे है ताकि क्षेत्र के सभी लोगों तक सुविधाएं पहुंचाई जा सके।

विनोद सुल्तानपुरी ने इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधा भी रोपित किया। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण में आगे आने और अधिक से अधिक पौधे रोपित करने का आग्रह किया।

विधायक ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और सम्बन्धित अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर यूको आरसेटी द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन भी किया गया। इसमें स्वयं सहायता समूह, महिला मण्डलों व स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

कृषि उपज मण्डी समिति सोलन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर, ग्राम पंचायत भारती की प्रधान मीना राम ठाकुर, ग्राम पंचायत हरिपुर के उप प्रधान अफ़जल बेग, बीडीसी सदस्य देवेन्द्र शर्मा, नियाज मुहम्मद, पवन ठाकुर, रन सिंह ठाकुर, बलदेव ठाकुर, खण्ड विकास अधिकारी सोलन रमेश कुमार शर्मा, यूको आरसेटी की निदेशक मीनू बारिया, अग्रणी ज़िला प्रबंधक यूको बैंक तमन्ना मोदगिल, तहसील कल्याण अधिकारी सुरेन्द्र ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

सराज क्षेत्र में कई रूटों पर परिवहन निगम की मिनी बस सेवाएं बहाल: उप-मुख्यमंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 18 जुलाई। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि हिमाचल पथ परिवहन निगम ने शुक्रवार से आपदा प्रभावित सराज विधानसभा क्षेत्र के कई मार्गों पर मिनी बस (टेम्पो ट्रैवलर) सेवाएं बहाल कर दी हैं। उन्होंने कि सराज के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जन-जीवन सामान्य होने लगा है।

उन्होंने कहा कि मिनी बस सेवाओं की शुरुआत होने से क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिलेगी, क्योंकि वे लंबे समय से यातायात सुविधा के अभाव से जूझ रहे थे। अब निगम की ओर से बगस्याड़, जंजैहली, छतरी, सराची, थुनाग और चियूणी चेत सहित विभिन्न दुर्गम मार्गों पर टेम्पो ट्रैवलर सेवाएं संचालित की जा रही हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि इन टेम्पो ट्रैवलर सेवाओं को बगस्याड़ में निगम की अन्य बस सेवाओं से जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों को जिला मुख्यालय मंडी सहित अन्य गंतव्यों तक आसानी से पहुंचने की सुविधा मिलेगी। निगम ने यह सुनिश्चित किया है कि परिवहन व्यवस्था सुचारू और समयबद्ध हो ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि सराज क्षेत्र के लोगों को आपदा के बाद यातायात अवरुद्ध होने के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हमारी सरकार प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमीरपुर शहर के अधिकांश क्षेत्रों में 20 को बंद रहेगी बिजली

हमीरपुर 18 जुलाई (अप्रस/शिल्पा शर्मा)। विद्युत उपमंडल-2 हमीरपुर में 20 जुलाई को लाइनों और खंभों को बदलने तथा पेड़ों की काट-छांट के कार्य के चलते उपायुक्त कार्यालय परिसर, पीडब्ल्यूडी ऑफिस एवं कॉलोनी, पूल्ड कॉलोनी, गांधी चौक, अप्पर बाजार, लोअर बाजार, पुलिस स्टेशन, प्रताप गली, नादौन चौक, बस स्टैंड, प्रतापनगर, अणु कलां, अणु पंचायत घर, घनाल और आस-पास के क्षेत्रों में सुबह 9 से सायं 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

सहायक अभियंता सौरभ राय ने इस दौरान सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

हमीरपुर के आदर्श वर्मा ने संभाली मेजर जनरल की कमान, हिमाचल का बढ़ाया मान

अर्थ प्रकाश/ शिल्पा शर्मा

हमीरपुर, 18 जुलाई। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के वार्ड नंबर 5 के रहने वाले आदर्श वर्मा पुत्र अंगत राम वर्मा भारतीय सेना में मेजर जनरल बने हैं। इस उपलब्धि से उन्होंने न सिर्फ अपने जिले बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।

मेजर जनरल आदर्श वर्मा को विशिष्ट सेवा मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने महाराष्ट्र के पुणे में भारतीय सेना की अग्निवाज़ डिवीजन की कमान मेजर जनरल अमर पाल सिंह चहल सेना मेडल से संभाली है। कमान संभालते ही उन्होंने सभी सैन्य अधिकारियों और जवानों से कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने, भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तैयारी रखने और तकनीकी विकास पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सैनिक भावना को हमेशा ऊंचा रखें और मिशन के अनुसार प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें।

मेजर जनरल बनने के बाद आदर्श वर्मा की इस सफलता से हमीरपुर में खुशी की लहर है। उनके परिवार, मित्रों और जान-पहचान के लोगों में गर्व का माहौल है।

यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं को भी संदेश देती है कि कड़ी मेहनत और समर्पण से किसी भी ऊंचे मुकाम तक पहुंचा जा सकता है। आदर्श वर्मा की यह कामयाबी हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व की बात है और युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा भी।

39 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 22 को

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। मैसर्ज़ वर्मा ज्वैलर्स, सोलन में 39 पदों की भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 22 जुलाई, 2025 को ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, एम.बी.ए. मार्केटिंग, एम.बी.ए. एच.आर. व एम.बी.ए. अकाउन्टिंग, बी.एस.सी. फैशन डिजाइनिंग, आई.टी. व आयु 21 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपने रजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

ज़िला रोज़गार अधिकारी ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण-पत्रों व दस्तावेज़ों सहित ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में 22 जुलाई, 2025 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नम्बर 01792-227242 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

विधायक आशीष शर्मा ने किया महिला मंडल भवन उखली का उद्घाटन

विधायक निधि से नवनिर्मित भवन को किया जनता को समर्पित

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर, 18 जुलाई। विधानसभा क्षेत्र सदर से विधायक आशीष शर्मा ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत उखली में विधायक निधि से नवनिर्मित महिला मंडल भवन उखली का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। इस महिला मंडल भवन को बनाने के लिए विधायक आशीष शर्मा ने विधायक निधि से तीन लाख रुपए की राशि जारी की है। जबकि इस भवन को बनवाने के लिए पंचायत के पूर्व उपप्रधान एवं वर्तमान प्रधान के पति स्व. रमन शर्मा ने अपनी मलकीयत भूमि दान दी है। इस मौके पर विधायक आशीष शर्मा ने समस्त महिला मंडल एवं क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अब गांव के सामाजिक कार्यक्रम यहां आयोजित किए जा सकते हैं एवं सामाजिक कार्यक्रम में प्रयोग होने वाले सामान को महिला मंडल के इस भवन में रख सकते हैं। इससे पहले ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। विधायक ने भूमि दानकर्ता स्वर्गीय रमन एवं समस्त परिवार का भी इस महादान के लिए आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विधायक निधि से लगातार काम पूरे विधानसभा क्षेत्र में चले हुए हैं। कुछ कार्य पूरे कर जनता को समर्पित कर दिए हैं जबकि कुछ का कार्य अभी चला हुआ है। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित जनता की समस्याएं सुनी व मौके पर निपटारा किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवीर सिंह, स्थानीय पंचायत प्रधान भोली शर्मा, उपप्रधान सुशील शर्मा, स्वाति जार, अमित शर्मा, बूथ अध्यक्ष विद्यासागर, संजय, विनोद कुमार सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

लघु नाटिका आखिर क्यों के माध्यम से बताई भ्रूण हत्या की बुराइयां

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। पाइनग्रोव स्कूल सुबाथू में आयोजित देवदार हाउस शो, प्रतिभायाः प्रभा - प्रतिभा की चमक, कलात्मक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक चेतना का एक मनोरम उत्सव का आयोजन किया गया। शाम की शुरुआत भारतीय संगीत के छात्रों द्वारा राग वृंदावनी सारंग की मधुर प्रस्तुति से हुई। आखिर क्यों, नामक एक हिंदी लघु नाटिका ने मुख्य मंच संभाला, जिसमें कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर मुद्दे को उठाया गया। इस प्रभावशाली प्रस्तुति ने गहरी भावनाओं को जगाया और दर्शकों को इस ज्वलंत सामाजिक सरोकार और इसके नैतिक निहितार्थों पर चिंतन करने के लिए प्रेरित किया। एक विद्युतीय पाश्चात्य संगीत प्रस्तुति ने दर्शकों को अपनी ऊर्जा और लय से मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके बाद गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक जीवंत और मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसने ज्ञान और बुद्धि के शाश्वत प्रकाश का सम्मान करते हुए शाम को एक आध्यात्मिक आयाम प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन स्कूल गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ हुआ।

राज्यस्तरीय चैंपियनशिप में 408 खिलाड़ियों ने दिखा दम

नौणी यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतियोगिता के समापन अवसर पर डॉ.(कर्नल) शांडिल ने किया विजेताओं को सम्मानित

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। डॉ. यशवंत सिंह परमार यूनिवर्सिटी नौणी में आयोजित राज्यस्तरीय कुराश प्रतियोगिता संपन्न हुई। समापन अवसर पर समाजसेवी सेवक डॉ.कर्नल संजय शांडिल न बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 408 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. शांडिल ने कहा कि हिमाचल में कुराश खेल धीरे-धीरे लोकप्रियता हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा 'कजाकिस्तान से शुरू हुई इस पारंपरिक मार्शल आर्ट को अब हिमाचल के युवा भी अपनाने लगे हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्यभर से कुल 408 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो युवाओं में इस खेल की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और खेलों से अपना नाता जोड़ें।

उन्होंने हिमाचल में आई आपदा को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि इस दुख की घड़ी में हर परिवार के साथ खड़े रहना चाहिए और उनकी हर संभव सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर नौणी मझगांव पंचायत के प्रधान मदन हिमाचली, पूर्व प्रधान बलदेव ठाकुर समेत हिमाचल कुराश एसोसिएशन के पदाधिकारी व अन्य मौजूद रहे।

स्कॉलर्स यूनिफाइड स्कूल अरनियाला में 26 को लगेगा उपभोक्ता जागरूकता शिविर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 18 जुलाई। स्कॉलर्स यूनिफाइड वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, अरनियाला में 26 जुलाई को प्रातः 11 बजे टेलीफोन उपभोक्ताओं के लिए एक विशेष उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम हिमाचल उपभोक्ता संरक्षण परिषद के तत्वावधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए परिषद के अध्यक्ष जोगेन्द्र कंवर ने बताया कि इस अवसर पर साइबर क्राइम और स्मार्टफोन के सुरक्षित उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की जाएंगी। कार्यक्रम में प्रदेश में कार्यरत सभी प्रमुख टेलीफोन कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। उपभोक्ता अपने मोबाइल या टेलीफोन संबंधी शिकायतें इन प्रतिनिधियों के समक्ष रख सकेंगे, जिनका मौके पर समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम में परिषद के उपाध्यक्ष रणजीत सिंह भारतीय दूरसंचार विनायामक प्राधिकरण से साइबर क्राइम से संबंधित ट्राई और भारत सरकार द्वारा टेलिफोन उपभोक्ताओं के बचाव के लिए उठाए गए कार्यक्रमों की जानकारी देंगे। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को रोजमर्रा की खरीददारी में सतर्कता, बाट और माप संबंधी नियम, तथा प्रदेश सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के हित में संचालित योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया जाएगा।

सावधान! ऊना में बेसमेंट खरीदने से पहले जांचें नक्शा, वरना हो सकती है बड़ी परेशानी

सार्वजनिक जगहों की अवैध बिक्री से भी रहें सावधान

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 18 जुलाई। यदि आप ऊना नगर निगम क्षेत्र में किसी भवन की बेसमेंट खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो थोड़ा ठहरिए...और पहले सावधानी से पूरी जांच-पड़ताल कर लीजिए। कहीं ऐसा न हो कि जो संपत्ति आपको बेची जा रही है, वह नगर निगम के अनुमोदित नक्शे में पार्किंग स्थल के रूप में दर्ज हो। ऐसी स्थिति में न केवल आपकी जमा पूंजी जोखिम में पड़ सकती है, बल्कि आपको बिजली, पानी व अन्य मूलभूत सेवाओं के कनेक्शन भी नहीं मिल पाएंगे।

नगर निगम ऊना के आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त महेंद्र पाल गुर्जर ने बताया कि कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां विक्रेता जानबूझकर पार्किंग के लिए स्वीकृत बेसमेंट को फ्लैट या दुकान के रूप में बेचने का प्रयास कर रहे हैं। यह पूरी तरह अवैध है और ऐसे सौदे खरीदार को गंभीर कानूनी और व्यवहारिक परेशानियों में डाल सकते हैं।

श्री गुर्जर ने बताया कि केवल बेसमेंट ही नहीं, बल्कि 'सरेंडर एरिया', 'सेट अपार्ट एरिया' और 'ओपन पार्किंग स्पेस' जैसी सार्वजनिक उपयोग की जमीनों को भी अवैध रूप से बेचे जाने के प्रयास सामने आए हैं। यह नियमों का खुला उल्लंघन है, जो नागरिकों को भविष्य में न केवल आर्थिक हानि बल्कि कानूनी उलझनों में भी डाल सकता है। गौरतलब है कि कई मामलों में भवन का अनुमोदित नक्शा दर्शाता है कि बेसमेंट का उपयोग केवल पार्किंग स्थल के रूप में किया जाना है। ऐसी स्थिति में उस बेसमेंट को आवासीय अथवा व्यावसायिक संपत्ति के रूप में बेचना गैरकानूनी है। कई विक्रेता जानबूझकर ऐसी बेसमेंट को फ्लैट या दुकान के रूप में बेच रहे हैं, जबकि वे सिर्फ पार्किंग के लिए ही स्वीकृत हैं। वहीं 'सरेंडर एरिया', 'सेट अपार्ट एरिया' और 'ओपन पार्किंग स्पेस' जैसी सार्वजनिक उपयोग की जमीनों को भी अवैध रूप से बेचे जाने के प्रयास सामने आए हैं। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि खरीदार के लिए आने वाले समय में भारी सिरदर्द बन सकता है।

पूरी जांच के बाद ही करें खरीदारी

उन्होंने कहा कि नगर निगम इस प्रकार के धोखाधड़ी मामलों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है, लेकिन साथ ही नागरिकों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी भी बेसमेंट अथवा अन्य संपत्ति को खरीदने से पहले उसका वास्तविक उपयोग क्या है, यह नगर निगम से अनिवार्य रूप से जांचें। नगर निगम ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एसडीओ अंकुश राणा की देखरेख में एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किया है, जहां इच्छुक खरीदार भवन एवं भूमि की अनुमोदित स्थिति की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लोग जानकारी के लिए निगम कार्यालय के दूरभाष नंबर 01975-226040 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर है नगर निगम

श्री गुर्जर ने नागरिकों से अपील की है कि संपत्ति खरीद से पहले स्वीकृत नक्शे और नियमों की पूरी जानकारी अवश्य लें। सिर्फ आकर्षक दाम या दावों के झांसे में न आएं। पूरी जांच-पड़ताल करें और किसी भी संदेह की स्थिति में नगर निगम से संपर्क करें। नगर निगम उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

पहाड़ी से पत्थर गिरने से सड़क में चल रहे मां और बेटे की दर्दनाक मौत

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

आनी (कुल्लू)18 जुलाई। जिला कुल्लू के आनी उपमंडल की बखनाओं पंचायत के पुनण खड्ड के समीप पहाड़ी से अचानक पत्थर गिरने से सड़क में चल रहे मां और बेटे की दर्दनाक मौत हो गयी है।

मृतकों की पहचान रवीना (30 वर्ष) पत्नी विपन कुमार और उसके 14 वर्षीय बेटे सुजल नेगी के रूप में हुई है, जो काथला गांव के निवासी थे। रवीना अपने बेटे को सरस्वती विद्या मंदिर चवाई से लेकर घर लौट रही थीं, जब यह हादसा हुआ। रवीना और सुजल स्कूल से लौटते हुए पुन्न खड्ड तक गाड़ी से पहुंचे और वहां से अपने गांव काथला की ओर आधा घंटा पैदल चढ़ाई शुरू करने वाले थे। सड़क से उतरते ही करीब 50 कदम की दूरी पर दोनों पर पहाड़ी से पत्थर गिरे, जिससे दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आईं। रवीना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुजल ने भी कुछ देर में दम तोड़ दिया।

बखनाओं पंचायत के प्रधान अमित कुमार ने बताया कि रवीना उनकी पंचायत के काथला वार्ड की वार्ड सदस्य भी थी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसडीएम आनी लक्ष्मण सिंह कनेट ने पीड़ित परिवार को 50 हजार रुपये की फौरी राहत देने की बात कही है।दोनों शवों को आनी अस्पताल लाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

पंचकूला के बैडमिंटन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मिल रहा है बड़ा प्लेटफार्म : रणबीर गंगवा

पीडब्लयूडी मंत्री ने 19वीं अश्विनी गुप्ता ममोरियल जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का किया विधिवत उद्घाटन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। लोक निमार्ण विभाग एवं जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा के खिलाडियों ने विश्व स्तर पर विभिन्न खेलों में मैडल लाकर प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन किया है। उन्होने स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी को 11 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। श्री गंगवा ने जिला बैडमिंटन एसोसिएशन पंचकूला द्वारा आज 18 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 19वीं अश्विनी गुप्ता ममोरियल जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में विधिवत उद्घाटन किया और खिलाडियों से परिचय किया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित थे। उनके साथ इस अवसर पर शिवालिक बोर्ड के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश देवी नगर, बीजेपी के पूर्व प्रधान दीपक शर्मा, सोसाईटी के पैटर्न विनोद मितल, एमसी हरेंद्र मलिक, बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव जतिंदर महाजन, सीनीयर उप प्रधान महेश गर्ग, स्पोटर्स प्रमोशन सोसायटी पंचकूला के अध्यक्ष डी.पी. सोनी, महासचिव एन. डी शर्मा, ट्रस्टी रूचि गुप्ता व पार्थ गुप्ता, कोच सुनीता शर्मा सहित सोसायटी के पदाधिकारीगण, खिलाड़ी व संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री गंगवा ने कहा कि पंचकूला की स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी करीब 19 वर्षों से खेल और समाज सेवा के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता के प्रेरणा और मार्गदर्शन में चल रही यह सोसायटी पंचकूला के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल खेलने से न केवल हम मानसिक तौर पर बल्कि शारीरिक तौर पर भी स्वस्थ रहते है तथा खेलों से हम न केवल अपने आप को बल्कि राष्ट्र को भी ख्याति प्रदान कराने मे अहमं भूमिका निभा सकते है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों से जुडें और खेलों को कैरियर के रूप में अपनाएं।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के खिलाड़ी विश्वभर में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे है। ओलंपिक और पैरा ओलंपिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा कुल मैडलों में से एक तिहाई मैडल जीते जाते है। आज खिलाडियों को ओलंपिक में गोल्ड मैडल लाने पर 6 करोड़ रुपये, सिल्वर के लिये 4 करोड़ और कास्य पदक के लिये 2.50 करोड़ रुपये की राशि इनाम स्वरूप व योग्यतानुसार सरकारी नौकरी भी उपलब्ध करवाई जाती है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 11 साल से 70 साल के खिलाड़ी भाग लें रहे है। जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में लगभग 230 खिलाड़ियों की एंट्री आई है। इन खिलाड़ियों में सीनीयर सिटीजन भी जोश के साथ बैडमिंटन खेलकर जौहर दिखाएंगे। इस टूर्नामेंट में 170 खिलाडी भाग लेंगे व टूर्नामेंट में लड़के व लड़कियों और वरिष्ठ नागरिकों के सिंगल व डबल मुकाबले खेले जायेंगे।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुये कहा कि आज नशाखोरी की समस्या हमारे समाज के सामने उभरती हुई बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए पुलिस व प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे है, वहीं इस प्रकार की सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी युवाओं को खेलों के साथ जोड़कर उनके उज्जवल भविष्य की राह आसान की जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति को सही दिशा में लगाने का खेल सबसे सशक्त और सकारात्मक माध्यम है। पंचकूला की स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी ने अपनी स्थापना के समय से ही इस मंत्र को अपनाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि तीन दिवसीय बच्चों के इस जिला स्तर के टूर्नामैंट से अच्छे खिला?ी उभरकर आएंगे।

राजीव कॉलोनी में डीसीपी ने किया दौरा, सुरक्षा व्यवस्था जांची

बोलीं वर्दी लोगों को डराने के लिए नहीं बल्कि उनकी सेवा और सुरक्षा के लिए

लोगों ने असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को बार में बताया, डीसीपी ने इलाके में अधिक गश्त व पुलिस मौजूदगी बढ़ाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। राजीव कालोनी में पार्षद और उनके पति पर हाल ही में हुए हमले के बाद इलाके में शांति और सुरक्षा के मद्देनजर शुक्रवार को डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने कालोनी का दौरा किया। क्षेत्र की कानून व्यवस्था और आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और पुलिस प्रशासन के कार्यप्रणाली को लेकर फीडबैक प्राप्त किया। गौरतलब है कि तत्कालीन डीसीपी हिमाद्रि कौशिक ने लोगों के साथ बैठक करने के बाद कानून व्यवस्था को पुख्ता करने के कदम उठाए गए थे। उधर, पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज ने डीसीपी सृष्टि गुप्ता की अधिकारियों की इस अपील को सराहा और बाकि अधिकारियों को लोगों को सीधा जुड़ने की बात कही ताकि लोगो में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक प्रबल होगा।

अपने दौरे के बाद डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने अधिकारियों से संवाद करते हुए दौरे के अनुभव साझा करते हुए कहा कि पुलिस की वर्दी लोगों को डराने के लिए नहीं बल्कि उनकी सुरक्षा और सेवा के लिए होती है। अगर आमजन को पुलिस देखकर डर लगता है, तो इसका मतलब है कि हमें अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्होंने माना कि अगर पुलिस और जनता के बीच एक अविश्वास की खाई पैदा होती है तो उसे सिर्फ सीधे संवाद और सहज व्यवहार से ही भरा जा सकता है।

लोग पहले सहमे फिर संवाद में घुल मिल गए: डीसीपी ने कॉलोनी के दौरे के दौरान देखा था कि कुछ लोग पुलिस की वर्दी देखकर सहम गए थे, लेकिन जैसे ही संवाद शुरू हुआ, लोग सहजता से बातचीत करने लगे। इससे यह स्पष्ट होता है कि जनता और पुलिस के बीच दूरी को संवाद से ही मिटाया जा सकता है। डीसीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे केवल फाइलों, कॉल या व्हाट्सएप तक सीमित न रहें, बल्कि अपने क्षेत्राधिकार में निकलकर लोगों से सीधे मिलें। उन्होंने कहा कि झुग्गियों, पिछड़ी कॉलोनियों और दूरदराज़ के गांवों तक पहुंचना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। वहां जाकर लोगों का नाम जानें, उनका चेहरा पहचानें और एक भरोसेमंद रिश्ता कायम करें। पुलिसकर्मी जब लोगों से घुलमिलकर बात करते हैं, तो वे ज्यादा खुलकर अपनी समस्याएं साझा करते हैं।

असामाजिक गतिविधियों पर चिंता जताई

स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में मौजूद कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी चिंता जताई। डीसीपी ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और लोगों को सुरक्षित माहौल प्रदान किया जाए। अब वहां गश्त व पुलिस की मौजूदगी पहले से ज्यादा होगी। डीसीपी ने अधिकारियों से अपील की कि वे जनता से जुड़ाव को प्राथमिकता दें और पुलिस के प्रति लोगों का नजरिया बदलने का प्रयास करें। उन्होंने कहा, ‘‘हमें ऐसा माहौल बनाना है जिसमें लोग पुलिस को देखकर डरें नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षा का एहसास हो। जब पुलिस आमजन के करीब होगी, तभी विश्वास और सहयोग की नींव मजबूत होगी।’’

प्रसिद्ध पहलवान रवि शर्मा और विनोद गोलू शर्मा 150 साथियों सहित भाजपा में शामिल

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। आज, न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर (खरड़ विधानसभा) गाँव में पहलवान रवि शर्मा तथा बिनोद गोलू शर्मा के नेतृत्व में लगभग 150 से अधिक विभिन्न दलों से आये युवाओं तथा गांव वासियों ने , प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कई लोगों ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया। यह सदस्यता ग्रहण समारोह पंजाब भाजपा के विधि प्रकोष्ठ संयोजक श्री एन. के. वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुभाष शर्मा और जिला मोहाली के अध्यक्ष श्री संजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में हुआ, उनके साथ भूपिंदर भूपी सचिव जिला मोहाली, प्रमोद कुमार पार्षद नयागांव व अध्यक्ष एस सी सेल जिला मोहाली, पुनीत सिंगला मंडल अध्यक्ष न्यू चंडीगढ़ भी पहुंचे थे । इस एकत्रता को न्यू- चंडीगढ़ के प्रसिद्ध पहलवान विनोद कुमार और पहलवान व खेल प्रमोटर रवि शर्मा द्वारा किया गया था । जिसमें लगभग 200 युवा व गांव वासी मोजूद थे । पंजाब भाजपा के विधि प्रकोष्ठ संयोजक श्री एन. के. वर्मा तथा वरिष्ठ भाजपा नेता और पंजाब उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने आज मुल्लपुर गरीबदास न्यू- चंडीगढ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए कि केंद्र सरकार में भले ही अलग-अलग दलों की सरकारें आई, लेकिन किसी भी दल और सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। वर्तमान केंद्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। पंजाब भाजपा के विधि प्रकोष्ठ संयोजक श्री एन. के. वर्मा तथा वरिष्ठ भाजपा नेता और पंजाब उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने आज मुल्लपुर गरीबदास में एक जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

रैडक्रास आमजन को समाज सेवा के लिए कर रहा जागरूक : सृष्टि गुप्ता

श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड में प्राथमिक सहायता एंव गृह परिचर्या शिविर का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड के लक्ष्मी भवन धर्मशाला, पंचकूला में चल रहे प्राथमिक सहायता एंव गृह परिचर्या के प्रवक्ताओं का चार दिवसीय रिफ्रैशर प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सृष्टि गुप्ता, आई.पी.एस., पुलिस उपायुक्त, पंचकूला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। शिविर निदेशक संजीव धीमान ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर अनूप अवस्थी, डॉ. मृणालिनी कल्ला, प्रचार अधिकारी विजय कुमार, राज्य प्रशिक्षण पर्यवेक्षक रमेश चौधरी, संयुक्त शिविर निदेशक अनिल धीमान, सहायक चंद्र मोहन, संजीव शर्मा, रंजीत कुमार, कुसुम लता मुख्य रूप से उपस्थित थे। शिविर के समापन समारोह में उन्होंने जिला प्रशिक्षण अधिकारी रवि दत्त, महेश मलिक, अंजू कश्यप, संजय कुमार, ईशान कौशिक, हरमेश चन्द, दलबीर सिंह, जतिन शर्मा, नीतू सिंह, विनोद कुमारी सहित सभी प्रवक्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सृष्टि गुप्ता ने कहा कि हरियाणा रैडक्रास व सैंट जॉन द्वारा जिला सैंट जॉन शाखाओं के माध्यम से आमजन को प्राथमिक सहायता, सड़क सुरक्षा व गृह परिचर्या के बारे में जागरूक करके कई जिंदगियों को बचाया जा रहा है। रैड क्रास व सैंट जॉन के स्वयंसेवकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वयंसेवक जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए रक्तदान के लिए हर समय तैयार रहते है। उन्होंने युवा वर्ग से अपील करते हुए कहा कि वे समाज सेवा के क्षेत्र में जुडकर देश को एक नई दिशा दे सकते हैं। मुख्य अतिथि ने हरियाणा रैड क्रास द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि रैड क्रास दिन-प्रतिदिन नये नये आयाम स्थापित कर रहा है, इसके लिये रैड क्रास से जुड़े सभी पदाधिकारीगण, कर्मचारीगण, प्रवक्ता व स्वयंसेवक बधाई के पात्र है।

शिविर में प्रवक्ताओं द्वारा सी.पी.आर., गले में कुछ फंस जाना व हड्डी टूट के दौरान दी जाने वाली प्राथमिक सहायता का डेमो करके भी दिखाया गया, आपरेशन सिंदूर के दौरान हरियाणा के विभिन्न जिलों में रैड क्रास की टीम सदस्यों ने बड़ी बखूबी के साथ आपदा की तैयारी में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत भाजपा युवा मोर्चा ने किया वृक्षारोपण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा चंडीगढ़ द्वारा ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत इंडस्ट्रियल एरिया में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, नगर निगम पार्षद बिमला दुबे एवं युवा मोर्चा प्रभारी रमेश सहोड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक आह्वान से शुरू हुआ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आज जन-जन का अभियान बन चुका है। यह केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के बाद उसकी उसी प्रकार देखभाल करनी चाहिए जैसे एक मां अपने बच्चों की करती है। आज लगाया गया पौधा कल को एक विशाल वृक्ष बनेगा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए छांव, फल और स्वच्छ वायुमंडल प्रदान करेगा।

इनेलो अध्यक्ष ने स्वच्छता रैंकिंग गिरने का ठीकरा निगम में फैले भ्रष्टाचार पर फोड़ा

मनोज अग्रवाल ने कहा झूरी वाला में 13.24 में बनने वाले सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट प्रोजेक्ट डिब्बे में बंद, नई सरकार बने भी मुद्दत हो गई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

काम 5 लाख का नहीं नहीं दिखाया 25 लाख का

मनोज अग्रवाल ने कहा कि कुछ महीने पहले माजरी चौक फ्लाइ ओवर के पिल्लरों पर घास लगाने पर 25 लाख रूपए का खर्च दिखाया गया हकीकत में वह काम चार पांच लाख का भी नहीं है। इसी तरह अमर टेक्स चौक से कालका हाईवे तक 81 लाख रुपए की कोरियन घास लगी दिखाई गई जो कभी लगी ही नहीं । कमीशन के चक्कर में सेक्टर 7 तथा 10 के कम्यूनिटी सेंटरों एवं निगम कार्यालय का काम पूरा नहीं हो पा रहा है। मनोज अग्रवाल ने बताया कि कोरोना काल में मरने वालों की झूठी सूचियां बना कर लाखों का गोलमाल किया गया । जिसकी एफआईआर 29.3.2023 को पंचकूला एसीबी थाना में दर्ज है लेकिन आज तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई ।

मेयर और पार्षदों को दें इस्तीफा

मनोज अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2017 में पंचकूला 211वें, 2018 में 142वें, 2019 में 71वें, 2020 में 56वें, 2021 में 99वें, 2022 में 86वें, 2023 में 139वें तथा अब 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण में 219वें स्थान पर आया है । स्वच्छ सर्वेक्षण में पंचकूला की लगातार गिरती हुई रैंकिंग पर मेयर तथा पार्षदों को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पदों से तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए ।

पंचकूला। इंडियन नेशनल लोकदल के जिला अध्यक्ष ने भारत के तीन लाख तक की आबादी वाले 824 शहरों में पंचकूला को 219वां स्थान मिलने पर नगर निगम पंचकूला के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पार्षदों में फैले भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी के जिलाध्यक्ष पंचकूला शहरी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि झूरी वाला में 13.24 में बनने वाले सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट प्रोजेक्ट डिब्बे में बंद पड़ा है। नई सरकार बने भी मुद्दत हो गई है। अभी बनने का कोई आसार नजर नहीं आता। निगम में भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि सफाई कर्मचारियों की रिकॉर्ड में अधिक गिनती दर्ज की जाती है और धरातल पर आधे भी नहीं होते।

इसीलिए शहर में जगह-जगह कुडे के ढेर, होर्टिकल्चर वेस्ट के ढेर, आवारा पशुओं का गोबर, पालिथीन आदि बिखरा पड़ा रहता है। हर तरह के टेंडरों में निगम कर्मचारी, अधिकारी तथा संबंधित वार्डों के पार्षद ठेकेदारों से कमिशन लेते हैं। कमीशन के चक्कर में दो निगम कर्मचारियों में आपस में मारपीट तक हुई जो सभी अखबारों में छपी थी।

दशमेश सेवा सोसाइटी पर विदेश भेजने के नाम पर 80 लोगों से करोड़ों की ठगी का आरोप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। दशमेश सेवा सोसाइटी पर विदेश भेजने के नाम पर करीब 80 लोगों से ठगी करने का गंभीर आरोप लगा है। सोसाइटी ने पीड़ितों को विदेश में गुरुद्वारा साहिब के भीतर नौकरी दिलाने का झांसा देकर प्रत्येक व्यक्ति से लगभग 5-5 लाख रुपये ठगे। इस मामले में आज सभी पीड़ति परिवार चंडीगढ़ के सेक्टर-36 स्थित पुलिस थाना पहुंचे और वहां थाना प्रभारी को औपचारिक शिकायत सौंपी। पीड़ितों का कहना है कि आरोपी व्यक्ति चंडीगढ़ के सेक्टर-35 स्थित मकान नंबर 245 में रह रहा था और उसने लोगों को गुरुद्वारे में हेड ग्रंथी, ढोलकी वादक, ड्राइवर तथा लंगर हाल में खाना बनाने जैसी नौकरियों का झांसा दिया।

आरोप है कि सिख समुदाय से संबंधित इन परिवारों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस से गुहार लगाई है कि उन्हें न्याय दिलाया जाए। पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि चंडीगढ़-मोहाली ट्राई-सिटी क्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर ठगी का रैकेट खुलेआम चल रहा है, और कई लोग रोज इसका शिकार हो रहे हैं। हालांकि, यह मामला इसलिए विशेष है क्योंकि इसमें सिख परिवारों के साथ ठगी करने वाला भी स्वयं सिख है। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि इस ठगी में दो अन्य प्रभावशाली लोग – एक वकील और बिजली विभाग का एक कर्मचारी – भी शामिल हैं। पीड़ितों का कहना है कि इन दोनों की मिलीभगत से यह ठगी संभव हो सकी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपी मनप्रीत सिंह खुराना निवासी सेक्टर-35, चंडीगढ़ है, जो पहले भी इमीग्रेशन फ्रॉड के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जब इस पूरे मामले पर थाना प्रभारी से बातचीत करने की कोशिश की गई तो उनका कहना था कि हमें शिकायत मिली है और इस व्यक्ति के खिलाफ पहले भी हमारे ही थाने में एक मामला दर्ज है जो की जमानत पर बाहर आया हुआ है जो भी बनती कार्रवाई होगी हम अवश्य करेंगे।

'एक पेड़ मां के नाम' प्रकृति रक्षा हेतु महत्वपूर्ण अभियान : देवशाली

भाजपा कर रही राष्ट्र, प्रकृति, जलवायु एवं वातावरण के प्रति दायित्व निर्वहन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' के अंतर्गत चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी पौधरोपण अभियान के अंतर्गत शहीद भगत सिंह जिला के मंडल 2 द्वारा सेक्टर 3 में मंडल अध्यक्ष बबलू चौधरी और पार्षद महेशइंद्र सिंह सिद्धू के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक शक्ति प्रकाश देवशाली, जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सोनू, सह संयोजक समीर गुप्ता, जिला उप प्रधान श्रीमती चांदनी शर्मा, सुरेश वर्मा, पार्षद अनिल मसीह, पूर्व मंडल प्रधान राकेश शर्मा, मोहिंदर रावत, दीपक भट्ट एवं अन्य कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर गुडहल, चाँदनी और कलेर के लगभग 70 पौधे लगाए।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक शक्ति प्रकाश देवशाली ने कहा कि पौधरोपण और उनके वृक्ष के रूप में रूपांतरण तक देखभाल भारतीय संस्कृति में सदैव महत्वपूर्ण रहा है। प्रकृति का यह अनुपम उपहार हम सबके द्वारा उत्सर्जित कार्बन को ग्रहण कर हमें प्राणवायु देता है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र, प्रकृति, जलवायु एवं वातावरण इन सबके प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

देवशाली ने कहा कि केवल पौधरोपण कर हम अपने कर्तव्य से निवृत्त नहीं हो जाते अपितु इस पौधे को एक हरा-भरा वृक्ष बनने तक हमें इसकी देखभाल करनी चाहिए। इसी लक्ष्य हेतु भाजपा ने प्रत्येक पौधे की देखभाल के लिए इनके 'पालक' भी नियुक्त किये हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाये गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की सराहना करते हुए इसे प्रकृति रक्षा हेतु महत्वपूर्ण बताया और प्रत्येक शहरवासी से अपने घर के समीप एक पौधा लगाने तथा उसके पूर्ण वृक्ष के रूप में विकसित होने तक उसके प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

बेल के बावजूद दोबारा अरेस्ट कर पुलिस ने की बर्बरता

कालका कोर्ट ने अरेस्ट को अवैध कर आरोपी को किया तुरंत रिहा

अर्थ प्रकाश/जग्गी

कालका। जैसा फिल्मों में पुलिस की गुंडागर्दी देखी जाती रही है,वैसा ही एक वाक्य पिंजौर पुलिस ने दोहराकर राजनीतिक दबाव में तानाशाही दिखाई है। मामला पिंजौर का है,जहां एक मुकदमा में आरोपी प्रवेश शर्मा को पिंजौर पुलिस ने 26 जून को हिरासत में लिया था, और 27 जून को जब कोर्ट में पेश किया तो 2 दिन का पुलिस रिमांड मांगा गया,जबकि उस समय आरोपी के वकील दीपांशु बंसल एडवोकेट ने आरोपी की तरफ से पक्ष रखा और कोर्ट ने पुलिस रिमांड को रिजेक्ट करते हुए आरोपी को रेगुलर बेल दे दी और मामला 27 अगस्त के लिए स्थगित कर दिया। इसी बीच पुलिस ने 15 जुलाई को आरोपी को मुकदमा में कोर्ट के बेल ऑर्डर की कंडीशन का पालन करते हुए उसी दिन 5 बजे शामिल होने हेतु नोटिस दिया जबकि,आरोपी 2.30 बजे ही पुलिस थाना पहुंच गया।

ज़मानत मिलने के बाद 15 जुलाई 2025 को पिंजौर पुलिस ने आरोपी को दोबारा थाने में बुलाया और आरोपी को थाने में न सिर्फ़ 24 घंटे से अधिक अवैध हिरासत में रखा बल्कि वो उसको किसी अन्य स्थान पर ले जाकर और थाने के अंदर बुरी तरह से मारा पीटा और प्रताड़ना दी गई।

दीपांशु बंसल एडवोकेट ने माननीय न्यायालय के समक्ष आरोपी की ओर से पक्ष रखते हुए बताया कि इस पूरे मामले में न केवल इन्वेस्टिंग ऑफिसर यादविन्द्र सिंह ने कानून और नियमों को ताक पर रखकर माननीय न्यायालय के आदेशों की अवेहलना की बल्कि थाना प्रमुख जगदीश चंद्र, और पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता ने भी कोर्ट के आदेशों की अवेहलना करते हुए एक 18 वर्षीय युवा प्रवेश शर्मा के अधिकारों का हनन किया। दीपांशु बंसल ने कोर्ट में दायर याचिका में बताया कि उन्होंने जब यह मामला पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता को बताया तो डीसीपी ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में है,कालका कोर्ट का बेल ऑर्डर सेशन कोर्ट में पुलिस ने चैलेंज किया है और परमिशन ली गई है जबकि उक्त ऑर्डर के बारे जब पूछा तो डीसीपी ने कोई जवाब न दिया और फोन काट दिया। यहां तक कि आरोपी के साथ मारपीट के बारे में भी बताया गया तब भी डीसीपी ने कोई जवाब नहीं दिया।

दीपांशु बंसल एडवोकेट द्वारा माननीय न्यायालय कालका में याचिका दायर की गई जिसपर कोर्ट ने संज्ञान लिया और इसके साथ ही आईओ को कोर्ट में तलब किया जहां आईओ ने कोर्ट में बयान दिया कि बेल ऑर्डर को किसी कोर्ट में चैलेंज नहीं किया गया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि आरोपी को इस केस में जांच के दौरान हिरासत में लिया जबकि कोर्ट में पुलिस द्वारा अरेस्ट करने के बावजूद पुनः अरेस्ट करने की आज्ञा की एप्लिकेशन डाली गई जिसे सरकारी वकील श्री रणविजय राणा ने कोर्ट को फॉरवर्ड करने से मना किया और कोर्ट में कहा कि वह पुलिस के इस कृत्य का बचाव नहीं करेंगे। कोर्ट में आरोपी ने बयान दिया कि उसके साथ पुलिस ने बर्बरता के साथ मारपीट की,धमकी दी,पानी में डुबाया और पैरो में डंडे मारे जिसपर माननीय न्यायालय ने तुरंत संज्ञान लिया और सीएमओ पंचकुला को 3 डॉक्टर का बोर्ड गठित कर मेडिकल करने के लिए कहा जिसके साथ ही आरोपी का अरेस्ट इलीगल माना क्योंकि पुलिस ने बेल ऑर्डर होने के बावजूद आरोपी को पुनः अरेस्ट किया जोकि नियमों के विरुद्ध है।

उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने पंकज चांदगोठिया के खिलाफ एफआईआर रद्द करने की मांग की, चंडीगढ़ पुलिस को सौंपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने चंडीगढ़ पुलिस द्वारा अधिवक्ता पंकज चांदगोठिया के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए, डीजीपी यूटी चंडीगढ़ को कड़े शब्दों में ज्ञापन दिया है।

प्रथम दृष्ट्या एफआईआर तुच्छ, निराधार और दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। आरोप एकतरफा प्रतीत होते हैं जिनका उचित सत्यापन नहीं किया गया है और ऐसा प्रतीत होता है कि उनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करना है। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन की मानद सचिव गगनदीप जम्मू द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि बिना पूर्व जांच के आपराधिक कार्यवाही शुरू करने से किसी अधिवक्ता की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

बार ने आशंका व्यक्त की कि यदि ऐसी एफआईआर जारी रहने दी गई, तो यह भानुमती का पिटारा खोल देगा, जहाँ हर असंतुष्ट वादी अपने वकील के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराना शुरू कर देगा, जिससे अनुचित अपमान होगा और न्यायिक व्यवस्था की पवित्रता को ठेस पहुँचेगी। चंडीगढ़ जिला बार एसोसिएशन ने भी चांदगोठिया के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए और एफआईआर वापस लेने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। इससे पहले, सेक्टर 19 पुलिस स्टेशन ने 13 जुलाई, 2025 को लोहगढ़, ज़ीरकपुर के गुरविंदर सिंह की शिकायत पर एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि चांदगोठिया ने एक उपभोक्ता की शिकायत पर कार्रवाई नहीं की और उन्होंने एक मारुति डीलरशिप के खिलाफ दोषपूर्ण जिमी वाहन बेचने के मामले में चांदगोठिया को 2.80 लाख रुपये नकद दिए थे।

बलजीत नैन इनेलो वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबलू नांदल प्रधान महासचिव बने

इनेलो पार्टी ने जिला सोनीपत की कार्यकारिणी घोषित की

31 जुलाई तक बूथ स्तर तक का संगठन होगा तैयार: कुणाल गहलावत

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी ने शुक्रवार को जिला सोनीपत की कार्यकारिणी आईटीआई चौक सरोहा फार्म हाउस पर घोषित की। इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत ने कहा जिला सोनीपत की कार्यकारिणी में 36 बिरादरी के लोगों को स्थान मिला है। मेहनती, ईमानदार व समाज में अच्छी छवि के नेताओं को चौधरी अभय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, प्रकाश भारती, करण चौटाला, अर्जुन चौटाला से विचार विमर्श करके जिला कार्यकारिणी में स्थान दिया है। गहलावत ने बताया बलजीत नैन को पार्टी का वरिष्ठ उप प्रधान, बबलू नांदल को प्रधान महासचिव बनाया है। अर्जुन आंतिल, सतबीर अटायल, भूपेंद्र राठी राजपुर, होशियार सिंह किडोली, राकेश जटवाड़ा, बलिस्टर त्यागी, अशोक बोरिया जिला उपाध्यक्ष, राजेश आंतिल, करतार रोहना, ईश्वर दहिया, सुशील पंडित बुराना, रविंद्र सफियाबाद, जोगिंदर बिधल, भगत सिंह को महासचिव दिलबाग मलिक को संगठन सचिव, रमेश पुगथला, राजेंद्र आँवली, अंजू सेहरी, जसबीर झरोठ, हरिओम तेवड़ी, एडवोकेट प्रदीप आंतिल, जगदीप सिंह, जितेंद्र अत्री, रोहित छतेहरा को सचिव, चयनपाल गुर्जर को कोषाध्यक्ष व धर्मपाल राठी को जिला कार्यालय सचिव बनाया गया।

इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष विकास मलिक, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सिद्धार्थ आंतिल, कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर दहिया, व्यापार के अध्यक्ष राजकुमार बिंदल, सहरी जिलाध्यक्ष राकेश जैन, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र दहिया, कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र सुहाग का फूल माला से कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर एडवोकेट कृष्ण मलिक, जोगेंदर मलिक, रामकिशन मलिक, अशोक राणा, सुरेंद्र सिरसा, गोपाल जाजी, बलवान नंबरदार, विजेंद्र शेखपुरा, प्रदीप दहिया, बिट्टू राठधना, जोरावर सिंह आदि नेता मौजूद रहे।

अगवानपुर में 20 लाख से बनेगी 1000 फुट लंबी फिरनी, विधायक ने किया शिलान्यास

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। अगवानपुर गांव में 20 लाख रुपए की लागत से 1000 फुट लंबी और 35 फीट चौड़ी फिरनी का निर्माण होगा। शुक्रवार को हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इससे पहले गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया और आभार जताया। लोगों ने बताया कि पिछले 15 साल से फिरनी खस्ताहाल थी। बरसात में हालात और बिगड़ जाते थे। गांव के बीच से गुजरने वाली यह फिरनी भोगीपुर रोड को भी जोड़ती है। निर्माण पूरा होने पर करीब 300 घरों को फायदा मिलेगा।

विधायक कादियान ने मौके पर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि गन्नौर हलके में कई विकास योजनाएं चल रही हैं। हलके के किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने देंगे। विकास कार्यों के लिए यदि कोई मांग हलके से आती है तो उन्हें भी पूरा करवाने का प्रयास रहता है। कहा कि गांवों में अब सहरी तर्ज पर काम हो रहा है। पंचायत की मांगों में उन कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है, जिनसे लोगों को सीधी सुविधा मिले। सरपंच मंजीत कुमार ने कहा कि फिरनी की हालत बहुत खराब थी। अब इसके नवनिर्माण से लोगों को राहत मिलेगी।

इस मौके पर सरपंच मंजीत कुमार, पूर्व सरपंच रामचंद्र, ब्लॉक समिति चेयरमैन अनिल कुमार, सोनू दूधिया, राजल, दिलभारत, सुभाष पंच, राकेश पंच, जगबीर, पवन, जगमेंद्र त्यागी, विनोद त्यागी मौजूद रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एरोसिटी मोहाली शाखा का उद्घाटन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी नई शाखा एरो सिटी शाखा, मोहाली का उद्घाटन महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख,बैंक ऑफ बड़ौदा, लुधियाना अंचल श्री हरदीप सिंह के करकमलों से किया।अंचल प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हम अपने ग्राहकों को मोहाली में बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं।बैंक ऑफ बड़ौदा ने हमेशा अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास किया है। हमारी नई शाखा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हम अपने ग्राहकों को और भी बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। उप महाप्रबंधक व्यवसाय विकास ,बैंक ऑफ बड़ौदा ,लुधियाना अंचल श्री रमन कुमार ने उपस्थित लोगों से अपील की बैंक से जुड़कर हमें अधिक से अधिक सेवा का अवसर प्रदान करें। क्षेत्रीय प्रमुख,जालंधर क्षेत्र जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारी नई शाखा मोहाली के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण बैंकिंग भागीदार साबित होगी और हम उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगे। इस अवसर पर शाखा प्रमुख सुश्री मोनिका सैनी एवं आस-पास के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ दयालबाग को-ऑप. हाउस बिल्डिंग (प्रथम) सोसायटी, (सामान्य निकाय बैठक हेतु सूचना)

सोसायटी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि सोसायटी की वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 07.08.2025 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के सेंट्रल पार्क में आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्ष 2017-2018 की अवधि के लिए सोसायटी की ऑडिट रिपोर्ट पर चर्चा एवं अनुमोदन किया जाएगा। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे बैठक में उपस्थित रहें।

AP-2669

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

Website-www.ner.indianrailways.gov.in

Date: 17-07-2025

निविदा सूचना सं-34 दिनांक 15-07-2025 के अन्तर्गत मद सं-2 में निम्न संशोधन जारी किया जाता है:–

मद सं: 2, मद विवरण: निविदा खुलने की तिथि एवं समय, वर्तमान प्रविष्टि: 09-09-2025, 11:30 am., अब पढ़ा जाय: 07-08-2025, 11:30 am.

अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

नोट: उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट *www.ner.indianrailways.gov.in* एवं भारत सरकार की वेबसाइट *www.tenders.gov.in.* पर देखा जा सकता है।

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक,

मुजाधि/एस-30 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

AP-2682

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष।

विषयः– स्व. राज कुमार की अपंजीकृत वसीयत के आधार पर 15.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1657, सेक्टर 34-बी, चंडीगढ़ के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्री राज कुमार 15.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1657, सेक्टर 34–बी, चंडीगढ़ के स्वामी/लीजी हैं। मंजु मल्हिन्द्रा द्वारा सूचित किया गया है कि श्री राज कुमार की 04.02.2022 को मृत्यु हो गई है तथा उसने मृतक स्वामी/लीजी के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:–

क्र.सं.	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक के साथ संबंध
1	राहुल मल्हिन्द्रा	पुत्र
2	मंजु मल्हिन्द्रा	पत्नी
3	चांद रानी	माता

अब, मंजु मल्हिन्द्रा ने अपंजीकृत वसीयत दिनांक 14.11.2020 के आधार पर अपने पक्ष में स्व. राज कुमार द्वारा आयोजित 15.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1657, सेक्टर 34–बी, चंडीगढ़ के संबंध में स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उक्त वर्णित के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ को सूचित करें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामतः आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्से के हस्तांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/ नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/ सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामतः लाभार्थियों के नामों में उक्त अनुसार हस्तांतरित करदिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी,यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए

AP-2676

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC)

IN THE COURT OF

Ms. Sudipa Kaur

Civil Judge (Jr Divn), Amloh (P)

1. M/S A.V.M ALLOYS AMLOH ROAD VILLAGE KUMBH MANDI GOBINDGARH TEHSIL AMLOH DISTRICT FATEHGARH SAHIB THROUGH ITS PROPRIETOR SH. AJAY KUMAR SHARMA S/O BALJINDER KUMAR
2. AJAY KUMAR S/O BALJINDER KUMAR PROPRIETOR OF M/S A.V.M ALLOYS AMLOH ROAD VILLAGE KUMBH MANDI GOBINDGARH TEHSIL AMLOH DISTRICT FATEHGARH SAHIB (MOBILE O. 941020292, ADHAR NO. 533057744521)

Vs.

1. M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA) -136027 THROUGH ITS PROPRIETOR/INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSONS PUSHPINDER KUMAR.
2. SH. PUSHPINDER KUMAR PROPRIETOR/INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSON OF M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY, GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA)- 136027

CNR No. PBFGA0-000296-2022

Next Date:-18-08-2025

PUBLICATION ISSUED TO:

1. M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA)- 136027 THROUGH ITS PROPRIETOR/ INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSONS PUSHPINDER KUMAR.
2. SH. PUSHPINDER KUMAR PROPRIETOR /INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSON OF M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY, GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA)-136027

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) /respondent(s) should appear in person or through counsel on **18-08-2025 at 10:00 a.m.**

For details logon to

https:highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice &district=amlohcourt

Civil Judge (Jr Divn)

Amloh (P)

Dated, this day of 15-07-2025

AP-2676

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, डेनिक्स,सहायक संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ के समक्ष।

विषयः– स्व. श्री घुरहू यादव की बिना वसीयत मृत्यु के आधार पर 100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1042/1, सेक्टर 30–बी, चंडीगढ़ (एएच 1042/1/30बी) के संबंध में लीज होल्ड अधिकारों का हस्तांतरण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्री घुरहू यादव100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1042/1, सेक्टर 30–बी, चंडीगढ़ के स्वामी/लीजी है। राजेश कुमार, राजा राम, लच्छी राम, हरी राम, राधे श्याम, नगीना देवी द्वारा सूचित किया गया है कि श्री घुरहू यादव की 26.12.1982 को मृत्यु हो गई है तथा उसने मृतक स्वामी/लीजी के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:–

क्र.सं.	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक के साथ संबंध
1.	राजेश कुमार	पुत्र
2.	राजा राम	पुत्र
3.	नगीना देवी	पत्नी
4.	हरी राम	पुत्र
5.	राधे श्याम	पुत्र
6.	लच्छी राम	पुत्र

अब, राजेश कुमार, राजा राम, लच्छी राम, हरी राम, राधे श्याम, नगीना देवी ने बिना वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने पक्ष में स्व. श्री घुरहू यादव द्वारा आयोजित 100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1042/1, सेक्टर 30–बी, चंडीगढ़ के संबंध में लीज अधिकारों के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है।यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उक्त वर्णित के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल संपदा अधिकारी,यूटी., चंडीगढ़ को सूचित करें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामतः आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्सेके हस्तांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/ नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/ सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामतः लाभार्थियों के नामों मेंउक्त अनुसार हस्तांतरित करदिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स,सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए।

AP-2690

COURT NOTICE

(U/O 5 Rule 20 CPC)

IN THE COURT OF

Ms. Jyoti Sandhu

Additional Civil Judge (Senior Division) Panchkula

Kanta Sayal

Vs

Laxmit Devi and Others

CNR No. HRPK02-000149-2023

Next Date:- 14-08-2025

PUBLICATION ISSUED TO:

1. (ii) Harbans Singh (son) resident of village Dera Jagadhri, Tehsil Dera Bassi, District Mohali
(iii) Harjeet Singh@Kala (son)
(iv) Baljeet Singh (son)
Both residents village Dera Jagadhari, Tehsil Dera Bassi, District Mohali
3# Jaswinder Kaur (Daughter) resident of jarnail Enclave-II Zirakpur, Tehsil Dera Bassi, District Mohali

In above titled case, the defendants/respondents no 1 (ii,iii,iv, v) and could not be served. It is ordered that defendants/respondents 1.(ii,iii,iv, v) and 3 should appear in person or through counsel on 14-08-2025 at 10:00 a.m.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Panchkula.

Additional Civil Judge (Senior Division) Panchkulaa

Dated, this day of 16-07-2025

AP-2691

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आने वाली दिनांक 01-08-2025 दिन शुक्रवार को ग्राम पंचायत बधौली, खंड नारायणगढ़ (अम्बाला) की पंचायती भूमि में खड़े 2795 पेड़ सफेदा, कीकर के 2 पेड़ व अन्य 3 कुल 2800 पेड़ों की नीलामी सुबह 11:00 बजे गांव बधौली के सरकारी स्कूल प्रांगण में की जाएगी। बोली से पूर्व मु0 5 लाख रुपए बतौर अमानत के रूप में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ग्राम पंचायत बधौली के नाम से जमा करवाना होगा। नीलामी की अन्य शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी।

कुलदीप सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत बधौली
खंड नारायणगढ़ (अम्बाला)
मोबाइल: 96713- 01310
जोगेश कुमार, बीडीपीओ, खंड नारायणगढ़ (अम्बाला)
मोबाइल: 98125-59726

AP-2685

सार्वजनिक सूचना

मैं, सुशील कौशल, पुत्र श्री राम स्वरूप कौशल, निवासी मकान संख्या 61 सेक्टर-2, पंचकूला, हरियाणा, सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मकान संख्या 61, सेक्टर-2, पंचकूला, हरियाणा से संबंधित कन्वेयन्स डीड संख्या 3345 दिनांक 24.02.1998 को जारी किया गया श्री सी.पी. ठकराल के पक्ष में , जो बाद में मेरे पक्ष में पुनः आवंटित कर दिया गया था। उक्त दस्तावेज़ मार्च, 2025 के तीसरे सप्ताह के आसपास गुम हो गया था और मेरी काफी खोजबीन के बावजूद भी इसका पता नहीं चल सका, इसलिए हमने दिनांक 28.03.2025 को सेक्टर 2, पंचकूला पुलिस चौकी में एक डीडीआर/एफआईआर दर्ज कराई है। यदि किसी को उपरोक्त दस्तावेज़ मिले, तो कृपया इसे मुझे उपरोक्त पते पर लौटा दें या [8360689809] पर मुझसे संपर्क करें।

AP-2676

पहचान हेतु अपील

आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि 28.06.2025 को एक व्यक्तिनामतः महेश आयु लगभग 50 वर्ष, कद 5′-7′′ लगभग,साफ रंग, लंबे सफेद बाल, सफेद मूछें एवं दाढ़ी, को शराब की दुकान, सेक्टर-27 चंडीगढ़ के समीप पड़ा हुआ पाया गया था, और उसे सीआर सं. 250617224 के अंतर्गत जीएमसीएच-32, चंडीगढ़ में दाखिल किया गया था। आगे 12.07.2025 को जीएमसीएच-32 से सूचना प्राप्त हुई कि कथित रोगी का उपचार के दौरान देहांत हो गया था। इस संबंध में पुलिस स्टेशन सेक्टर 26, चंडीगढ़ में एक डीडीआर सं. 30 दिनांक 12.07.2025 दर्ज कराई गई है। उसके निवास स्थान के बारे में कोई नहीं जानता है। उसकी फोटोग्राफ ऊपर प्रदान की गई है।

यदि किसी व्यक्ति को अज्ञातमृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो, कृपया पुलिसस्टेशन सेक्टर-26 को दूरभाष सं. 0172-2750049, 2790594 अथवा पुलिस कंट्रोलदूरभाष सं. 0172-2749194 अथवा 100 पर सूचित करें।

चंडीगढ़ पुलिस

AP-2689

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी श्री राजिन्द्र कुमार सिबल पुत्र रबिंदर नाथ सिबल की वसीयत के साथ हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित संपति / प्लॉट नं. 2065, सेक्टर-18, अर्बन एस्टेट, जगाधरी के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण। श्री राजिन्द्र कुमार सिबल पुत्र रबिंदर नाथ सिबल, जो रिकॉर्ड के अनुसार उक्त संपति के आवंटी थे, की 05.04.2025 को मृत्यु हो गई है और उनकी एक रजिस्टर्ड वसीयत नं. 715 दिनांक 19.10.2022 है। नीरा सिबल पत्नी स्व. राजिन्द्र कुमार सिबल निवासी 2065, नजदीक स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल, सेक्टर 18, पार्ट-2, हुडा, जगाधरी कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपति को अपने पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहती हैं और नीरा सिबल के नाम पर पुनः आवंटन का अनुरोध करती हैं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त प्लॉट / मकान के हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जगाधरी को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी पॉलिसी के अनुसार उक्त सपति के हस्तांतरण / पुनः आवंटन की अनुमति दे सकता है। और बाद में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जा सकता है।

नीरा सिबल, कानूनी वारिस
संपदा अधिकारी की ओर से

AP-2692

सार्वजनिक सूचना

विषयः सह आवंटी श्री सुबे सिंह पुत्र जय पाल की निर्वसीयत मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित संपति / प्लॉट नं. 1547, सेक्टर-17, अर्बन एस्टेट, जगाधरी के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण श्री सुबे सिंह पुत्र जय पाल, जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपति के सह-आवंटी थे, की 06.03.2021 को मृत्यु हो गई है। उनके पास कोई पंजीकृत या गैर पंजीकृत वसीयत नहीं है, और अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं- 1) अंग्रेजो देवी माता, 2) कमलेश - पत्नी, 3) साक्षी सिंह पुत्र, 4) आयुष खुब्बड-पुत्र है। अब अंग्रेजो देवी पुत्री रंजीत सिंह (माता सुबे सिंह) निवासी गांव झगुडी, तहसील रादौर, जिला यमुनानगर ने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपति को अपने पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए आवेदन करने का अनुरोध किया है और अंग्रेज़ो देवी (मौजूदा सह आवंटी सुभाष चंद व नरेश कुमार) अपने नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करते हैं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक मकान के हस्तांतरण पर आपति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जगाधरी को लिखित रूप में आपतियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी पॉलिसी के अनुसार उक्त सपति के हस्तांतरण पुनः आवंटन की अनुमति दे सकता है और बाद में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जा सकता है।

अंग्रेजो देवी, कानूनी वारिस
संपदा अधिकारी की ओर से

AP-2692

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਟੀ

ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ 62, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ।

ਮਿਲਖ ਦਫਤਰ

(ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ)

ਮਕਾਨ ਨੰ: HE-105 Sector-63, SAS Nagar ਦੇ ਅਲਾਟੀ VEENA KUMARI KOHLI w/o. AJIT SINGH KOHLI & HARVINDER SINGH S/o. PREM SINGH, HOUSE NO. HE-199, PHASE-9, MOHALI ਵੱਲੋਂ GURCHARAN SINGH S/o. PREM SINGH R/o. HOUSE NO. 1033, SECTOR -49A, RAJDHANI APARTMENT, CHANDIGARH ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਮੁਖਤਿਆਰੇ ਆਮ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਜੀ.ਪੀ.ਏ. 02.12.2024 ਰਾਹੀਂ Victoria, British Columbia, Canada ਵਿਖੇ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿੱਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਮਾਲ ਸਕੱਤਰ ਵਿਖੇ ਨੰ: 2698 ਮਿਤੀ 27/01/2025 ਰਾਹੀਂ ਇਮਬੋਸ ਹੋਈ ਹੈ।

ਇਸ ਜੀ.ਪੀ.ਏ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ GURCHARAN SINGH S/o. PREM SINGH ਨੇ ਉਕਤ ਮਕਾਨ ਨੂੰ AMRIT PAL SINGH S/o. WARYAM SINGH R/o. # HE-106/A, PHASE-9, SECTOR-63, SAS NAGAR, MOHALI ਦੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਵੇਚਣ ਲਈ ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਆਈ.ਡੀ. ਨੰ: 450459 dated 16.07.2025 ਰਾਹੀਂ ਕੇਸ ਅਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਇਹ ਕੇਸ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ), ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮਕਾਨ ਨੰ: HE- 105 Sector-63, SAS Nagar ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ) ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਇਤਰਾਜ਼ਾਂ 'ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਕਤ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਜੀ.ਪੀ.ਏ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਮਕਾਨ ਨੰ: HE-105 Sector-63, SAS Nagar ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਆਗਿਆ AMRIT PAL SINGH S/o. WARYAM SINGH ਦੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਸਹੀ/- ਸੁਪਰਡੰਟ (ਹ)
ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ।

AP-2693

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ

ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ

ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

Booth No: 13, Sector–95/A, 20 ਵਰਗ ਗਜ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੇ ਅਲਾਟੀ ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ ਵਰਮਾ ਪੁੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਵਰਮਾ ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 05.03.2025 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਆਈ ਡੀ ਨੰਬਰ 444110 ਰਾਹੀਂ ਉਕਤ ਬੂਥ ਦੇ ਲਾਭਪਾਤਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਮਲਕੀਅਤ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਦਸਤਾਵੇਜ ਦਫਤਰ ਜਮ੍ਹਾ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਹਨ।

ਉਕਤ ਬੂਥ ਸਬੰਧੀ ਅਲਾਟੀ ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ ਵਰਮਾ ਪੁੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਵਰਮਾ ਵਲੋਂ ਆਪਣੀ ਮੌਤ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਪਣੇ ਪੁੱਤਰ Rohit Verma S/o Late Sh. Vijay Kumar Verma ਦੇ ਨਾਮ ਰਜਿਸਟਰਡ ਵਸੀਅਤ ਸਬ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੇ ਵਸੀਕਾ ਨੰ: 2022-23/3/3/1214 ਜਾਇਦ ਬਹੀ 3, ਜਿਲਦ ਨੰ: 0, ਸਫ਼ਾ ਨੰ: 0, ਮਿਤੀ 17.11.2022 ਰਾਹੀਂ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਹੈ।

ਉਕਤ ਵਾਰਸ ਵਲੋਂ Booth No 13, ਸੈਕਟਰ- 95 A, 20 ਵਰਗ ਗਜ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਲਈ ਦਸਤਾਵੇਜ ਇਸ ਦਫਤਰ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮਲਕੀਅਤ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਭ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਪ) ਗਮਾਡਾ ਮੋਹਾਲੀ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਇਤਰ-ਜ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ Booth No. 13, ਸੈਕਟਰ-95/A, 20 ਵਰਗ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਪ)
ਗਮਾਡਾ ਮੋਹਾਲੀ

AP-

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS

आज ही बुक करें

PH. : 0172-2638515, 98883-03520

Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं, राजबाला पत्नी धर्मवीर मौण निवासी गांव मटौर तहसील कलायत जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम राजबाला से बदलकर तीजो देवी राजबाला रखती हूँ। संबंधित कृपया नोट करें।

मैं, पिंदर कौर पत्नी बलराज निवासी हाउस नंबर 122 गांव देवी गढ़ जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम पिंदर से बदलकर हरपिंदर कौर रखती हूं। संबंधित कृपया नोट करें।

एपी-2666

मैं, दीपिका मांजरा पत्नी श्री नरेश कुमार निवासी मकान संख्या 1070, सेक्टर-21बी चंडीगढ़ ने अपना नाम दीपिका मांजरा से बदलकर दीपिका रख लिया है।

मैं, लक्ष्मी देवी पत्नी राकेश कुमार निवासी मकान संख्या -3085 सेक्टर-38डी चंडीगढ़ ने अपना नाम लक्ष्मी देवी से बदलकर लक्ष्मी रख लिया है।

एपी-2667

I, Chater Singh f/o No. 4100979L Ptr Surendra Singh r/o Village- Amarad, PO Khardra, Tehsil Tiyuni, District Dehradun (UK), have changed my name from Chater Singh to Chatar Singh vide affidavit dated 17-07-2025 before Executive Magistrate Nahan.

I Kusum Devi m/o Army No. 4098399P LNK Rahul Rawat, r/o Village Jhandichaur East, P.O Jhandichaur East, Tehsil Kotdwara, District Pauri Gharwal (UK) have changed my name from Kusum Devi to Kusum Rawat vide affidavit dated 17-07-2025 before Executive Magistrate Nahan.

I Rabari Bhavabhai f/o army no 4103048M PTR Rabari Bherabhai Bhavabhai r/o Village Balundra & PO Balundra, Tehsil Amirgarh, District Banas Kantha (Gujarat) have changed my name from Rabari Bhavabhai to Rabari Bhavabhai Narigji vide affidavit dated 17/07/2025 before executive magistrate nahan

एपी-2668

मैं, सुभम चौहान, पुत्र आर्मी नंबर 3994042F, पूर्व MACP (हवलदार) श्री श्याम सिंह, निवासी गांव व डाकघर शिवा, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश, ने अपना नाम सुभम चौहान से बदलकर शुभम चौहान कर लिया है, जो कि दिनांक 15/07/2025 को कार्यकारी दंडाधिकारी, नाहन (हि.प्र.) के समक्ष दिए गए शपथपत्र के माध्यम से प्रमाणित है।

एपी-2668

मैं, सुरिंदर कौर पत्नी गुरजीत सिंह, निवासी गांव नारायणगढ़, तहसील डेराबस्सी, जिला मोहाली की रहने वाली हूं और बयांन करती हूं कि मैं अपना नाम बदलकर सुरिंदर कौर से सलिंदर कौर रख रही हूं द्य अब भविष्य में मुझे मेरे नए नाम सलिंदर कौर से जाना जाएगा।

एपी-2670

I, Anusri Singha Adhikary, w/o No. 15750375N Rank-NK- Name Pallab Adhikary of unit 17 WEU, C/o 56 APO R/o Baragarh, Chakshyampur Debra, Paschim Medinipur, WB-721124, Have Changed our Son s Name from Pranshu Adhikary to Anuragi Adhikary. affidavit signed by advocate Samir Bhunia. F/1231/1226/ 2019. Date No. 10 Apr. 2024

एपी-2671

मैं, रीना देवी (पुराना नाम) पत्नी रघुवीर सिंह, निवासी मकान संख्या 2321, सेक्टर-27 सी, चंडीगढ़ ने अपना नाम रीना देवी (Reena Devi) से बदलकर रीना देवी (Rina Devi) (नया नाम) कर लिया है। सभी संबंधित कृपया ध्यान दें।

एपी-2672

मैं, मेहरामत सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी मकान नंबर 1286, सैक्टर -25, हुडा पानीपत जिला पानीपत ब्यान करता हूं कि मैंने अपना नाम महेन्दर सिंह से बदलकर मेहरामत सिंह रख लिया है। अब मैं घोषणा करता हूं कि भविष्य में मुझे मेहरामत सिंह नाम से जाना व पहचाना जाए।

एपी-2673

मैं, कावा प्रवीणभाई चिनाभाई सैन्य संख्या- 15733324के रैंक- नायक नाम- कावा राजेशकुमार प्रवीणभाई का पिता हूं जो वर्तमान में यूनिट- 31 एनएसआर सी/ओ 56 एपीओ में तैनात है स्थायी पता- काजरडी, जूनागढ़, काजरडी, गुजरात- 362560 मेंने अपना नाम कावा प्रवीणभाई चिनाभाई से बदलकर कावा प्रवीणभाई चीनाभाई कर लिया है और साथ ही मेने अपनी जन्मतिथि 01/07/1967 से 01/01/1968 में सही कर ली है।

मैं, प्रीति दिलीप जाधव सैन्य संख्या- 14831396एन रैंक- हवलदार/एमटी नाम- जाधव दिलीप बाबाजी की कानूनी रूप से विवाहिता पत्नी हुं जो वर्तमान में यूनिट-बी कंपनी 603 एएससी बटालियन (एएम) एन-एरिया पिन-905603, चंडीगढ़ सी/ओ 56 एपीओ में तैनात है घोषणा करती हुं कि मैंने अपनी जन्मतिथि 01/01/1986 से 01/04/1986 में सही कर ली है। शपथ पत्र संख्या- 48एए 901980, दिनांक- 18/07/2025

मैं, शिमला देवी, सैन्य संख्या- JC-343577M रैंक-सूबेदार नाम- जसवीर सिंह की माँ हूँ जो वर्तमान में यूनिट- 70 इंजीनियर रेजिमेंट C/o 56 एपीओ में तैनात है स्थायी पता- हाउस, ट्यूर, SAS नगर (मोहाली), पंजाब - 140301 घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम शिमला देवी से बदलकर सिमला देवी कर लिया है। शपथ पत्र संख्या- 48AA901977, दिनांक- 18/07/2025

मैं, छीतिया यादव, सेना संख्या- 15712056X रैंक-हवलदार नाम- संपत लाल यादव की मां हूं स्थायी पता- गांव- खाले, कठाई, पोस्ट- नरवार, तहसील- चंदिया, जिला- उमरिया, राज्य- मध्य प्रदेश, पिन- 484660 घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम छीतिया यादव से छितिया बाई यादव में बदल दिया है और साथ ही अपनी जन्मतिथि 07/08/1961 से 01/01/1961 में सुधार कर लिया है।

एपी-2674

मैं, रोहित पुत्र राजपाल डोगरा वासी मकान नं. 4325 मौली जागरण कॉम्प्लेक्स चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर रोहित डोगरा रखा है।

मैं, श्वेता पत्नी गौरव वासी मकान नं. 54/2, नजदीक एम सी पब्लिक स्कूल, ओल्ड रमेश नगर करनाल ने अपना नाम बदलकर श्वेता अरोड़ा से श्वेता रखा है

I, Service No. 15441937A Rank NK/NA. SATHISH KUMAR D R/o H.No. 314/154, Malai oram, Village - Lingundram, Nellorepettai, Post - Erthangal, PS&Taluka - Gudiyatham, District - Vellore, State - Tamil nadu, Pin - 632602, have changed my Mother name from Alamelu D to Alamelu. Affidavit no 4449 dt 17 July 25 Notary Public Panchkula (Haryana)

I, Service No. 15441937A Rank NK/NA. SATHISH KUMAR D R/o H.No. 314/154, Malai oram, Village - Lingundram, Nellorepettai, Post - Erthangal, PS &Taluka - Gudiyatham, District - Vellore, State - Tamil nadu, Pin - 632602, have changed my Father name from Dhandabani P to Dhandapani P. Affidavit no 4450 dt 17 July 25 Notary Public Panchkula (Haryana)

एपी-2677

मैं, मुकेश कुमारी पत्नी सुशील कुमार निवासी #679/25, लक्ष्मी नगर, रोहतक रोड, जिला-जीन्द घोषणा करती हूं कि मुकेश व मुकेश कुमारी दोनों मेरे ही नाम है। अब मैंने अपना नाम मुकेश से बदलकर मुकेश कुमारी रख लिया है। भविष्य में मुझे सभी कार्यों के लिए मुकेश कुमारी के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।

एपी-2678

मैं, राजीव कुमार पुत्र राम मेहर निवासी मकान संख्या 63 जरनैल एन्क्लेव फेज 1, जीरकपुर, एस.ए.एस नगर, पंजाब 140603, मैंने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपने नाबालिग बेटे का नाम आरव बदलकर आरव शर्मा कर दिया है।

एपी-2681

मैं, परवीन कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी लांडरा एसएएस नगर मोहाली ने अपना नाम परवीन वर्मा से बदलकर परवीन कुमार रख लिया है।

मैं, ममता पत्नी श्री जसबीर कुमार, निवासी मकान नंबर 3257/1, सेक्टर 45-डी, चंडीगढ़, ने अपना नाम ममता से बदलकर हरजीत कौर कर लिया है।

I karnesh Kumar s/o Sudesh Kumar r/o # 66, ward no.9 pancholia mohalla purana bazar pehowa kurukshetra Haryana I have changed my name from karnesh to karnesh Kumar

एपी-2676

मैं, ANJU BANSAL W/o. VIJAY KUMAR, निवासी वार्ड 8., रतिया जिला फतेहाबाद (हरियाणा) सूचित करती हूं कि मैंने अपना नाम बदल कर ANJU RANI रख लिया है सभी संबंधित नोट करें।

एपी-2684

मैं, राम निवास (आर्मी न. 3203898पी रैंक एनके) पुत्र श्री शेर सिंह निवासी बिदावास, बावल, तहसील एवं जिला रेवाड़ी, हरियाणा-123501 घोषणा करता हूं कि मेरे बेटे का वास्तविक और सही नाम दक्ष (Daksh) है, जो उसके आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों में दर्ज है, लेकिन गलती से मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में उसका नाम दक्ष (Dakash) दर्ज हो गया है। अब मैं अपने आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में अपने बेटे के सही और वास्तविक नाम दक्ष (Daksh) को ठीक करवाना चाहता हूँ।

एपी-2676

मैं, बलदेव सिंह पुत्र हरीचन्द निवासी गांव बलवंती तहसील व जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम बलदेव सिंह से बदलकर बलदेवा राम रखता हूं। संबंधित कृपया नोट करें।

एपी-2666

मैं, हरजीत कौर पत्नी जगदीप सिंह सोढ़ी निवासी मकान नंबर 111, कमर्शियल रोड, जी.एम.एन. कॉलेज, के पीछे। अम्बाला कैंट, जिला अम्बाला, हरियाणा ने मेरा नाम हरजीत कौर सोढ़ी से बदलकर हरजीत कौर कर दिया है। सभी निजी या सरकारी दस्तावेजों में जहां हरजीत कौर सोढ़ी का नाम लिखा है, उन्हें हरजीत कौर पढ़ा जाना चाहिए। हरजीत कौर सोढ़ी और हरजीत कौर एक ही व्यक्ति हैं।

एपी-2686

मैं, बलदेव सिंह पुत्र हरीचन्द निवासी गांव बलवंती तहसील व जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम बलदेव सिंह से बदलकर बलदेवा राम रखता हूं। संबंधित कृपया नोट करें।

एपी-2687

बेदखली सूचना

मैं, महावीर पुत्र श्री रामेश्वर निवासी गांव रामनगर तहसील सफीदों जिला जीन्द ब्यान करता हूं कि मेरा लड़का मनोज कुमार व उसकी पत्नी शताब्दी ये दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मै इनको अपनी संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में ये कोई अपराध करते है या इनके साथ लेन-देन, कानूनी- गैर कानूनी कार्य व अन्य व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एपी-2673

हमकी मेहरदीन पुत्र फूल शाह व जैतून पत्नी मेहरदीन निवासी प्रतापनगर उप तहसील प्रताप नगर तहसील छछरौली ज़िला यमुनानगर यह बयान करते है की हमारा लड़का अशरफ वा हमारी पुत्र वधू काजल हमारे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए हम अपने पुत्र अशरफ वा अपनी पुत्र वधू काजल को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करते है । आज के बाद हमारा या हमारे परिवार का इनके साथ कोई भी तालुक वास्ता नहीं है ,और ना ही भविष्य में होगा। इनके साथ लेनदेन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा। सभी संबंधित नोट करे।

एपी-2675

मैं, देवी दास पुत्र हीरा लाल निवासी मकान संख्या 1747-बी, स्मॉल फ्लैट्स धनास, चंडीगढ़ सूचित करता हूँ कि मेरा बेटा राम किशोर और उसकी पत्नी उषा मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं इनको अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।

एपी-2679

मैं, विक्की बूरा (आ. नं. 5220 0143 6388) पुत्र जयपाल सिंह गांव बुढाखेड़ा तहसील सफीदों जिला जींद अपने हल्फ से बयान करता हूँ कि मेरी पुत्री पूर्वा जोकि मेरे कहने-सुनने से बाहर है। वह अपनी मनमानी करती है। इसलिए उसे मैं अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में उससे कोई भी किसी प्रकार का कोई संबंध बनाता है या लेनदेन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं, पाला राम पुत्र पूर्ण चन्द निवासी बीरबल नगर, नरवाना जिला जींद अपने हल्फ से बयान करता हूं कि मेरा पुत्र दीपक व पुत्रवधू पूनम धीमान मेरे कहने- सुनने से बाहर है, मैं उन्हें अपनी तमाम चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ भविष्य में उनसे जो भी लेनदेन करेगा वह स्वयं जिम्मेदार होंगे

एपी-2680

मैं, जंग सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री बारा सिंह, निवासी मकान संख्या 2343, गुडविल एन्क्लेव, सेक्टर 49-सी, चंडीगढ़, घोषणा करता हूँ कि मेरा बेटा तरनजीत सिंह और उसकी पत्नी हरप्रीत कौर मेरे नियंत्रण से बाहर हैं, इसलिए मैं उन्हें अपनी चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ और उनसे सभी प्रकार के संबंध समाप्त करता हूँ। उनके साथ लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर करेगा।

हम जय किशन पुत्र श्री गोपी राम व बीरमति पत्नी जय किशन निवासी #42, वार्ड नंबर 07, मुंगडिया मोहल्ला पिहोवा, तहसील पिहोवा जिला कुरूक्षेत्र बयान करते है कि प्रवीण कुमार हमारा सगा पुत्र व अन्नु पत्नी प्रवीण कुमार हमारी पुत्रवधू है ! यह दोनों हमारे कहने सुनने से बाहर हैं और हमारे से अलग रहते है इसलिए हम इन दोनों को अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं ! भविष्य में इनके साथ लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा ! हमारी व हमारे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

एपी-2676

हम, राज कुमार (आधार न. 7339 9189 2474) पुत्र श्री मेला राम व सरोज आधार न0 8426 2745 8944 पत्नी श्री राज कुमार निवासी ग्राम पिलनी तहसील पुण्डरी, जिला कैथल ब्यान करता हूँ कि मेरी पुत्री महक जो हमारे कहने सुनने से बाहर है ने हमारी मरजी के खिलाफ दिंनाक 02.07.2025 को राहूल निवासी करनाल के साथ लव मेरिज कर ली है को अपनी समस्त चल अचल सम्पति से बेदखल करते है। आज के बाद महक यदि किसी के साथ कोई व्यवहार या डिलिंग करती है तो उसकी जिम्मेदार वह खुद होगी। मैं या मेरा परिवार इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

एपी-2683

मै, बलबीर सिंह पुत्र दरबारा सिंह निवासी गाँधी नगर, पिहोवा,कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र गुरविन्द्र सिंह मेरे कहने-सुनने से बाहर होने के कारण मै इसको अपनी चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हु , भविष्य में इसके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व लेन देन के लिए यह स्वयं जिम्मेवार होगा।

एपी-2688

खोया-पाया

मैं, सुमन पत्नी राजेश निवासी गांव मटौर तहसील कलायत जिला कैथल ब्यान करती हूं कि असल रजिस्ट्रर्ड सेल डीड नंबर 3324 दिनांक 30.07.2015 (डीडीआर नं. 132280302500946) मेरे पास से दिनांक 15.06.2025 बस स्टैंड कैथल के पास कहीं गुम हो गई है। जिस किसी को भी यह सेल डीड मिले वह 15 दिनों के अंदर एडवोकेट जगबीर सिंह, चैम्बर नं. 180, जिला कोर्ट, कैथल, मो. 9896221114 को संपर्क करें।

एपी-2666

मैं, जसवीर सिंह सिंवर पुत्र अजैब सिंह निवासी गांव गिल्लन खेड़ा (37), पोस्ट- गिल्लन खेड़ा, जिला फतेहबाद, हरियाणा, घोषणा करता हूं कि मैंने अपना मूल 10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र सूचकांक संख्या टी/530/018 प्रमाण पत्र संख्या 228154, आईसीएसई, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1989 में जारी किया गया खो दिया है। अगर किसी को यह प्रमाण पत्र मिलता है तो कृपया उपरोक्त पते पर भेजें।

एपी-2676

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

अम्बाला सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर के भवन का निर्माण कार्य शुरू: विज

भवन का शेष निर्माण कार्य 14.79 करोड़ रुपए की लागत से होगा पूरा

100 बिस्तर के भवन को क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की तरह बनाया जाएगा, गंभीर मरीजों को सेंटर में मिलेगी बेहतर चिकित्सा सुविधा

भवन का निर्माण कार्य माननीय हाईकोर्ट व ऑबिर्टेशन केस लगने के कारण रूका हुआ था, अब पुन: टेंडर के बाद शुरू हुआ निर्माण कार्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अंबाला, 18 जुलाई। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर के भवन का निर्माण कार्य पुनः शुरू कर दिया गया है। यह भवन अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से लैस होगा जिसे क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की तर्ज पर बनाया जाएगा और यहां मरीजों को बेहतरीन उपचार मिलेगा। इस 100 बिस्तर के भवन के निर्माण होने से अंबाला छावनी सिविल अस्पताल की क्षमता दौगुनी अर्थात 200 बिस्तर की हो जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि इस नए भवन का डिजाईन इस प्रकार से तैयार किया गया है कि सामान्य मरीजों को संक्रमण का खतरा न उठाना पडें।

श्री विज ने बताया कि पहले भवन के निर्माण का केस माननीय हाईकोर्ट में होने की वजह से रूक गया था जिसके बाद ऑबिर्टेशन में जाने पर दोबारा से निर्माण कार्य के अब टेंडर हुए हैं। अब 14.79 करोड़ रुपए की लागत से भवन का शेष निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 100 बिस्तर के नए भवन बनने से सिविल अस्पताल की क्षमता 200 बिस्तर की हो जाएगी। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों को काफी फायदा होगा। मौजूदा समय में सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर की ही सुविधा है। लेकिन लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या के कारण अस्पताल में बिस्तर की कमी महसूस होने लगी थी इसीलिए नए भवन का निर्माण किया जा रहा है।

क्रिटिकल केयर यूनिट में दिल की धड़कनों, रक्तचाप, और अन्य महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों पर कड़ी नजर रखी जाती है। इससे डॉक्टर तुरंत किसी भी असामान्य लक्षण को पहचान कर त्वरित इलाज कर सकते हैं। सीसीयू में ऑक्सीजन सपोर्ट, दवाओं का इस्तेमाल, इमरजेंसी प्रोसीजर, पोस्ट-केयर व रिकवरी आदि सुविधा रहती है। सीसीयू में कोरोना व अन्य बीमारियों के लिए भी अलग से चिकित्सीय सुविधा होती है, इनके भी अलग वार्ड होंगे। बिल्डिंग इस प्रकार डिजाइन होगी कि सामान्य मरीजों को इन्फेक्शन का खतरा न उठाना पड़े।

सात मंजिला नए भवन में उपलब्ध होगी यह सुविधाएं

दो बेसमेंट फ्लोर – नई बिल्डिंग में कुल सात फ्लोर होंगे, जिनमें दो बेसमेंट फ्लोर होंगे, इसमें एक फ्लोर पर वाहनों की पार्किंग होगी जबकि दूसरे फ्लोर पर एसी प्लांट व गैस प्लांट लगाया जाएगा।

ग्राउंड फ्लोर – ग्राउंड फ्लोर में रजिस्ट्रेशन–कम–रिसेप्शन सेंटर, इमरजेंसी सर्विस उपलब्ध होगी, शौचालय व अन्य सुविधाएं होंगी।

पहला फलोर– पहले फ्लोर पर ईमरजेंसी वार्ड होंगे जिनमें 28 बेड होंगे।

दूसरा फ्लोर – दूसरे फ्लोर पर इनफेक्टिव आईसीयू (इनटेंसिव केयर यूनिट)।

तीसरा फ्लोर – तीसरे फ्लोर पर इनफेक्टिव ओटी, सुपर स्पेशलिस्ट ओटी तथा वार्ड होंगे।

चौथा फ्लोर – चौथे फ्लोर पर इनफेक्टिव ओटी, इनफेक्टिव ओटी, सुपर स्पेशलिस्ट ओटी तथा वार्ड होंगे तथा जीवन रक्षक साबित होगी क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू)।

उल्लेखनीय है कि 100 बेड बिल्डिंग को क्रिटिकल केयर यूनिट की तरह तैयार किया जा रहा है जहां गंभीर या आपात समय में मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध होगी। क्रिटिकल केयर में मरीज की हालत की लगातार निगरानी के लिए आवश्यक उपकरण, जरूरी दवाओं की व्यवस्था और मरीज की स्थिति के आधार पर चिकित्सीय निर्णय लेना शामिल होता है।

बीए प्रथम वर्ष की सभी छात्राओं ने प्राप्त की मेरिट

विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय का किया नाम रोशन

अर्थ प्रकाश/सुरेश सिसोदिया

जींद, 18 जुलाई। 17 जुलाई 2025 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए. प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया । परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय में खुशी की लहर छा गई, क्योंकि सत्र 2024-25 के बी.ए. प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा देने वाली सभी छात्राओं ने 90त्न से अधिक अंक प्राप्त करके अपने माता-पिता को गौरवान्वित करते हुए विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय लखमीरवाला का नाम भी रोशन कर दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने केक काटकर अपनी खुशी को सांझा किया। श्री लज्जाराम शैक्षणिक संस्थाओं के पीठाधीश्वर श्री राजेश स्वरूप महाराज जी द्वारा छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया । विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय के अध्यक्ष और श्री लज्जाराम शैक्षणिक संस्थाओं के अध्यक्ष राजेश स्वरूप महाराज जी , ट्रस्ट के संस्थापक माननीय विजय कुमार बंसल जी , उपाध्यक्षा माननीया डॉश कांता शर्मा जी , महाविद्यालय के प्रबंधक आदरणीय श्री गुलाब सिंह चीमा जी, प्रधानाचार्य आदरणीय श्री राजेश गौतम जी ने और महाविद्यालय के पूरे स्टाफ ने छात्राओं को उनकी इस उत्तम उपलब्धि पर बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की । प्रधानाचार्य द्वारा बताया गया कि उनके महाविद्यालय की मुस्कान पुत्री श्री सुभाष (लखमीरवाला) द्वारा 92त्न अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान तथा मीनाक्षी पुत्री श्री सतवीर (खोखरी), बबली पुत्री श्री बलमत (वराह कलां) पूजा, तमन्ना, नेहा इन छात्राओं द्वारा 90त्न अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान तथा खुशबू द्वारा 88त्न अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया । स्टाफ की तरफ से छात्राओं को मिठाई खिलाकर इस खुशी को पूरे महाविद्यालय में सांझा किया गया । ग्रामीण क्षेत्र की सभी छात्राओं के लिए गौरव और खुशी की बात यह है वर्तमान में विनय बाल मंदिर गुरुकुल महाविद्यालय छात्राओं के भविष्य मार्ग को प्रशस्त करने के लिए सत्र 2024-25 से ग्रेड ++ प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय से बी.ए. कक्षाओं का संचालन कर रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को उनके ग्रामीण क्षेत्र में ही उच्चतम शिक्षा का लाभ प्राप्त हो सके। विनय बाल मंदिर गुरुकुल महाविद्यालय जींद क्षेत्र की 12वीं कक्षा को उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्राओं को बी. ए. कक्षा में प्रवेश के लिए आमंत्रित करता है। विनय मंदिर गुरुकुल महाविद्यालय बी.ए. प्रथम बर्ष कक्षा में उत्तीर्ण होने वाली सभी छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण बचाने के लिए करें पौधरोपण: ऋषिराम शर्मा

उचाना मंडी (अप्रस/मित्तल)। डूमरखा कलां के आरोग्य मंदिर में भीष्म मानव कल्याण फाउडेशन हरियाणा के तत्वाधान में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। मा. आनंद कौशिक ने अपनी माता कृष्ण देवी की पुण्य तिथि पर त्रिवेणी, दो चीकू के पौधे लगाने के अलावा छह अलग–अलग पौधे लगाए। फाउडेशन चेयरमैन ऋषिराम शर्मा ने कहा कि अपने जीवन में पौधरोपण जरूर करना चाहिए। एक पौधा मां के नाम से जरूर लगाने के साथ–साथ उसकी देखरेख भी करनी चाहिए। परिवार में कोई भी खुशी हो तो पौधरोपण जरूर करें। पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण करना आज जरूरी है। पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी बनती है। ऐसे में हमें चाहिए कि खुद पौधरोपण करने के साथ–साथ दूसरों को भी पौधरोपण करने के लिए प्रेरित करें। इस मौके शीशराम अत्री, रघुबीर शर्मा रेंजर, सुखदेव पटवारी मौजूद रहे।

नशा के तहत विद्यार्थियों, ग्रामीणों को किया जागरूक

उचाना मंडी (अप्रस/मित्तल)। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के दिशा निर्देशन में नशा मुक्ति टीम इंचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार व उनकी टीम द्वारा एसबीएम पब्लिक स्कूल काकड़ोद, उदयपुर में डोरटूडोर सर्वे कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। नशा मुक्ति टीम इंचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार, स्कूल प्रिंसिपल संदीप शर्मा एवं स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। नशा मुक्ति टीम ने गांव उदयपुर में डोरटूडोर जाकर आमजन से संवाद कर नशे से दूर रहने तथा नशा तस्करों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की गई। एसबीएम पब्लिक स्कूल गांव काकडोद में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नरेश कुमार ने कहा नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। विद्यार्थी देश का भविष्य हो। पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ, नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। अगर गांव या आस–पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें । विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया, जिसमें पुलिस टीम, स्कूल स्टाफ ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यार्थियों के बीच रस्साकसी का फैंडली मैच भी आयोजित किया गया।

अस्पताल में लाभार्थियों को वितरित किए नि:शुल्क चश्मे

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। आखों की सेहत सुधारने और रोके जा सकने वाले अंधत्व की रोकथाम करने की दिशा में हरियाणा सरकार ने एक और विशेष पहल की शुरूआत करते हुए प्रदेश में उज्वल दृष्टियोजना की शुरूआत की है। इस योजना की शुरूआत वर्चुवल माध्यम से हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने हिसार से की थी। योजना के तहत एसएमओ संजय आंतील और एसएमओ निधि मुंजाल नें सयुंक्त तौर पर जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना चालीस से पचास ओपी?ी आ रही हैं। जिसमें सिविल अस्पताल समालखा में रोजाना लाभार्थियों को जाँच के बाद करीब 10 निन्शुल्क चश्में वितरित किए जा रहें हैं। इस योजना का एक मात्र उद्देश्य है प्रदेश वासियों को धुधलापन व कम नजर से मुक्ति दिलाना। इस योजना के तहत स्कूली बच्चों को निशुल्क चश्में उपलब्ध कराने और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निकट दृष्टि सुधार के लिए मुफ्त चश्में दिए जाएगें। वहीं एसएमओ निधि मुंजाल नें बताया कि अस्पताल में 11जुलाई को कैम्प लगाया गया था। जिसमें असिस्टेंट नीतू रानी के द्वारा करीब 110 मरीजों की जाँच कर करीब 55 चश्मे वितरित किए थे। साथ ही उन्होंने बताया कि अब धुंधलापन या कम नजर जिंदगी में रूकावट नहीं बनेगी। यह योजना केवल नेत्र जांच और चश्मा वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हरियाणा के नागरिकों को आत्मनिर्भर, समान और स्वस्थ समाज की ओर अग्रसर करने की एक ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि उज्वल दृष्टि योजना के तहत उपमंडल समालखा के नागरिकों को धुंधलापन व कम नजर से मुक्ति दिलाने के लिए नागरिक अस्पताल में मुफ्त चश्मे दिए जाएगें। आमजन किसी भी कार्यदिवस में अस्पताल व सीएचसी केंद्र पर जाकर अपनी आंखों की जांच करवाकर मुफ्त में चश्में प्राप्त कर सकते है।

रेलवे रोड का लोड कम करने के लिए लगाया 100केवी का नया ट्रांसफार्मर

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। शहर के रेलवे रोड और सर्विस रोड पर बिजली विभाग के द्वारा गर्मी में बढ़ती बिजली आपूर्ति को लेकर पुराना बस स्टैंड पर 100केवी का ट्रांसफार्मर रखा गया। मौके पर जेई कुलदीप नें जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा स्थिति में त्यागी ट्रांसपोर्ट के बाहर 200केवी लोड का ट्रांसफार्मर रखा हुआ हैं। जिस पर सर्विस रोड और रेलवे रो? पर सप्लाई हैं। जिस पर अक्षमता से अधिक लोड होने की वजह से अधिक समस्या बनी हुई थी। समस्या के समाधान और आमजन को राहत देने के उद्देश्य से उच्च अधिकारियो के दिशा निर्देश से 100केवी का ट्रांसफार्मर रखा गया हैं। जिससे आमजन को काफी राहत मिलेगी। ट्रांसफार्मर का फायदा मुख्य रूप से रेलवे रोड के दूकानदारों को मिलेगा। साथ ही उन्होंने आमजन से बारिश के मौसम को लेकर मुख्य नसीहत दीं कि बिजली के तारों, खंभों और उपकरणों से दूर रहें, और पानी तथा बिजली के संपर्क से बचें। बिजली विभाग ने यह भी सलाह दी है कि बारिश के दौरान बिजली गिरने की संभावना अधिक होती है, इसलिए घर के अंदर रहें और खुले स्थानों, पेड़ों, और पानी के स्रोतों से दूर रहें। बारिश के दौरान बिजली के उपकरणों का उपयोग कम करें, और यदि आवश्यक हो, तो बिजली के स्विच और प्लग को छूने से बचें। यदि आपको कोई कही भी बिजली की समस्या दिखाई देती है, तो तुरंत बिजली विभाग को सूचित करें।

हांसी पुलिस ने गांव उमरा में आयोजित करवाई कबड्डी प्रतियोगिता

अर्थ प्रकाश/दिनकर गावड़ी

हांसी, 18 जुलाई। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार नशा मुक्ति अभियान के तहत हांसी पुलिस ने खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांव उमरा में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।हांसी पुलिस की नशा मुक्ति टीम इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांव उमरा में आयोजित प्रतियोगिता में गांव मुजादपुर, सुल्तानपुर, ढंडेरी, नलवा और धमाना की कुल 6 गांवो की टीमों ने भाग लिया। सभी मैचों में सभी खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। सभी मुकाबले कड़े टक्कर के रहें।जिसमें फाइनल मैच गांव उमरा और धमाना की टीमों के बीच जबरदस्त कांटे का मुकाबला हुआ। जिसमें गांव उमरा की टीम ने फाइनल मैच में गांव धमाना की टीम को 19-17 से हराकर जीत हासिल की। विजेता टीम को हांसी पुलिस की तरफ से आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया गया और सभी खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट करवाया गया। सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों, युवाओं और खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ और सड़क सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई। नाबालिग बच्चों को बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने हेतु बताया गया। नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए नशे से दूर रहने तथा गांव और आस-पास नशे से सम्बंधित सामान बेचने वालों की सूचना पुलिस को देने हेतु प्रोत्साहित किया। सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने आस पास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ ली।

विनोद कौशिक ने संभाला जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र, 18 जुलाई। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने औपचारिक रूप से जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात विनोद कौशिक ने सभी कार्यालय स्टाफ एवं अधिकारियों को संबोधित किया। विनोद कौशिक ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्धता किसी भी कार्यालय की कार्यक्षमता के मूल स्तंभ हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से करें, ताकि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे स्वयं सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगे और विद्यालयों के निरीक्षण को प्राथमिकता पर रखेंगे, ताकि मौलिक शिक्षा को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाया जा सके।गौतम दत्त ने कार्यभार ग्रहण करने पर विनोद कौशिक को शुभकामनाएं दीं। वहीं, हरियाणा स्कूल लेक्चरर्स एसोसिएशन (हसला) के जिला प्रधान डॉ. तरसेम कौशिक तथा चैयरमैन सतबीर कौशिक ने श्री कौशिक को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी इंदु कौशिक, खंड शिक्षा अधिकारी पिहोवा संजय शर्मा, जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. तरसेम कौशिक, जिला उल्लास कॉर्डिनेटर संजय कौशिक, अतुल कुमार शर्मा, गौतम दत्त, विजेंदर शर्मा, सतबीर कौशिक, सुनील कौशिक, अमित कौशिक, अमित मालिक, रमेश सैनी, जसबीर सैनी, हरीश शर्मा, तनुपमा शर्मा एवं ऋतु गुप्ता उपस्थित रहे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन ने कांवड़ शिविरों में करवाई स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध

कुरुक्षेत्र (अप्रस/वालिया)। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के गांव बाहरी दर्रा खेड़ा और थानेसर व लाडवा में लगाए हुए कांवड़ शिविरों में लोगों व कांवड़ियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। उपरोक्त जानकारी देते हुए सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम द्वारा आज दो मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से गांव बाहरी दर्रा खेड़ा और थानेसर में पुराने बस स्टैंड पर व लाडवा में प्रकाश राइस मिल के पास लगाए गए कांवड़ शिविरों में कांवड़ियों की जांच, उपचार और नि:शुल्क दवाइयां दी गई। इन शिविरों में मोबाइल मेडिकल युनिट द्वारा नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये गये। उन्होंने बताया कि आज के मोबाइल मेडिकल यूनिट के शिविरों में 166 लोगों को परामर्श और जांच के बाद नि:शुल्क दवाईयां दी गई साथ ही लोगों को रक्त एवं युरिन के टेस्ट की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई कराई गई।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर 5 लाख ठगे, गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 18 जुलाई। पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर 13/17 पुलिस ने ग्रुप सी की सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर अंसल निवासी युवक से 5 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने के आरोपी को वीरवार शाम को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान चंदौली निवासी जसबीर के रूप में हुई है। आरोपी जसबीर बिजली विभाग में क्लर्क के पद पर वर्तमान में अंबाला में तैनात है।

थाना सेक्टर 13/17 प्रभारी सब इंस्पेक्टर विनोद ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी जसबीर ने मामले में नामजद आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रचकर नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पूछताछ में आरोपी ने उक्त वारदात के अतिरिक्त नौकरी लगवाने व विदेश भेजने के नाम पर अन्य 9 लोगों के साथ करीब 43 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने बारे स्वीकारा। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी जसबीर को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे 8 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ करने साथ ठगी गई नगदी बरामद करने व अन्य आरोपियों के ठीकानों का पता लगा काबू करने का प्रयास करेंगी।

यह है मामला: थाना सेक्टर 13/17 में अंसल निवासी रोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह पानीपत कचेहरी में एक वकील के पास इंटर्नशिप कर रहा है। वकील के पास पानीपत बिजली बोर्ड का पैनल है। किला सब डिविजन में तैनात कर्मचारी चंदौली निवासी जसबीर चैंबर पर आता था जो किला सब डिविजन के केसों की डिलिंग करता था। जसबीर ने उससे कहा वह एचएसएससी ग्रुप सी में सरकारी नौकरी लगवा देगा। उसके भाई सतबीर व उसके जीजा की उच्च अधिकारियों के साथ अच्छी पहुंच है। वह भी उन दोनों को पैसे देकर नौकरी लगा है। जसबीर ने ग्रुप सी की नौकरी लगवाने के उससे 10 लाख रूपए मांगे। जिसमें 5 लाख रूपए पहले व बाकी पैसे नौकरी लगने के बाद देने की बात कही। उसने जसबीर पर विश्वास कर लिया और सीनियर वकील को साथ लेकर जसबीर के घर गया। जहा उन्हें जसबीर उसका भाई सतबीर व पत्नी मिली। उन सभी ने एचएसएससी बोर्ड में अच्छे संबंध होने का आश्वासन दिया। विश्वास कर उन्होंने हां कर दी। उससे वर्ष 2024 में 1 अगस्त से 4 अगस्त के बीच 5 लाख रूपए कैश व ऑनलाईन खातों में ले लिए। पैसे लेकर 4 महीने में नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया। जसबीर ने बाद में बहाने बनाकर टालना शुरू कर दिया और अपनी बहन व जीजा से फोन पर बात कराई। उन दोनों ने नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया। बाद में जसबीर ने अपनी मजबूरी जाहिर करते हुए नौकरी नहीं लगवाने की बात कहते हुए उसको दो चेक दिए। दोनों चेक खाते में लगाने पर बाउंस हो गए। बाद में आरोपी ने पैसे देने से मना कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। सभी आरोपियों ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर उसके साथ 5 लाख रूपए की धोखाधड़ी कर ली।

'राष्ट्रीय साधन व योग्यता छात्रवृत्ति योजना' पर विशेष प्रशिक्षण वर्कशॉप सोमवार को

अंबाला (जयबीर राणा थंबड)। अंबाला जिले में सत्र 2025–26 के लिए राष्ट्रीय साधन व योग्यता छात्रवृत्ति योजना से जुड़े नोडल अधिकारियों के लिए आगामी सोमवार, 21 जुलाई को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। यह कार्यशाला पी.एम.श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बलदेव नगर अंबाला शहर में होगी। जिला गणित विशेषज्ञ एवं नोडल अधिकारी सुशील अरोड़ा ने बताया कि छात्रवृत्ति की राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाएगी, लेकिन इसके लिए हर छात्र को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर हर वर्ष दस्तावेजों सहित आवेदन करना आवश्यक है। इन आवेदनों की जांच और सत्यापन की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालयों के नोडल अधिकारियों और प्रधानाचार्यों की होती है, जिसके बाद ही छात्रवृत्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ती है। यह योजना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित की जाती है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे माध्यमिक स्तर पर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

कावड़ियों का कैंटर पलटा, दर्जनों कांवड़ियों को लगी चोटें

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 18 जुलाई। नेशनल हाइवे हिसार चंडीगढ़ रोड पर बदोवाल के पास आईसर कैंटर का अचानक टायर फटने से एक्सीडेंट हो गया जिसमें लगभग 2 दर्जन कावि?यों को चोटें आई है जिन्हें इलाज के लिए नरवाना के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया । सदर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उल्लेखनीय है कि फतेहाबाद जिले के गांव बिगड़ निवासी 22 लोग हरिद्वार कांवड़ लेने के लिए जा रहे थे की नरवाना के बदोवाल गांव के पास हादसा हो गया जिसमें

संदीप उम्र 38 वर्ष

- सुमीत उम्र 30 वर्ष पुत्र राजकुमार - सोरभ उम्र 25 वर्ष पुत्र सुरेश

-विकी उम्र 22 वर्ष पुत्र अनिल

- सन्नी 26 वर्ष पुत्र बंसी लाल - नानक 28 वर्ष पुत्र रामकुमार - हिमांशु उम्र 19 वर्ष रोहतास -कमल 22 वर्ष पुत्र छिन्दरपाल - जोनी उम्र 21 वर्ष पुत्र भोला राम - ललित उम्र 25 वर्ष पुत्र प्रेम सिंह - सोनू उम्र 19 वर्ष पुत्र कृष्ण - अंकित उम्र 20 वर्ष पुत्र विक्की

कृष्ण उम्र 22 वर्ष पुत्र राकेश वासियान बिगड़ जिला फतेहाबाद।

- प्रिंस उम्र 20 वर्ष पुत्र जंतर सिंह वासी किरडान जिला फतेहाबाद को मामूली चोटे आई है जिनको इलाज के लिए नागरिक हस्पताल नरवाना में लाया गया है ,जहाँ हिमांशु पुत्र रोहतास को अग्रोहा के लिए रेफर किया गया है।

सीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए नि:शुल्क बस सेवा का होगा प्रबंध

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 18 जुलाई। उपायुक्त डॉक्टर विरेन्द्र कुमार दहिया ने जानकारी देते ने हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा सीईटी परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 26 एवं 27 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए हरियाणा रोडवेज की ओर से निन्शुल्क बस सेवा प्रदान की जाएगी। यह सेवा अभ्यर्थियों को उनके नजदीकी जिला स्तरीय बस अड्डे से परीक्षा केंद्र तक पहुँचने और वापसी हेतु उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के 24 डिपो और 13 उप-डिपो से संचालित लगभग 9,200 बसें इस उद्देश्य के लिए चलाई जाएंगी। जिन अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र 100 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आवंटित किया गया है, उनके लिए इंटरचेंज प्वाइंट की विशेष व्यवस्था की गई है।

विशेष सुविधाएं: महिला अभ्यर्थी एक पारिवारिक सदस्य के साथ भी फ्री बस सेवा का लाभ ले सकेंगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को घर से ही निन्शुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। दूर दराज से आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक दिन पहले और एक दिन बाद भी यह सुविधा दी जाएगी। रात्रि विश्राम हेतु जिला प्रशासन द्वारा आवासीय व्यवस्था की जाएगी। असुविधा की स्थिति में तुरंत सहायता हेतु हर जिले में टोल फ्री हेल्पलाइन भी जारी की जाएगी। सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे यात्रा के लिए पंजीकरण अवश्य करवाएं, ताकि आवश्यकता अनुसार बस सेवाओं की समुचित व्यवस्था की जा सके। ऑनलाइन अग्रिम सीट बुकिंग के लिए लिंक = एचटीटीपीएस=//एचएआरटीआरएएन एसडॉटजीओवीडॉटइन/एडवांस-बुकिंग-फॉर-सीईटी-2025 यह कदम राज्य सरकार द्वारा युवाओं की सुविधा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक और मजबूत पहल है।

राज्यपालश्री के नेतृत्व में गुरुकुल में प्राकृतिक खेती पर हुई 'किसान गोष्ठी'

प्राकृतिक खेती एक विकल्प नहीं, आज की जरूरत है: आचार्य देवव्रत

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 18 जुलाई। देश-विदेश में विशुद्ध भारतीय पारम्परिक खेती 'प्राकृतिक खेती' को पहचान दिलाने वाले गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी के नेतृत्व में हरियाणा के विभिन्न जिलों में प्राकृतिक खेती करने वाले अनेक प्रगतिशील किसानों की एक विशेष 'किसान गोष्ठी' गुरुकुल परिसर में हुई। इस दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती के अपने अनुभव माननीय राज्यपालश्री सहित अन्य किसानों के साथ सांझा किये और तमाम किसान बन्धु प्राकृतिक खेती के परिणामों से न केवल संतुष्ट नजर आए अपितु प्राकृतिक खेती को 'उन्नत भारत का भविष्य' करार दिया। इस अवसर पर विशेष रूप से प्राकृतिक खेती के विस्तार में अहम भूमिका निभा रहे विख्यात कृषि वैज्ञानिक पदमश्री डॉ. हरिओम, डॉ. बलजीत सहारण आदि भी मौजूद रहे।

आचार्यश्री ने विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राकृतिक खेती पर हुई चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि 'राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन' को लेकर प्रधानमंत्री जी बहुत गंभीर है और विभिन्न प्रदेशों में प्राकृतिक खेती के सफल प्रयोगों से अब यह स्पष्ट हो गया है कि केवल प्राकृतिक खेती से ही देश के किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती केवल एक विकल्प नहीं अपितु समय की अनिवार्यता है। राज्यपालश्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती के उत्पादों की प्रमाणिकता और मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है जिससे प्राकृतिक खेती करने वाले किसान अपने उत्पादों का सर्टिफिकेशन आसानी से करवा पाएंगे, बाजार में उनके प्राकृतिक उत्पादों को अलग से पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज मार्किटिंग-ब्रांडिंग का दौर है, ऐसे किसान केवल खेतों पर सीमित न रहे बल्कि अलग-अलग प्रोडक्ट बनाएं और अपने उत्पादों की बिक्री के लिए स्वयं बाजार तैयार करें। खेती में प्रयोग होने वाले केमिकल से आज लोग अनेक बीमारियों से ग्रस्त है, ऐसे में यदि प्राकृतिक खेती के उत्पाद उन्हें उपलब्ध हों तो उसे दोगुनी कीमत पर भी लेने को तैयार हैं। आचार्यश्री ने सभी किसानों से आह्वान किया कि अपने क्षेत्रों में किसानों को प्राकृतिक खेती की वास्तविकता से परिचित कराएं जिससे किसानों के मन में कम उत्पादन को लेकर जो भ्रम वह दूर हो और अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं।

किसान गोष्ठी में प्रगतिशील किसान सरदार गज्जन सिंह, जौनी राजा, हरमेश काम्बोज, जितेन्द्र सिंह, बीरेन्द्र सिंह, फूलकुमार, कुलबीर सिंह, नरबीर सिंह, अमरीक सिंह, भीम सिंह डागर, कुलबीर सिंह, जसविन्द्र सिंह, सूरजभान, हरजिन्द्र सिंह, सुनील कुमार,, कश्मीर सिंह, पंकज कुमार, अमरिन्द्र कुमार, योगेश महन्त, रविन्द्र बावा, हरविन्द्र सिंह, नसीब कुमार, सन्दीप नाहरा, संतोष देवी, कपिल शर्मा, सतीश कुमार, कंवरभान कौशिक, भीखूराम गोयल, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे और सभी ने अपने-अपने अनुभव सांझा किये।

मोक्ष प्रदाता, संपूर्ण चराचर जगत के नाथ-काशी विश्वनाथ

काशी विश्वनाथ की महिमा अपरंपार है। उनकी महिमा का वर्णन करना तो सूरज को दिया दिखाने के समान है। काशी जहाँ के कण-कण में शिव विराजमान है वहाँ के काशी विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की महिमा भी शब्दों से परे हैं। काशी को मुक्ति का मार्ग माना गया है। हर सनातनी मनुष्य अपने जीवन काल में कम से कम एक बार तो गंगा स्नान और काशी विश्वनाथ के दर्शन अवश्य करना चाहता है। काशी को भगवान शंकर की बसायी गयी नगरी माना जाता है। काशी न केवल धार्मिक नगरी है बल्कि भगवान शंकर एवं माता पार्वती के आपसी सम्मान, स्नेह एवं अटूट बंधन की प्रतीक स्थली भी है जहाँ भगवान शंकर, माता पार्वती की भावनाओं का आदर करते हुए स्वयं उनके साथ यहाँ ज्योर्तिलिंग स्वरूप में स्थापित हो गए।

काशी नगरी जहां घर-घर में शिवालय है, जगह -जगह भगवान शंकर के शिवलिंग हैं, वहाँ का कण-कण शिव भक्ति से ओतप्रोत है। यहाँ की सुबह गंगा मैय्या के जयकारे से आरंभ होती है तो अनगिनत शिवालयों के हर-हर महादेव और जय विश्वनाथ के उद्घोष से सारे दिन और रातें गुंजायमान रहती हैं। ऐसे काशी विश्वनाथ की महिमा अनुपम, अनोखी और न्यारी ही है।

पुराणों के अनुसार द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सातवें क्रम के काशी विश्वेशर ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति सबसे पहले हुई है । मान्यता है कि इसी स्थान पर ब्रह्मा, विष्णु और भगवान शंकर के मध्य अपनी अपनी श्रेष्ठता के लिए वार्तालाप हुआ तब यहीं एक विशालकाय ज्योति पुंज के रूप में भगवान शंकर प्रकट हुए और निर्णय हुआ कि जो भी इस ज्योति पुंज की उत्पत्ति (आरंभ) और अंत का पता लगा लेगा वही सर्वश्रेष्ठ होगा। तब ब्रह्मा जी हंस का रूप धारण करके स्वर्ग में इस ज्योतिस्तंभ के शीर्ष (ऊपरी भाग) का पता लगाने गए और भगवान विष्णु इस ज्योति पुंज के आधार का पता लगाने वराह रूप धारण करके पाताल की ओर गए। ब्रह्मा और विष्णु दोनों ही इस ज्योतिपुंज के आरंभ और अंत की खोज नहीं कर पाए। विष्णु जी ने इसे स्वीकार कर लिया कि वे इस ज्योति पुंज के मूल को नहीं खोज पाए , लेकिन ब्रह्मा जी ने पाँच साक्षियों के साथ इस स्तंभ के शीर्ष को देखने की बात कही। इस पर रुष्ट होकर भगवान शंकर ने ब्रह्मा जी को श्राप दिया कि अब वे इस पृथ्वी पर पूजे नहीं जाएंगें। यहीं पर भगवान विष्णु को सत्य बोलने के कारण सदैव पूजनीय रहने का सम्मान मिला। तभी से देवाधिदेव महादेव इस संपूर्ण चराचर जगत के नाथ के रुप में ज्योतिर्लिंग स्वरूप में यहां

प्रतिष्ठित हैं।

स्कंद पुराण में काशी विश्वनाथ की महिमा में एक पूरा काशीखंड है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के काशी रहस्य खंड़ एवं श्री शिवमहापुराण के कोटिरुद्रसंहिता अध्याय में भी काशी विश्वनाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन है। इनके अलावा ऋग्वेद, रामायण एवं महाभारत में भी काशी विश्वनाथ के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी वर्णन है कि माता पार्वती एवं भगवान शंकर का विवाह कैलाश पर्वत पर हुआ था। माता पार्वती कैलाश पर नहीं रहना चाहती थी इसलिए वे अपने पिता के घर रहने लगी। वहाँ भगवान शंकर उनसे मिलने आते रहते थे। विवाहिता माता पार्वती को अपने पिता के यहां रहना उचित प्रतीत नहीं होता था। इसलिए उन्होंने महादेव जी कहीं अन्यत्र बसने का आग्रह किया। तब माता पार्वती की भावनाओं का आदर एवं सम्मान करते हुए भगवान शंकर ने काशी नगरी में रहने का निर्णय लिया और संपूर्व विश्व के नाथ बनकर काशी नगरी में माता पार्वती के साथ निवास करने लगे।

अनेक धार्मिक मान्यताओं, धर्मग्रंथों एवं स्कंद पुराण आदि ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव की यह नगरी उनके त्रिशूल पर बसी हुई है और जब प्रलयकाल में संपूर्ण पृथ्वी का नाश होगा तब यही एक नगरी शेष बचेगी और पुनः सृष्टि का प्रारंभ यहीं से होगा।

काशी के बाबा विश्वनाथ को विश्वेश्वर महादेव के नाम से भी पुकारा जाता है जिसका अर्थ ही संपूर्ण विश्व के नाथ, स्वामी या शासक है। इस प्रकार काशी विश्वनाथ संपूर्ण जगत, संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी हैं। काशी नगरी में उनकी आराधना एवं स्मरण मात्र करने से मनुष्य जन्म जन्मांतरों के दुखों एवं पाप कर्मों से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त करता है।

सफलता की कुंजी है संघर्ष : मुनिश्री विनय कुमार जी

चंडीगढ। जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है ! एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने बाद पीछे ना देखे बल्कि पुरे जूनून और विश्वाश के साथ बाकि की आधी दूरी तय करे , बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योकि लौटने पर आपको उतनी ही दुरी तय करनी पड़ेगी जितनी दुरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुंच सकते हो! आप सब सोचते होंगे पढना लिखना और कहना आसान है लेकिन करना बहुत मुश्किल है ! ये बात हम सब जानते है सरलता और सहजता से किसी को हाशिल नहीं हुआ है ! इतिहास गवाह है इस बात का की आज भी लोग महान कमयाब लोगो को उनके किये हुए संघर्ष की वजह से याद करते है! संघर्ष जीवन में उतार - चढ़ाव का अनुभव करता है , अच्छे -बुरे का ज्ञान करवाता है, सक्रिय रहना सिखाता है समय की कीमत सिखाता है, जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीना सीखते है ! ये शब्द मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमारजीआलोक ने सैक्टर 24सी अणुव्रत भवन में सभा को संबोधित करते हुए कहे।

मनीषीश्रीसंत ने आगे कहा अगर हम सरल शब्दों में संघर्ष को परिभाषित करे तो हम सब संघर्ष से घिरे हुए और जो सफलता या सीख मिलती है वो संघर्ष की ही देन है। संघर्ष जीवन को निखारता, संवारता व तराशता हैं और गढ?र ऐसा बना देता हैं, जिसकी प्रशंसा करते जबान थकती नहीं। संघर्ष हमें जीवन का अनुभव कराता हैं, सतत सक्रिय बनाता हैं और हमें जीना सिखाता हैं। संघर्ष का दामन थामकर न केवल हम आगे बढ़ते हैं, बल्कि जीवन जीने के सही अंदाज़ को आनंद को अनुभव कर पाते हैं। दुनिया में हर व्यक्ति सफलता को पाना चाहता और सफलता की उम्मीद करता है और सफलता पाने के लिए वह व्यक्ति अथक प्रयास करता रहता है और कुछ व्यक्ति सफलता को आसानी से प्राप्त कर लेते है और कुछ सफलता के पीछे भागते रह जाते है लेकिन उन्हें समय पर सफलता नहीं प्राप्त होती है, जो व्यक्ति सफलता को आसानी से प्राप्त कर लेते है संघर्ष वो भी करते है पर उन्हें थोड़े संघर्ष में ही सफलता मिल जाती है क्योकि वह व्यक्ति उस सफलता की तलाश में था जो उसे आसानी से मिल जाये या फिर उसकी किस्मत उससे संघर्ष करवाना ही न चाहती हो, परन्तु कुछ व्यक्ति ऐसी सफलता की राह में निकल जाते है जिसकी डगर बहुत कठिन होती है और वे पूरा संघर्ष करने के बाद भी असफल हो जाते है या फिर सफलता के पास पहुंचने से पहले हार मान जाते है , जो हार मान कर पीछे हट जाते है उनके लिए वह संघर्ष बेकार रहता है क्योकि वह उस संघर्ष से कुछ नहीं सीखते और खुद में इतना टूट जाते है की गलत कदम उठा लेते है , और जो सफलता तक पहुंचने तक हार नहीं मानते जीवन का असली मूलमंत्र सीख जाते है, क्योकि जो संघर्ष वह सफलता पाने के लिए कर रहे है वह उन्हें बहुत कुछ सीखा जाता , सबसे अहम तो वह ठोकर खाकर सम्भलना और गिरकर उठना सीखा देता है , सबसे बड़ी खाशियत यही तो है संघर्ष की, कि इंसान को जीवन जीने का तरीका सीखा देती है !

लो नमन भगवन, तुमको पुकारे यह सारा चमन : पूज्य अरुण मुनि जी

अर्थ प्रकाश/ सुभाष जैन

पानीपत। आज जैन धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत भावुक और पुण्यकारी दिवस रहा। यह वही दिन है जब 2007 में संयम, साधना और समर्पण की साक्षात प्रतिमा भगवानश्री रामप्रसाद जी महाराज ने चौविहारी संथारे सहित देह त्याग कर देवलोक गमन किया था। सभा में विराजमान संघ शास्ता, शासन प्रभावक गुरुदेव सुदर्शन लाल जी महाराज के सुशिस्य आगम ज्ञाता योगिराज युवा प्रेरक पूज्य अरुण मुनि जी महाराज ने अपने शिष्यों सहित भगवन श्री की स्मृति को नमन करते हुए कहा वे केवल व्यक्ति नहीं, एक युग थे। संयम उनका स्वभाव था, करुणा उनकी पहचान थी, और आत्मज्ञान उनका तेज था। उनका जीवन धर्म की पाठशाला था और उनकी मुस्कराहट आत्मा को छू लेने वाली थी।

गहराई से भावुक होते हुए मुनिश्री ने एक अत्यंत विनम्र और मार्मिक वाक्य कहा- 'सौ अरुण मुनि भी एक भगवन नहीं बन सकते।'

यह वाक्य न केवल उनकी विनम्रता को दर्शाता है, बल्कि भगवानश्री की दिव्य महिमा और अप्रतिम आत्मशक्ति को श्रद्धा से परिभाषित करता है।

पूज्य मुनिश्री ने भगवानश्री के कई नगमें गुनगुनाए और उनके जीवन के प्रेरणास्पद प्रसंगों को साझा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में उपस्थित जनसमूह उन क्षणों में आध्यात्मिक भावनाओं में डूबा रहा।

भगवानश्री-संयम, शील और साधना के प्रतीक भगवानश्री रामप्रसाद जी महाराज का जीवन तप, त्याग, सेवा और आत्मिक ऊंचाई का प्रतीक रहा। वे चलती-फिरती यूनिवर्सिटी कहे जाते थे। उनका मौन भी शिक्षा देता था और उनकी दृष्टि भी दिशा दिखाती थी। विनय, वात्सल्य और विवेक उनके व्यवहार के अभिन्न अंग थे। सुभाष जैन ने बताया कि गोहाना का वही स्थान जहाँ उन्होंने चौविहारी संथारे सहित समाधि प्राप्त की, अब 'भगवन धाम' कहलाता है। यह धाम केवल एक भवन नहीं, श्रद्धा और साधना की ऊर्जा का केंद्र बन चुका है। श्रद्धांजलि के शब्द- आत्मा से निकली आवाज गुरुजी आपकी वाणी हमें अब याद आती है, वो शक्लें रूहानी, गुरुजी अब याद आती है... सभा का समापन इस भावुक श्रद्धांजलि के साथ हुआ, जिसमें हर हृदय से भावनाएं छलक उठीं।

श्रद्धालुजनों, मुनिवृंद, श्रावक-श्राविकाओं और नगरवासियों की भारी उपस्थिति ने इस स्मृति सभा को एक दिव्य आयोजन का रूप दे दिया। ऐसे संयम के समुद्र, प्रेम के प्रतीक, आत्मा के प्रकाश स्तंभ पूज्य भगवानश्री को कोटिशः नमन।

संत न होते जगत में तो जल मरता संसार

सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

आज हम अपने देश में ही देखें, प्रान्तों में ही देखें, बहुत सारे नारे लग रहे हैं देश प्रेम के, ऐसा दिखाया जा रहा है कि हम बहुत देश प्रेमी है, हमें अपने देश से बहुत प्रेम है लेकिन वास्तव में किस प्रकार वे सिक्कों पर बिकने वाले लोग निकलते हैं। कर्म हो रहा है देश को नुकसान पहुँचाने वाला। इसी प्रकार विश्व में भी यही हालत देखने को मिल रही है। अगर हम नाम को, हरि को विशेषता दें तो दूसरों को बचाने में सभी शक्तियों को, दौलतों को लगायेंगे, जिससे विश्व का कल्याण होगा और अगर ताकतों और दौलतों की प्राप्ति को विशेषता दें तो दूसरों को मिटायेंगे, हुकूमतें प्राप्त करने के लिए दूसरों पर जुल्म करेंगे।

अतः अपना भी पतन हो जायेगा। यही अन्तर होता है भावना का। बाकी तो हम देख ही रहे हैं कि जिनको ताकतें प्राप्त हो जाती है, वे क्या-क्या कर गुजरते हैं- अहले दानिश को इस बात पर हैरानी है। शहर कागज का है, शोलों की निगेहबानी है। भाव, अगर शोले कागज की निगेहबानी करेंगे तो वह जल ही जायेयगा। इसी प्रकार आम लोग तो पहले ही लड़ने-मरने को तैयार हैं। इन्हें झगड़ों से दूर करने के बजाय अपनी हिर्स (लालच) की पूर्ति के लिए और लड़वाया जा रहा है। किसी को प्रान्त का नारा देकर, किसी को भाषा का नारा देकर, किसी को जाति का नारा देकर लड़वाया जा रहा है। सभी इस आग को बढ़ाने में ही लगे हुए हैं। लेकिन जो सन्तजन-महापुरुष हैं, वे शोलों के रूप नहीं है, ये एक-दूसरे के हृदय में घृणा, नफ़रत नहीं भरते हैं बल्कि इन्हें बचाने का कार्य करते हैं। कहा भी है-

सन्त न होते जगत में तो जल मरता संसार।

आप सन्त ही इस डूबती हुई मानवता को बचा रहे हैं। अगर ऐसी प्रवृत्ति है तो ताकतें भी कल्याण में लगती हैं। राजा जनक है। राजसत्ता है लेकिन महत्ता इस सत्य को, हरि को दे रहे हैं। इसलिए किसी पर जुल्म नहीं कर रहे हैं। इस ढंग से राज्य चलाया जा रहा है जिससे सभी का कल्याण हो, सभी तरक्की करे, सुख प्राप्त करें। ऐसी सत्ता प्राप्त करने में कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि प्राप्त समर्थाएं जन-कल्याण में लग रही है। कहने का भाव, जो इस हरि को, प्रभु को विशेषता देते हैं, वेवास्तव में जीवन यात्रा को सही ढंग से जी पाते हैं। उनका संसार में रहना सार्थक हो जाता है। वे महलों में रहे या झोपड़ी में, निरन्तर सही जीवन जीते हैं तथा संसार को भी एक सही योगदान ही देते हैं।

पंचांग

शनिवार, 19 जुलाई, 2025, सूर्योदयः 05:35 ए एम, सूर्यास्तः 07:19 पी एम, चन्द्रोदयः 12:47 ए एम, जुलाई 20, चन्द्रास्तः 02:01 पी एम, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वतः 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वतः 2081 नल, अमान्त महीनाः आषाढ़, पूर्णिमान्त महीनाः श्रावण, वारः शनिवार, पक्षः कृष्ण पक्ष, तिथिः नवमी - 02:41 पी एम तक, नक्षत्रः भरणी - 12:37 ए एम, जुलाई 20 तक, योगः शूल - 12:55 ए एम, जुलाई 20 तक, करणः गर - 02:41 पी एम तक, द्वितीय करणः वणिज - 01:28 ए एम, जुलाई 20 तक, सूर्य राशिः कर्क, चन्द्र राशिः मेष, राहुकालः 09:01 ए एम से 10:44 ए एम, गुलिक कालः 05:35 ए एम से 07:18 ए एम, यमगण्डः 02:10 पी एम से 03:53 पी एम, अभिजित मुहूर्तः 12:00 पी एम से 12:55 पी एम, दुर्मुहूर्तः 05:35 ए एम से 06:30 ए एम, दुर्मुहूर्त, 06:30 ए एम से 07:25 ए एम, अमृत कालः 08:08 पी एम से 09:38 पी एम, वर्ज्यः 11:11 ए एम से 12:40 पी एम।

भविष्य फल

मेषः आज के दिन आपको कोई बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए। व्यापार में अच्छी गति से आपको लाभ होगा।

वृषः आज कार्य क्षेत्र में आप नई योजनाओं की ओर ध्यान देंगे, जिससे आपको भरपूर लाभ मिलता दिख रहा है। अपने भाई बहनों के साथ संबंधों में मधुरता आएगी।

मिथुनः आज आपको कुछ उत्तरदायित्व वाला काम मिलने वाला होगा। इससे आपको थोड़ी दिक्कतें भी हो सकती हैं। लेकिन धैर्य रखेंगे तो थोड़ा अच्छा भी फील होगा।

कर्कः आज आप अपने भविष्य को लेकर विचार करेंगे। आप अपने करियर को बेहतर बनाने के बारे में सोच सकते हैं। कार्यस्थल पर सबके साथ आपके संबंध बेहतर होंगे।

सिंहः आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चे भरा रहेगा, लेकिन यदि आप खर्चों पर नियंत्रण रख पाए, तो दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

कन्याः कोई अगर आपकी ओर प्रेम-प्रणय का हाथ बड़ा रहा है तो अपना स्टेट्स देखकर ही उसका जवाब दें।

तुलाः आज आपकी कल्पना शक्ति आपके लक्ष्य को प्राप्त करने मेंसहायता करेगी। आप पहले से ज्यादा बेहतर ढंग से अपने काम को पूरा करेंगे।

वृश्चिकः आज आपके प्रेम जीवन में एक नई ऊर्जा उत्पन्न होगी, जिससे आप का मन प्रसन्न होगा।

धनुः यदि आप किसी उलझन में हैं या फिर प्रेमीजन की किसी बात से परेशान हैं तो आपको अपनी मजबूरी या असमर्थता साफ-साफ जाहिर कर देनी चाहिए।

मकरः आज आपके कामकाज में स्थिरता बनी रहेगी। आप कुछ नया सोचने में खुद को असमर्थ महसूस करेंगे।

कुंभः आज आपके भाई बहनों के सामने असमंजस की स्थिति बनेगी और चर्चाओं से मतभेद दूर होंगे। कार्यक्षेत्र में कोई समस्या जन्म लेगी।

मीनः आज आपको सज-धज कर कहीं पर जाना पड़ सकता है या फिर किसी सभा-समारोह के लिए तैयार होना पड़ सकता है।

ईमानदारी व निष्ठा के साथ करें अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें अधिकारी : सतपाल ब्रह्मचारी

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सोनीपत को मिले विशेष पुरस्कार को लेकर मेयर राजीव जैन और अधिकारियों को दी बधाई

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। सांसद शुक्रवार को लघु सचिवालय में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।सांसद ने स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शहर के नाले व सीवरेज समय पर साफ होंगे तो ही शहर स्वच्छ रहा सकता है। ऐसे में सभी अधिकारी समय-समय पर नालों व सीवरेज की सफाई पर विशेष ध्यान दें। सांसद ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सोनीपत को मिले विशेष पुरस्कार को लेकर सांसद ने मेयर राजीव जैन और अधिकारियों को बधाई दी। इसके पश्चात उन्होंने बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कुल 67 एजेंडों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जिला में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करें ताकि आमजन को उनका लाभ मिल सके। इसमें अधिकारी किसी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई न करें उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें ताकि हर पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ उठा सके। बैठक के दौरान सांसद ने दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत गांव कासंडी में बनाए गए सेंटर को गोहाना में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। ताकि प्रशिक्षण के लिए लोगों को आने जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।बैठक में विधायक बरोदा इंदुराज नरवाल, नगर निगम मैयर राजीव जैन, जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया, अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, डीसीपी कुशल सिंह, एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय, एसडीएम खरखौदा डॉ0 निर्मल नागर, एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, एसडीएम गन्नौर प्रवेश कादियान, सीईओ जिला परिषद अभय सिंह जांगड़ा सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय स्थित कार्यालयों का किया निरीक्षण

कार्यालयों में सफाई के साथ-साथ रिकॉर्ड को दुरूस्त रखें संबंधित अधिकारी : सुशील सारवान

पात्र लाभार्थियों तक सरकार की योजनाओं व सेवाओं का लाभ समय पर पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में स्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय में साफ-सफाई अच्छी तरह से होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालयों में सफाई के साथ-साथ रिकार्ड को भी संबंधित अधिकारी दुरूस्त रखें ताकि जरूरत पडने पर किसी प्रकार की समस्या न हो।

उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं व सेवाओं का लाभ निश्चित समय सीमा में पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सब की है इसलिए अपनी जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन कर लोगों तक योजनाओं और सेवाओं तक पहुंचाने का कार्य करें। इसके अलावा जिस भी ब्रांच में किसी कार्य के लिए पत्र भेजा जाता है उसपर तुरंत कार्यवाही करना सुनिश्चित करें इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई बरती गई तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह रिकॉर्ड को अच्छी तरह से मेंटेन रखें। जो रिकॉर्ड पुराना हो चुका है तथा उसका कंप्यूटराइजेशन हो चुका है उसे रिकॉर्ड को नियमों के अनुसार बाहर निकलें। इसके अलावा उन्होंने उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर कार्यालय में पहुंचे और कार्यालय में किसी कार्य के लिए आने वाले नागरिकों के साथ अच्छा व्यवहार करते हुए उसके कार्य को पूरा करवाने के लिए उसका सहयोग करें। उन्होंने शौचालयों की चैकिंग करते हुए निर्देश दिए कि प्रतिदिन शौचालयों के अच्छी तरह साफ-सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

संग्रहालय का 99 फीसद कार्य पूर्ण, आमजन के लिए जल्द शुरू होगा संग्रहालय

उपायुक्त सुशील सारवान ने शुक्रवार को सोनीपत शहर मे स्थित स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय को दौरा कर संग्रहालय में चल रहे गैलरियों के ब्यूटीफिकेशन कार्यो का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने बताया कि संग्रहालय एक ऐसी संस्था है जो सांस्कृतिक या वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं को प्रदर्शित या संरक्षित करने के लिए समर्पित है। उन्होने बताया कि सोनीपत में भी एक ऐसा ही संग्रहालय बनाया जा रहा है। जिसका लगभग 99 फीसद कार्य पूर्ण हो चुका है। संग्रहालय का कार्य जल्दी ही पूर्ण हो जाएगे। जिसके उद्घाटन के बाद इसे आमजनता के लिए पूर्ण रूप से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में सैक?ो वर्ष पुरानी वस्तुएं सजाई जा रही है। संग्रहालय में विभिन्न तरह की गैलरियो के ब्यूटीफिकेशन का भी कार्य किया जा रहा है। जिसमें पुलिस गैलरी, सैनिक गैलरी, मुद्रा गैलरी व अन्य विभिन्न तरह की गैलरियां बनाई जा रही जो युवा पीढी के लिए आर्कषण का केंद्र रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय वास्तव में ही युवा पीढ़ी को प्राचीन इतिहास जानने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में स्थापित हो रहा है। जिससे सोनीपत में पर्यटकों की संख्या मे भी ब?ोतरी अवश्य होगी। सदस्य सचिव राजेश खत्री ने बताया कि संग्रहालय में 100 वर्ष से लेकर 5 हजार वर्ष पुरानी वुस्तएं मौजूद है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय का 99 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। केवल सोलर प्लांट व रहट का कार्य शेष है जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में सभी ऐतिहासिक वस्तुएं सजाने का कार्य भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिन राष्ट्रीय कला केंद्र आईजीएनसीए मे कला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंचल पांडया के नेतृत्व में किया गया है।

मोटरसाईकिल चोरी में संलिप्त आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिले के थाना शहर गोहाना की पुलिस ने मोटरसाईकिल चोरी करने की घटना मे संलिप्त आरोपी को प्रोडक्शन वांरट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी नितेश पुत्र राधेश्याम निवासी माहरा गोहाना का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि गत 26 मई 2025 को आशीष पुत्र जगमेन्द्र निवासी इन्द्रगढ़ी गोहाना ने थाना शहर गोहाना मे शिकायत दी कि 25 मई 2025 को तकरीबन 06.30 बजे पर मै रोहटा पार्क में घुमने के लिए गया था और मैने मोटरसाईकिल पार्क में खड़ी कर दी और मैनें अपनी मोटरसाईकिल तकरीबन 07.15 बजे देखी तो मेरी मोटरसाईकिल खड़ी नही मिली। मेरी मोटरसाईकिल को कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया इस घटना का भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत थाना शहर गोहाना में अभियोग दर्ज किया गया था। थाना शहर गोहाना की अनुसंधान टीम मे नियुक्त मुख्य सिपाही धीरज ने अपनी पुलिस टीम के साथ घटना मे संलिप्त आरोपी नितेश पुत्र राधेश्याम निवासी माहरा गोहाना को प्रोडक्शन वांरट पर लेकर गिरफ्तार किया है।

खरखौदा में जिला नगर योजनाकार विभाग ने अवैध निर्माणों को किया ध्वस्त

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिला नगर योजनाकार, सोनीपत की ईन्फोरसपमैन्ट टीम द्वारा खरखौदा की राजस्व सम्पदा में शहरी क्षेत्र में लगती हुई 6.15 एकड़ में बनी 2 अवैध कॉलोंनिया जिसमें 27 डीपीसी 1 बाउडरी वॉल व कच्चे रास्ते को जिला प्रशासन की मदद से कार्यवाही करते हुए ध्वस्त किया गया। यह कार्यवाही शहरी क्षेत्र अधिनियम के तहत की गई है। ईन्फोरसपमैन्ट टीम द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही में और सख्ती बरती जायेगी ताकि अवैध निर्माण/कालोनी काटने व उसमें निर्माण करने वालो के मंसूबे पूरे न हो सकें और समय रहते पनप रहे अवैध निर्माण/कालोनी को तोड़ा जा सके। डीटीपी ने आम जनता से आह्वान किया कि अवैध कालोनी में निर्माण करके अपनी मेहनत की कमाई को बरबांद ना होने दें। कोई भी अवैध निर्माण करने से पहले सरकार से नियमानुसार अनुमति लें। अवैध निर्माण को किसी भी समय अधिनियम के प्रावधान में गिराया जा सकता है। इस बारे में विस्तृत जानकारी हेतू जिला नगर योजनाकार कार्यालय सोनीपत, प्रथम तल, एच.एस.वी.पी कॉम्पलैक्स, सैक्टर-15, सोनीपत में सम्पर्क करें।

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती, बल्कि सरोकारों की राजनीति करती है : डा. सतीश पूनिया

भाजपा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष ने जिलों के कार्यों की समीक्षा की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 18 जुलाई। भाजपा की शुक्रवार को पंचकूला में संगठनात्मक बैठक हुई। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि सत्ता और संगठन के बेहतर तालमेल के माध्यम से मोदी और नायब सरकार की योजनाओं को लाभार्थियों के घर-घर तक पहुंचाने की रणनीतिक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती, बल्कि सरोकारों की राजनीति करती है। भाजपा का यह चरित्र है कि हम चुनावी और वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवाचार पर जोर देते हैं। पीएम मोदी ने जनता से दूर हो गए रेडियो को 'मन की बात' कार्यक्रम के तहत देश से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हो रहा है। मोदी और नायब सरकार की रचनात्मक गतिविधियां लोगों को नजर आ रही है। डबल इंजन की सरकार में हर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पौधारोपण अभियान में भाजपा के कार्यकर्ता समर्पित होकर काम कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं को 25-25 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने उससे भी अधिक पेड़ लगाने काम किया हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि पिछले दिनों योग दिवस, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, मन की बात कार्यक्रम के अलावा अन्य गतिविधियां चलाई गई थी उन सभी की आज समीक्षा की गई।

आगामी कार्यक्रमों के बारे में बोलते हुए बड़ौली ने कहा कि 27 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुना जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी संगठनात्मक 27 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है और अब जल्द ही जिला कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति भी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के बाद कार्यशालाओं का आयोजन कर सभी नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आने वाले समय में भाजपा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री और प्रदेश महामंत्री जिलावार कार्यकर्ताओं की बैठक भी लेंगे।

रॉबर्ट वाड्रा पर कार्रवाई को कांग्रेस ने राजनीति से जोड़ा

ईडी द्वारा रॉबर्ट वाड्रा पर हुई कार्रवाई पर श्री बड़ौली ने कहा कि गलत तरीके से जमीन की खरीद फरोख्त करके पैसा कमाना गलत है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत ही ईडी कार्रवाई कर रही है। एक अन्य सवाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि झूठ बोलना कांग्रेस की आदत बन गई है। जब-जब चुनाव आते है कांग्रेस ईवीएम को दोषी ठहरा देती है। अगर कोई टैक्स व बिजली चोरी करता हुआ पकड़ा जाए तो कांग्रेस उसमें भी राजनीति ढूंढने का काम करती है। उन्होंने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा पर जो कार्रवाई हो रही है कांग्रेस उसे भी राजनीति से जोड़ रही है। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा ग्रीवेंस समिति का गठन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए किया गया है। ग्रीवेंस कमेटी में लोगों की समस्याओं का जल्द ही समाधान हो जाता है और लोगों को अदालत के चक्कर लगाने से छुटकारा भी मिलता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज की बैठक में संगठन के विस्तार, 'मन की बात' कार्यक्रम की आगामी रणनीति एवं भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा हुई और पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

उद्योग व वित्त मंत्री के साथ उद्योग राउंड टेबल मीटिंग

नीतिगत सुधारों के माध्यम से उद्योग को प्रोत्साहन और नए निवेश को आकर्षित करने पर बल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब भवन, चंडीगढ़ में व्यापार, उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री संजीव अरोड़ा और वित्त मंत्री सरदार हरपाल सिंह चीमा के साथ पंजाब के प्रमुख उद्योग संगठनों की एक राउंड टेबल बैठक आयोजित की गई। इस आयोजन का संयोजन राज्यसभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी द्वारा किया गया। बैठक की शुरुआत में उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी लागू करने के लिए आभार व्यक्त किया, जिसके तहत फोकल पॉइंट्स में विवादित औद्योगिक भूखंडों के बकाया निपटान के लिए 8 फीसदी ब्याज दर पर भुगतान की सुविधा दी गई है। बैठक में उद्योग को प्रभावित करने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए, जिनमें सभी फोकल पॉइंट्स और औद्योगिक क्षेत्रों के शीघ्र पुनर्विकास की आवश्यकता, औद्योगिक ऋणों पर अधिक बंधक और हाइपोथिकेशन शुल्क की अधिकतम सीमा निर्धारित करना, साइकिलों पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करना, सौर ऊर्जा ट्रांसमिशन के लिए व्हीलिंग चार्ज का युक्तिकरण, अमृतसर में चावल निर्यातकों के लिए ड्राई पोर्ट कंटेनर सुविधा उपलब्ध कराना, और अमृतसर, मोहाली एवं लुधियाना में कन्वेंशन सेंटर्स के विकास में तेजी लाना शामिल हैं। संजीव अरोड़ा ने उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि इन सभी विषयों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा और 45 दिनों के भीतर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरदार हरपाल सिंह चीमा ने साइकिल पर जीएसटी घटाने का मुद्दा आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वर्ष 2018 में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा समाप्त की गई 2.5 फीसदी की वित्तीय प्रोत्साहन योजना की समीक्षा की जाएगी। डॉ. साहनी ने राजपुरा औद्योगिक क्षेत्र में अवसंरचना विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया और उद्योगपतियों को वहां अपने उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब देश में उद्योग के लिए सबसे किफायती बिजली दरों में से एक प्रदानकर्ता है। बैठक में सीआईआई, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स, एफआईसीओ, सीआईसीयू, बासमती राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन, यूनाइटेड साइकिल पार्ट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, होजिरी एवं निटवियर एसोसिएशन, प्लाइवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, धनदारी इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन, डेराबस्सी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, मोहाली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन सहित अनेक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस ने घर से नाराज़ होकर निकली 19 वर्षीय लड़की को कुरुक्षेत्र से सुरक्षित किया बरामद

जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। पुलिस थाना ढकोली को दिनांक 17 जुलाई 2025 को एक व्यक्ति द्वारा लिखित शिकायत सौंपी गई, जिसमें बताया गया कि उसकी 19 वर्षीय बेटी किसी बात को लेकर गुस्से में आकर घर से बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

शिकायत मिलते ही पीएस ढकोली की पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच के दौरान प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह सामने आया कि लड़की दिल्ली पहुंच चुकी है। इसके बाद दिल्ली बस अड्डे से संपर्क किया गया, जहाँ से यह जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त लड़की ने दिल्ली से अमृतसर जाने के लिए एक बस की टिकट बुक करवाई है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित बस सेवा के मालिक से संपर्क कर बस का नंबर तथा उसमें कार्यरत ड्राइवर और कंडक्टर के मोबाइल नंबर प्राप्त किए। सभी से समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बस को कुरुक्षेत्र के पास रुकवाया और लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया।

पार्षद योगेश ढींगरा ने प्रशासन पर उठाए सवाल

सेक्टर-37 कम्युनिटी सेंटर का जिम बना शोपीस, लाखों का सामान खराब

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वर्षों से बंद पड़े जिम में लाखों रुपये का महंगा फिटनेस उपकरण धूल फांक रहा है। पार्षद योगेश ढींगरा ने इस मुद्दे को उठाते हुए नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने कहा कि एक ओर शहर का युवा प्राइवेट जिम में सालाना 15 से 20 हजार रुपये खर्च कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी संसाधन कम्युनिटी सेंटर में बने जिम बेकार पड़े हैं। पार्षद योगेश ढींगरा ने कहा, 'प्रशासन रोज़ाना 'विकसित भारत 2047' की बात करता है, लेकिन जब लोगों का लाखों का सार्वजनिक धन बर्बाद हो रहा है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?'

पार्षद ने कहा कि यूथ को नशे से दूर रखने के लिए लगातार कार्यक्रम होते हैं, जिनमें पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया भी युवाओं के मार्गदर्शन की बात करते हैं। ऐसे में जनता प्रशासक से अपील कर रही है कि बंद पड़े जिम को जल्द से जल्द चालू करवाया जाए, ताकि युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने में मदद मिले और वे महंगे प्राइवेट जिम से बच सकें। क्योंकि जनता अब यह सवाल कर रही है कि इस जिम में जो भी पैसा लगा है वह उनके टैक्स का पैसा है इसलिए जनता का पैसा जनता तक पहुंचना चाहिए और उनको यह सुविधा मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नगर निगम को अपनी पॉलिसी में बदलाव कर ऐसी सुविधाओं को आम जनता की पहुंच में लाना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'जब नागरिक अपने अधिकार मांगते हैं, तो प्रशासन कहता है कि निगम के पास फंड नहीं है। ऐसे में यह नाकामी खुद प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाती है।'

पार्षद ने मांग की है कि इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए बंद पड़े जिम को तुरंत शुरू किया जाए ताकि युवाओं, महिलाओं इसका लाभ ले सकें।

अमरिंदर सिंह भाजपा के जिला सचिव नियुक्त

पंचकूला (अप्रस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष द्वारा हाल ही में घोषित की गई कार्यकारिणी में पंचकूला सेक्टर 26 मदनपुर के अमरिंदर सिंह को जिला सचिव (मंत्री) नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा जिला पंचकूला के जिला सचिव का दायित्व सौंपे जाने पर वह हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया , प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, पंचकूला के जिला प्रभारी रवि बतान तथा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल का प्रकट करते हैं। यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि एक सेवा का अवसर है। अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह सभी के विश्वास और मार्गदर्शन से प्रेरित होकर संगठन को और अधिक सशक्त, संगठित व प्रभावी बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी से कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगे।

ढकोली के रूफटॉप रेस्टोरेंट में हवाई फायरिंग का वीडियो वायरल, युवक पर मामला दर्ज

जन्मदिन समारोह में दोनों हाथों से की ताबड़तोड़ फायरिंग, पुलिस ने शुरू की जांच

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। ढकोली क्षेत्र के एक रूफटॉप रेस्टोरेंट में जन्मदिन पार्टी के दौरान एक युवक द्वारा दोनों हाथों में पिस्तौल पकड़ कर ताबड़तोड़ हवाई फायरिंग करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने देर शाम आरोपी विक्रम शर्मा पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक भीड़ के बीच खड़ा है और दोनों हाथों में पिस्तौल थामकर हवा में कई राउंड फायर करता है। इस दौरान रेस्टोरेंट में मौजूद अन्य लोग तालियां बजाते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जैसे ही वायरल हुआ, लोगों में भय और रोष फैल गया।

स्थानीय लोगों ने इस तरह की हरकत को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बताया और संबंधित प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते हुए जांच तेज कर दी है।

पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर उक्त युवक की पहचान की जा रही है और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह घटना एक जन्मदिन समारोह के दौरान हुई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

एनएसीपी डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक लेखन पर क्षेत्रीय क्षमता निर्माण पर हुई कार्यशाला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक दो दिवसीय क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया। यह चंडीगढ़ में अपनी तरह की पहली पूर्णत- पेपरलेस कार्यशाला है, जो सरकार के डिजिटल स्वास्थ्य रूपांतरण के दृष्टिकोण को साकार करती है। इस आयोजन को यूटी चंडीगढ़ के स्वास्थ्य सचिव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

सीएसएसीएस के परियोजना निदेशक ने बताया कि यह कार्यशाला पूरी तरह पेपरलेस रही, जो डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला में नेको के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सीडीसी इंडिया, यूएनएआईडीएस और आईटैक इंडिया जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और लद्दाख जैसे पड़ोसी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने भी इसमें सक्रिय भागीदारी की। स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक, यूटी चंडीगढ़, डॉ. सुमन सिंह ने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक लेखन में क्षमता निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह वित्तीय वर्ष 2025-26 में नेको द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाओं की श्रृंखला की चौथी और अंतिम कड़ी है।

तुम जियो हजारों साल

परमप्रीत कौर को उनके जन्मदिन पर परिवार व सगे संबंधियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)